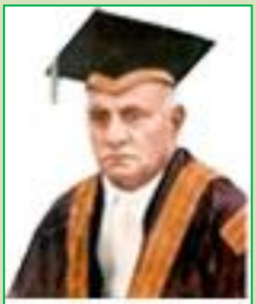

Dr. Harisingh Gour

न्यूजलेटर

मई 2025

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर

विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय

कुलसचिव (प्र.)

संपादक

डॉ. विवेक जायसवाल

जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य

डॉ. हेमंत पाटीदार

डॉ. आशुतोष

डॉ. शालिनी चोइथरानी

डॉ. संजय शर्मा

माधव चंद्रा

राष्ट्र की प्रगति में श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान, उनकी प्रगति में सहयोगी बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई 2025 के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय पुस्तकालय के रंगनाथन भवन में एक विशेष व्याख्यान एवं श्रमिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंह मटसेनिया ने प्रस्तुत की. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि श्रमिक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. उन्होंने कहा कि श्रमिक कड़ी धूप में काम कर हमको छाँव प्रदान करते हैं.

हम सबके लिए अथक परिश्रम करते हैं. झोपड़ी से लेकर मल्टीप्लेक्स तक के निर्माण में योगदान कर राष्ट्र की प्रगति को एक आकार और आधार प्रदान करते हैं. उन्होंने अर्थशास्त्र विभाग की इस पहल की भी प्रशंसा करते हुए विभाग में श्रमिक की समस्याओं पर शोध कार्य की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि श्रम का सीधा संबंध अर्थशास्त्र से है, इसलिए श्रमिकों को अर्थशास्त्र एवं अर्थव्यवस्था में उचित स्थान मिलना ही चाहिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान है. हमें उनकी प्रगति में सहयोगी बनना चाहिए. देश और दुनिया में जितना भी आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है उसमें

मजदूरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किसी भी श्रेष्ठ राष्ट्र के सौन्दर्य की नींव में मजदूरों का श्रम ही है. मजदूरों के कल्याण हेतु हम सबको संयुक्त रूप से प्रयास करना होगा तभी हम उनके योगदान की सार्थकता को प्रमाणित करने में सफल हो सकेंगे. मजदूर का श्रम ही राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता का आधार है. कार्यक्रम में श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने प्रमाण पत्र प्रदान किया. उन्होंने विश्वविद्यालय में कार्यरत श्रमिकों को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया.

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता जिला श्रम अधिकारी सुश्री सृष्टि तिवारी ने श्रमिकों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि भारत को आजाद हुए 75 वर्ष से अधिक हो चुके हैं लेकिन श्रमिकों की बेहतरीन के लिए जो अधिनियम बने हुए हैं उनका ठीक से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है. जिससे श्रमिकों की स्थितियों में जितना सुधार होना चाहिए था उतना नहीं हो पा रहा है. श्रमिक दिवस के अवसर पर हम सब की जिम्मेदारी है कि हम श्रमिकों को जागरूक बनाएं, जिससे वे बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें. हम सब भी उनकी समस्याओं को हल करने हेतु आगे आयें.

कार्यक्रम को मानविकी एवं समाज विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने भी संबोधित करते हुए कहा कि निर्माण और पुनर्निर्माण में केवल बौद्धिक ही नहीं बल्कि शारीरिक श्रम की भी जरूरत होती है. आज का दिन उनके प्रति सद्भावना व्यक्त करने और उन्हें सम्मान प्रदान करने का दिन है. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया द्वारा दिया गया. कार्यक्रम में प्रो. उत्सव आनंद, इंजी राहुल गिरी गोस्वामी, प्रो. राजेश गौतम, डॉ. टी.ए. मोहन, मुकेश कुमार साहू, डॉ. आरबीएम रेड्डी, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. वीणा थावरे, डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा, समर दीक्षित, इंजी. एस.ए. कुरैशी, डॉ. एकता श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश सिंह सहित विभाग के सभी शोधार्थी एवं विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी की.

निर्माणाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा विश्वविद्यालय

कुलपति ने कहा कि इस वर्ष श्रमिक दिवस की थीम स्वास्थ्य जागरूकता है. इसलिए श्रमिकों का स्वास्थ्य सही रहना आवश्यक है. इस दिशा में पहल करते विश्वविद्यालय अपने परिसर में विभिन्न निर्माणाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा.

कुलपति ने निर्माणाधीन स्थल पहुँच मिष्ठान्न वितरित कर श्रमिकों को दी शुभकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में निर्माणाधीन विस्तारित संग्रहालय भवन के निर्माण में संलग्न मजदूरों से मुलाकात कर मिष्ठान एवं अन्य खाद्य एवं शीतल पेय पदार्थ भेंट कर उनके कार्यों की प्रशंसा की. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे, विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे.

स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में 30 अप्रैल 2025 को उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) में स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 32 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. डॉ. विवेक कुमार पांडे (प्रभारी, सीएआर) ने उन्नत अनुसंधान केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र की शुरुआत की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी और प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं.

व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. अर्जुन अदित (प्रभारी शिक्षक, एसईएम) ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में एसईएम तकनीक के इतिहास, सामान्य परिचय, सिद्धांत, सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोगों के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जानकारी दी. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के कई अनुप्रयोग हैं, जिनमें सामग्री विज्ञान, इंजीनियरिंग, जैव विज्ञान और दवा उद्योग आदि शामिल हैं. एसईएम तकनीक का उपयोग सतह की संरचना और संरचना को देखने, घटकों के रासायनिक संगठन का विश्लेषण करने और सतह की विशेषताओं को मापने के लिए किया जाता है.

उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर विभिन्न उपकरणों पर विश्वविद्यालय में समय समय पर कार्यशाला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है. हैंड्स ऑन सत्र श्री शिवप्रकाश सोलंकी, सीएआर द्वारा एसईएम उपकरण के हार्डवेयर भाग और इसके सहायक उपकरणों के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू हुआ. विभिन्न पृष्ठभूमि से सैम्पल तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया. प्रतिभागियों को सैम्पल तैयार करने, उसके विश्लेषण से लेकर डेटा व्याख्या तक की पूरी जानकारी प्रदान की गई. प्रतिभागियों की रुचि के क्षेत्र से संबंधित प्रश्नों पर विचार किया गया एवं उनका उत्तर दिया गया. सैम्पल तैयार करने के लिए प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित किया गया था. प्रत्येक समूह ने नमूना तैयार किया और अपने सैम्पल का विश्लेषण किया.

प्रतिभागियों द्वारा एसईएम पर संपूर्ण व्यावहारिक सत्र सीएआर तकनीकी टीम के डॉ. विवेक कुमार पांडे, श्री शिवप्रकाश सोलंकी, श्री सौरभ साह, श्री आशीष चढ़ार, श्री अरविंद चडार और श्री चन्द्र प्रकाश सैनी की तकनीकी देखरेख में आयोजित किया गया.

गणित एवं सांख्यिकी विभाग में पंच प्रण पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं व्याख्यान का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में पंच प्रण संकल्प जागरूकता अभियान के तहत प्रथम सत्र में हमारी विरासत पर गर्व विषय पर निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. द्वितीय सत्र में इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पंकज सिंह द्वारा पंच प्रण हमारी संस्कृति हमारा गौरव पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता में प्रथम रहे हर्षित खरे, द्वितीय हर्षिता तिवारी एवं तृतीय प्रतिभा सेन, प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त टीम में नवनीत जैन, मनहर मौर्य, अश्वनी तिवारी एवं द्वितीय स्थान प्राप्त टीम से हंसिका सैनी, सत्यम सेन, आशीष साहू को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए. विश्वविद्यालय के पंच प्रण संयोजक प्रो. नागेश दुबे विभागाध्यक्ष प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर व्याख्यान दिया. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. आर. के. गंगेले, प्रो. यू. के खेड़लेकर, डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. आर.के. पाण्डेय, डॉ. कविता श्रीवास्तव, डॉ. शिवानी खरे, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. अंकित रूही, डॉ. भूपेंद्र कुमार सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन आस्था जैन एवं महिमा चौबे ने किया. तकनीकी सहयोग हीरा अहिरवार ने दिया. आभार डॉ. कविता श्रीवास्तव द्वारा व्यक्त किया गया.

प्राणी शास्त्र के तीन एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के दो छात्र सीएसआईआर-नेट में सफल

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के प्राणी विज्ञान विभाग के तीन छात्रों ने सीएसआईआर-यूजीसी-नेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है. शंकर कुमार शर्मा, मृणाल नागवंशी और अनुपम बरोद ने यह सफलता पाई है. इसी के साथ ही विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के आदर्श ताम्रकार एवं सुप्रिया द्विवेदी भी इस परीक्षा में सफल हुए हैं. छात्रों ने अपनी सफलता के पीछे अथक प्रयास और उत्साह के लिए विभाग के सभी संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया है। प्राणी शास्त्र विभाग की प्रमुख प्रो. श्वेता यादव ने छात्रों की उल्लेखनीय सफलता के लिए उन्हें बधाई दी. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी सफल छात्रों को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की.

ई-गवर्नेंस में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय देश में सबसे आगे, समर्थ पोर्टल के सभी माड्यूल्स सक्रिय

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि मिली है. विश्वविद्यालय अब ई-गर्वर्नेंस में भी देश में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है. विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लांच किये गए समर्थ पोर्टल के सभी मोड्यूल्स सक्रिय हैं जिनके माध्यम से सभी आवश्यक क्षेत्रों में ऑनलाइन माध्यम से कार्य संचालित हो रहे हैं. समर्थ ई-गवर्नेंस सिस्टम शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) पहल है जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में एक कुशल और कम लागत में प्रभावी संसाधन नियोजन प्रणाली को लागू करना है। यह एकीकृत प्रबंधन प्रणाली है जिससे उच्च शिक्षा की सभी इकाईयां एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर एक ही प्राविधि से कार्य करेंगी.

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने समर्थ ईआरपी मॉड्यूल को लागू करने का सौ फीसदी लक्ष्य हासिल किया है। इसके कुशल क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय ने समर्थ कार्यान्वयन समिति की स्थापना की, प्रशिक्षण आयोजित किया और पुरानी मैनुअल प्रक्रियाओं को चरण बद्ध तरीके से बंद करते हुए डिजिटल प्रणाली का उपयोग शुरू किया. इसमें कुल 44 मोड्यूल हैं जैसे प्रवेश रिकॉर्ड, परीक्षा, वित्त, वित्त, आरटीआई, पेंशन, एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट, फ़ाइल प्रबंधन इत्यादि. गौरतलब है कि विगत वर्षों से अब तक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक शाखाओं में सभी कार्य ऑनलाइन माध्यम से प्रारम्भ किये गये और ई-गवर्नेंस की दिशा में प्रगति की है. एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट के क्रियान्वयन के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा कुलपति को सम्मानित भी किया गया है. शिक्षा मंत्रालय के तत्त्वावधान में पीएम-ऊषा के तहत बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों पर नई दिल्ली स्थित आईसीएआर के ए.पी. शिंदे सिम्पोजियम सभागार में 30 अप्रैल एवं 1 मई, 2025 को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई को पूसा रोड, आयोजित की गई. केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया. कार्यशाला में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, शिक्षा मंत्रालय के अपर सचिव श्री सुनील कुमार बरनवाल, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम, एनईटीएफ के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति और विश्वविद्यालयों के कुलपति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे.

कार्यशाला में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय में समर्थ के सभी मोड्यूल्स के क्रियान्वयन की प्रक्रिया की यात्रा को साझा किया. उन्होंने कहा कि डिजिटल युग के पहले सभी कार्य मैनुअल ढंग से होते थे जिसमें काफी समय लगता था. किसी भी रिकॉर्ड को रियल टाइम में प्राप्त करना पहले एक बड़ी चुनौती थी. किसी भी संस्थान की कार्यपद्धति में अचानक बदलाव करना एक बड़ी चुनौती होती है. उन्होंने कहा कि हमने विश्वविद्यालय के गवर्नेंस में मैनुअल कार्य पद्धति को जारी रखते हुए चरणबद्ध तरीके से प्राथमिकता अनुसार एक-एक मोड्यूल्स पर कार्य करना प्रारम्भ किया और पुराने और मैनुअल ढंग से क्रियान्वित होने वाले कार्यों को हम डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर लाने में सफल हुए. प्रवेश के रिकॉर्ड, परीक्षा और उनके परिणाम, वेतन, पेंशन, सभी तरह के अवकाश, नियुक्ति के फॉर्म इत्यादि सहित सभी गतिविधियाँ समर्थ एकीकृत पोर्टल के माध्यम से किये जा रहे हैं. उन्होंने इसके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों को

साझा करते हुए इसके सफल क्रियान्वयन की रणनीतियों की भी चर्चा की. उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए सभी कर्मचारियों, अधिकारियों एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण भी आवश्यक है. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने कई चरणों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया. इसमें आ रही समस्याओं के समाधान के लिए वीडियो लिंक भी वेबसाईट पर उपलब्ध किये. सभी आवश्यक जानकारियों को त्वरित प्रक्रिया के तहत साझा किया. विश्वविद्यालय के आई टी सेल को तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराये गये और सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में शिखर पर लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों को उनके संस्थानों में सौ फीसदी ई-गवर्नेंस लागू करने के लिए प्रेरित किया.

पंच प्रणों के प्रति जागरुकता हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

पंच प्रण एवं साइवर सुरक्षा समिति के निर्देशानुसार विभागाध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार तिवारी की अध्यक्षता में पंच प्रणों के प्रति जागरुकता के लिए दर्शनशास्त्र विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय “भारतीय संस्कृति और ज्ञान-परम्परा” था। इस कार्यक्रम का समन्वयन विभाग की सहायक आचार्य, डॉ. देवस्मिता चक्रबर्ती ने किया। कार्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर के 21 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। निबंध प्रतियोगिता के प्रथम विजेता गौरव कुमार, शोधार्थी दर्शनशास्त्र विभाग, द्वितीय विजेता अथर्व मिश्रा, स्नातक द्वितीय सेमेस्टर, तृतीय विजेता रिशिका यादव, स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर एवं चन्दन कुमार मिहिर, स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर रहे।

कड़ी मेहनत, दूर दृष्टि और पक्का इरादा ही सफलता का मूल मंत्र: प्रो.ठाकुर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग में उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में “पंचप्रण: विकसित भारत 2047 की संकल्पना” विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस“ अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु निर्माण” विषय पर प्रतियोगिता” और द्वितीय दिवस “एक राष्ट्र: एक चुनाव” विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समापन दिवस के कार्यवाहक कुलपति प्रो. वाई. एस.ठाकुर के अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथिगण का औपचारिक स्वागत शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने किया। पंच प्रण कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अनूपी समैया ने कार्यक्रम के पंचप्रण (संकल्प); 1. विकसित भारत का संकल्प, 2. औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति, 3. हमारी विरासत पर गर्व करना, 4. हमारी एकता को बनाये रखना, और 5. हमें अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता एवं संकल्पित किया जाना पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे पंचप्रण और साइबर सुरक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने अपने वक्तव्य में युवाओं को कर्तव्य परायणता का बोध कराते हुए राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि मानसिक गुलामी ही हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सबसे बड़ी अवरोध है अतः हमें समय की मांग को देखते हुए खुले मन मस्तिष्क से अनवरत सीखने पर जोर देना चाहिए।। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो. वाई. एस. ठाकुर ने सभी से एक जुट होकर

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने पर बल देते हुए कहा कि "कड़ी मेहनत, दूर दृष्टि और पक्का इरादा ही सफलता का मूल मंत्र है। "आपने अपने जीवन में विभिन्न देशों की यात्रा वृत्तांत का अनुभव साझा करते हुए सभी से ईमानदारी पूर्वक अपने अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ.अनूपी समैया ने प्रतिवेदन वाचन करते हुए बताया कि प्रथम दिवस"अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु निर्माण "विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में कुल 23 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया ।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. रेखा सोलंकी, डॉ. निकिता जायसवाल एवं डॉ. अमित कुमार रहे। द्वितीय दिवस में "एक राष्ट्र : एक चुनाव" विषय पर वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 33 प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष में अपने-अपने विचार व्यक्त किया। वादविवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. संजय बरौलिया, डॉ. हिमांशु यादवएवं डॉ.आयुष गुप्ता रहे।तदोपरान्त पुरस्कार वितरण में" अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु निर्माण प्रतियोगिता" श्रेणी में प्रतिभागी वर्षा प्रजापति, कुंदन रजक, क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं साक्षी सरोन टोप्पो और सबाहसन को तृतीय पुरस्कार और "एक राष्ट्र: एक चुनाव वादविवाद प्रतियोगिता" श्रेणी में प्रतिभागी प्रियंका प्रियदर्शनी दास, प्रियांशु रंजन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा और शशांक नामदेव, आयुष कुमार एवं अमित कुमार को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पंचप्रण और साइबर सुरक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने पंच प्रण से संबंधित शपथ ग्रहण कराया। अतिथिगण ने प्रतिभागियों द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से निर्मित उपयोगी वस्तु प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। आभार ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रानी दुबे ने और मंच संचालन बी.एस.सी.बी.एड.की छात्रा जोया खान ने किया। कार्यक्रम के अंत में तदोपरान्त पंचप्रण और साइबर सुरक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने पंच प्रण से संबंधित शपथ ग्रहण कराया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इसअवसरपरशिक्षाशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ.धर्मेन्द्र कुमारसर्राफ़, डॉ. अभिषेककुमारप्रजापति, डॉ. पुष्पिता राजावत,डॉ. चिंतनवर्मा, डॉ. रजनीशअग्रहरी, डॉ. सावनकुमारी, डॉ. नवीन सिंह,डॉ. प्रवीणकुमारटी. डी.,डॉ. रमाकान्त, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ.अखंड शर्मा, डॉ. शिव शंकर यादव, डॉ. शकीला खान, डॉ. संजीव श्रीवास्तव समेत शिक्षाशास्त्र विभाग के बी. ए. बी.एड., बी. एस.सी. बी.एड., बी. कॉम. बी.एड., एम. ए. शिक्षाशास्त्र, एम. एड. के सभी विद्यार्थी और शिक्षा शास्त्र विभाग के सभी शोधार्थी भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में मनाया गया 'भारतीय दार्शनिक दिवस'

वैशाख शुक्ल पंचमी जो आदि शंकराचार्य की जयंती है, उसे अब भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली, की पहल पर भारतीय दार्शनिक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में दर्शनशास्त्र विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता, प्रो.

दिवाकर सिंह राजपूत थे। कार्यक्रम की समन्वयक विभाग की सहायक आचार्य डॉ. देवस्मिता चक्रबर्ती एवं डॉ. अर्चना वर्मा थी।

कार्यक्रम की शुरुआत आदिशंकराचार्य एवं डॉक्टर सर हरीसिंह गौर के चित्र पर मल्यार्पण कर की गई। दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी एवं अधिष्ठाता प्रो.डी. एस. राजपूत के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों ने आदिशंकराचार्य के दार्शनिक अवदान पर अपने विचार रखे । स्वागत उद्बोधन देते हुएडॉ. देवस्मिताचक्रबर्तीने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य जनों का अभिवादनकिया एवं शंकराचार्य के दार्शनिक उत्तराधिकार के एक कम चर्चित किन्तु अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा नैतिक अनुशासन, तर्कपूर्ण विचार, और सन्यास के जीवन के रूप में दर्शन पर बल दिया।तद्पश्चातआदिशंकराचार्य के जीवन पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया।इस कार्यक्रम में दर्शन विभाग तथा अन्य विभागों से सम्मिलित छात्र-छात्राओं द्वारा शंकराचार्य के जीवन एवं दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर पोस्टर बनाए गए।मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनिलकुमारतिवारी ने शंकराचार्य के जीवन से जुड़े अनेक वृत्तांतों, जैसे -शास्त्रार्थ करना,प्रजलित प्रथाओं को तोड़ना, आदिका उल्लेख किया जिनसे उनकीतार्किकता व आध्यात्मिक क्रांति का परिचय मिलता है।उन्होंने आदि शंकराचार्य द्वारा रचित अनेक ग्रंथों का

वर्णनकियाऔर भारतीय संस्कृति में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।प्रोफेसरराजपूतने अपने उद्बोधन में इस बात पर बल दिया कि हमें प्रयास करना चाहिए कि हम अपने भीतर शंकराचार्य और विवेकानंद आदि महापुरुषों को जीवित रखें।उनकेअनुसारहमेंशंकराचार्यकी शिक्षा कोअपने जीवन में उतारना चाहिए तभी उन पर किये गए कार्यक्रमों की सार्थकता है।दर्शनविभागकेशिक्षकडॉ. सत्यनारायणदेवलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रारम्भ वेद से है और इसका चरम वेदांत में देखने को मिलता है। उनके अनुसारआदि शंकराचार्य वेदांत में अद्वैत वेदांत के ध्वजवाहक हैंजिसमें समस्त प्राणियों की एकता का सूत्र समाहित है।विभागकेअन्यशिक्षकडॉ. नरेन्द्र कुमारबौद्धने शंकराचार्य के दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका दर्शन यह सिखाता है कि ब्रह्म केवल आपके प्रति मुझमे मानवता और मेरे प्रति आपमें मानवता है। ब्रह्म कोई वस्तु नहीं है, ये अनंत और गहरा है, इसमें किसी प्रकार का भेद नहीं है।उनके अनुसार ज्ञान की परिणति समाज के कल्याण में ही होनी चाहिए, अन्यथा अहंकार पैदा हो जाता है। शंकराचार्य ने अपने ज्ञान को समाज के कल्याण में लगाया।डॉ. अर्चनावर्माने आयोजन में सम्मिलित सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुएकहा कि यह दिन भारत के महान विचारकों के योगदान को सम्मान देने का दिन है।उन्होंने शंकराचार्य के दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शंकराचार्य की गहन शिक्षाओं ने जीवन और सत्य के विषय में पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया है।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी कराई गयी जसमें प्रथम स्थान पर दर्शन विभाग के स्नातकोत्तर के विद्यार्थी हेमंत तिवारी, दूसरे स्थान पर विभाग की शोधार्थी विभा पांडेय व तीसरे स्थान पर विभाग के विद्यार्थी वर्षा, रिषिका व सुशील रहे। कार्यक्रम में इतिहास विभाग से प्रो. बी. के. श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग से डॉ. दिव्या भनोट, दर्शन विभाग के शोधार्थी मनोहर लाल चौरसिया, विभा पाण्डेय, पूजा एवं गौरव कुमार के साथ-साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विभाग के छात्र हिमांक चक्रबर्ती ने किया

कौशल दक्षता व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक है - प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विश्वविद्यालय में समर स्कूल पाठ्यक्रम 02 जून से होंगे शुरू, 12 मई से होंगे रजिस्ट्रेशन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आमजन एवं प्रोफसनल्स के लिये ग्रीष्मकालीन अवकाश में कौशल विकास के लिये दो से चार सप्ताह अवधि के 9 कोर्स इस बार जून 2025 में आयोजित किये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इसके लिये एक विशेष प्रकोष्ठ 'नवाचार एवं समर स्किल कार्यक्रम' का पिछले सत्र में गठन किया था. विगत सत्र में विश्वविद्यालय पहली बार जून माह में भी समर स्कूल कार्यक्रम का आयोजन हुआ था.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समर स्कूल 2025 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इसके सभी 9 कोर्सेज के पोस्टर्स का विमोचन किया. उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी उच्चशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख क्षमता विकास के साथ-साथ उनमें व्यक्तित्व विकास के लिये विशेषतः फोकस करने हेतु निर्देशित किया गया है. यह आयोजन विश्वविद्यालय अकादमिक जगत के लोगों के साथ-साथ आमजन को भी सीखने-सिखाने का अवसर प्रदान करता है. विद्यार्थी अपनी परंपरा गत पढ़ाई के अलावा अपनी मनपसंद और रुचि के छोटे-छोटे पाठ्यक्रम करते हुए कुछ नया स्किल सीख सकें यही इसका उद्देश्य है। विगत सत्र में विश्वविद्यालय ने पहली बार समर स्कूल कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें सागर शहर के साथ-साथ मध्यप्रदेश सहित 13 राज्यों के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने उस कार्यक्रम में प्रवेश लिया. यह विश्वविद्यालय की एक विशेष उपलब्धि है।

समर स्कूल 2025 का शुभारंभ के इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने 9 कोर्सेज के पोस्टर का विमोचन किया। इस पाठ्यक्रमों में फोटोग्राफी, रिमोट सेन्सिंग, पाईथन, विज्ञापन एवं दृश्य संचार, रिसर्च, भौतिक विज्ञान, प्रोग्रामिंग, साइबर ला, पेंटिंग एवं शारीरिक शिक्षा जैसे विषयों से संबंधित पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इस अवसर पर समर स्कूल 2025 कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज, विभागाध्यक्ष भूगोल ने बताया कि इन सभी 9 कोर्सेज के लिये

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जायेगा. इच्छुक आवेदक रजिस्ट्रेशन हेतु दिये गये क्यूआर कोड अथवा लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे. इन कोर्सज का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है. आवेदन प्रक्रिया 12 मई से आरंभ होगी, और आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई रहेगी. दिनांक 1 जून को सामूहिक उद्घाटन कार्यक्रम होगा तथा 2 जून से कक्षाएं लगेंगी. सभी आवेदकों को विधिवत आवेदन उपरांत अपने कोर्स का व्हाट्सएप ग्रुप भी जॉइन करना होगा, ताकि समय-समय पर आवश्यक जानकारी भी प्रेषित की जा सके. कोर्सेज के संबंध में अन्य जानकारी अथवा मार्गदर्शन हेतु प्रत्येक विषय के कोर्स को-

ऑर्डिनेटर एवं मोबाइल नम्बर भी उपलब्ध करवाया गया है. उन्होंने बताया कि कोर्स समाप्ति पर सफलतापूर्वक कोर्स पूर्ण करने वाले प्रतिभगियों को प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा. सभी कोर्सेज के आयोजन का समय, उपलब्ध सीट संख्या, आदि की जानकारी भी वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाई गई है.

महिलाओं के बौद्धिक विकास पर केंद्रित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की वूमेन लीड डेवलपमेंट कमेटी (डब्लूएलडीसी) के तत्वावधान में रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में 'महिलाओं पर, महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा,' विषय पर एक ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं डब्लूएलडीसी की चेयरपर्सन प्रो. वंदना सोनी के संयोजन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रितु यादव (मुख्य प्रतिपालिका, बालिका

छात्रावास एवं सदस्य, डब्लूएलडीसी) ने की. संयोजन डॉ. शालिनी चौथीरानी (सदस्य, डब्लूएलडीसी) और डॉ. शिवानी खरे (सदस्य, डब्लूएलडीसी एवं मैस एवं रखरखाव प्रतिपालिका, रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास) के द्वारा किया गया. इस प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास, निवेदिता छात्रावास और सरस्वती छात्रावास की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. चार टीमों (प्रत्येक में तीन सदस्य) के बीच हुए इस ज्ञानपूर्ण प्रतिस्पर्धा में टीम सी (रानी कुमारी, अनुष्का सिंह, अंजू कपाड़िया) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम बी (अनुराधा रानी, अवन्ति, शिखा त्रिपाठी) और टीम डी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ. पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. वंदना राजोरिया (प्रतिपालिका, रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास), डॉ. सुषमा यादव (प्रतिपालिका, निवेदिता छात्रावास) और डॉ. श्वेता शर्मा (मैस एवं रखरखाव प्रतिपालिका, निवेदिता छात्रावास) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया.

कुलपति ने किया प्लेसमेंट एवं स्टार्टअप सेल तथा उन्नति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट एवं स्टार्टअप सेल तथा उन्नति फाउंडेशन, बैंगलुरू के मध्य दिनांक 2 अप्रैल 2024 को हुए एम.ओ.यू. समझौते के तहत प्रथम रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने

दिनांक 6 मई 2025 को निरीक्षण किया तथा इस निरीक्षण के दौरान उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित विद्यार्थियों से संवाद भी किया जिसमें विद्यार्थी काफी उत्साहित रहे. उक्त रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कम्प्यूटर साइंस एवं अनुप्रयोग विभाग में किया जा रहा है जो कि 15 अप्रैल 2025 से लगातार आयोजित है तथा कुल 30 कार्यदिवस तक जारी रहेगा. इस कार्यक्रम में उन्नति फाउंडेशन द्वारा अंतिम

वर्ष के 40 छात्रों के बैचों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिसमें स्पोकन इंग्लिश, प्रभावी संचार, जीवन कौशल, व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास निर्माण, मूल्यों को विकसित करना, वाद-विवाद, सार्वजनिक भाषण, मॉक इंटरव्यू आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है. कार्यक्रम में प्रतिदिन 3 घंटे का 30 कार्य दिवस का प्रशिक्षण शामिल है.

कार्यक्रम में चयन हेतु उन्नति फाउंडेशन द्वारा यूलीप एप के माध्यम से कम्प्यूटर साइंस एवं अनुप्रयोग, भौतिकी, व्यवसाय प्रबंध एवं वाणिज्य विभागों के 40 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया है. यह उन्नति फाउंडेशन द्वारा पहला बैच है, इसके बाद बाकी विद्यार्थियों के लिए भी बैच संचालित होते रहेंगे. विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट एवं स्टार्टअप सेल कोऑर्डिनेटर डॉक्टर अभिषेक बंसल एवं उन्नति फाउंडेशन की ट्रेनर डॉ. साहिबा नासिर द्वारा प्लेसमेंट एवं स्टार्टअप सेल की संरक्षक कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इस रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों के बारे में अवगत कराया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा कि प्रभावी संचार, जीवन कौशल, व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास निर्माण, मूल्यों के विकास, वाद-विवाद, सार्वजनिक भाषण, मॉक इंटरव्यू आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण पाकर विद्यार्थियों का समग्र विकास होगा एवं उन्हें एक उज्जवल भविष्य पाने में आसानी होगी. साथ ही साथ उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया जिससे विद्यार्थियों को नौकरी अथवा व्यवसाय में मदद मिल सके इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों से उनके अनुभव पूछे तथा विद्यार्थियों ने अपने में आए सुधार को साझा किया.

उक्त निरीक्षण में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के साथ प्रो. अजीत जायसवाल, डायरेक्टर फैकल्टी अफेयर्स एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित थे.

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.) की अध्यक्ष मनोनीत

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न, कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/ बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर की अध्यक्षता का दायित्व नगर के केन्द्रीय कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों के वरिष्ठतम अधिकारी होने के नाते डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है।

विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने कुलपति महोदया को बधाई देते हुए बताया कि माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा

गुप्ता को यह दायित्व राजभाषा हिन्दी के प्रति उनके प्रेम, समर्पण एवं विश्वविद्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन को देखते हुए सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है जिसमें माननीया कुलपति महोदया के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना की गई। श्री सोहगौरा ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कुलपति महोदया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाने में सफल होगी।

विदित हो कि नराकास का गठन नगर स्थित कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों द्वारा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाता है। पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, पावर ग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, आयकर, रेलवे स्टेशन, क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, आकाशवाणी-प्रसार भारती, डाकघर, छावनी परिषद, केन्द्रीय माल एवं सेवा कर प्रभाग, महार रेजीमेंट, केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, बीना रिफाइनरी, मौसम विज्ञान विभाग एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर सहित सागर नगर स्थित 40 से अधिक केन्द्र सरकार के कार्यालय नराकास, सागर के सदस्य हैं।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर डॉक्टर गौर के इस विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ सहित समस्त शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षण हम सभी को गौरवान्वित करने वाला है। इस अवसर पर नराकास सागर के सदस्य कार्यालयाध्यक्षों ने माननीया कुलपति महोदया को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी-एमएस) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने और वैश्विक पटल पर विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) में गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी-एमएस) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन केमिस्ट्री विभाग में किया गया, जिसमें कुल 33 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर

विभिन्न उपकरणों पर विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है. डॉ. विवेक कुमार पांडे, सीएआर ने केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र की शुरुआत की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं. व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. कल्पतरु दास एवं डॉ. दीपांषी जायसवाल (प्रभारी शिक्षक) थे. डॉ. दीपांषी जायसवाल ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में जीसी-एमएस और उन्नत उपकरणों के उपयोग की महत्ता को बताया और तकनीक के सामान्य परिचय और सिद्धांत की जानकारी दी. उनके द्वारा सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोगों के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जानकारी दी गई. डॉ. कल्पतरु दास ने बताया की जीसी-एमएस तकनीक का उपयोग चिकित्सा विज्ञान, दवाओं की खोज, वातावरण प्रदूषण, पेट्रोलियम उद्योग विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों और हानिकारक रसायनो की उपस्थिति को जानने के लिए किया जाता है.

हैंड्स ऑन सत्र डॉ. विवेक कुमार पांडे द्वारा गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री उपकरण के हार्डवेयर भाग और इसके सहायक उपकरणों के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू हुआ. डॉ. कल्पतरु दास ने विभिन्न पृष्ठभूमि से सैम्पल तैयार करने पर विशेष जोर दिया. सैम्पल तैयार करने के लिए प्रतिभागियों को 02 समूहों में विभाजित किया गया. प्रत्येक समूह ने सैम्पल तैयार किया और अपने सैम्पल का विश्लेषण किया. डॉ. कल्पतरु दास ने प्रतिभागियों को सैम्पल तैयार करने और उसके विश्लेषण से लेकर डेटा व्याख्या तक की पूरी जानकारी प्रदान की. प्रतिभागियों की रुचि के क्षेत्र से संबंधित प्रश्नों पर विचार किया गया एवं उनका उत्तर दिया गया.

प्रतिभागियों द्वारा जीसी-एमएस तकनीक पर संपूर्ण हैंड्स ऑन सत्र सीएआर तकनीकी टीम के डॉ. विवेक कुमार पांडे, श्री सौरभ साह, श्री आशीष चढ़ार, श्री अरविंद चडार, श्री स्वतंत्र अग्रवाल, श्री अंशुल चौधरी और प्रियंका अहिरवार की तकनीकी देखरेख में आयोजित किया गया.

छात्राओं के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के सामान्य एवं व्यवहारिक भूगोल विभाग द्वारा ग्लैड प्रोग्राम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए उनके स्वास्थ्य पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम 'आरोग्य ध्यानम' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में छात्राओं के लिए उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं समस्या समाधान के बारे में सत्र आयोजन किये गये. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के कैरियर संबंधी क्षमताओं एवं कमजोरियों का विश्लेषण, तनाव प्रबंधन, जीवन सफलता हेतु आत्मबल वृद्धि तथा मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना था. कार्यक्रम में मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें छात्राओं के कैरियर संबंधी क्षमताओं-कमियों का आकलन करने हेतु 'स्वॉट विश्लेषण', विटामिन-डी का महत्व, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित 'टेली-मानस एप' द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पहल, तनाव प्रबंधन, इमोशनल वेल-बीइंग, महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर चर्चा हुई.

कार्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि समाज की इस आधी आबादी को जागरूक करना, उसका मार्गदर्शन और आत्मबल बढाना, स्वस्थ, संतुलित और संयमित समाज की ओर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है. उन्होंने अपने

सन्देश में कहा कि छात्राओं के पढ़ाई के साथ-साथ अपने कैरियर को सर्वोच्च शिखर तक ले जाने की ना केवल योजना बनानी है, बल्कि इसके साधनापूर्वक प्रयास भी करने हैं. यदि लक्ष्य तय है तों जीवन में कोई बाधा आपको नहीं रोक सकेगी. कार्यक्रम के चेयरपर्सन प्रो. विनोद भारद्वाज ने अपने सन्देश में कहा कि यह कार्यक्रम फिलहाल विश्वविद्यालय में नियमित अध्ययनरत छात्राओं के लिए है, पर इसकी मांग को देखते हुए इसे शीघ्र ही बाहरी छात्राओं के मार्गदर्शन व संबलन के लिए भी खोला जायेगा. विशेषतः कैरियर, स्वास्थ्य, मानसिक तनाव एवं जीवन सफलता मंत्र के लिए इसमें ऑनलाइन सत्र भी होंगे जिसमें बाहरी छात्राएँ व महिला शिक्षक भी जुड़ सकेंगी.

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन ने टेली-मानस योजना के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी. उन्होंने विटामिन-डी की शरीर में भूमिका, इसके अभाव से होने वाली समस्याएं तथा इसकी पूर्ति के उपायों के बारे में बताया. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. किरण माहेश्वरी ने छात्राओं के जीवन में मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने हेतु 5 प्रमुख जीवन-सिद्धांत साझा किए - कभी तुलना मत करो, कभी आलोचना मत करो, कभी शिकायत मत करो, कभी प्रतिस्पर्धा मत करो, और कभी अपेक्षा मत करो. उन्होंने बताया कि इन सिद्धांतों को अपनाकर व्यक्ति न केवल मानसिक रूप से सशक्त बनता है, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है.मंच का संचालन डॉ. दीपिका वशिष्ठ द्वारा किया गयाI

विश्वविद्यालय में वन्दे मातरम्, जय हिन्द, भारत माता की जय के नारों की गूँज

राष्ट्र प्रथम है, हम सब राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

'राष्ट्र प्रथम-राष्ट्र के समर्थन में एक अभियान' के तहत विश्वविद्यालय में निकाली गई तिरंगा रैली

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में "राष्ट्र प्रथम- A Campaign in Support of Nation First" के तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में आज दिनांक 09 मई 2025 को राष्ट्र और भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा रैली आयोजित की गई. रैली की शुरुआत विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन से की गई. रैली उपरांत विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया. रैली में विश्वविद्यालय परिवार के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर वन्दे मातरम्, जय हिन्द, भारत माता की जय के नारे लगाए.

रैली उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के लोग अपने राष्ट्र के सम्मान के प्रति पहले से ही सचेत हैं. पिछले दिनों राष्ट्र को चोट पहुंचाने वाली शक्तियों को भारतीय सेना के जवानों ने अपनी अद्भुत क्षमता और साहस का परिचय देते

हुए उन्हें करारा जवाब दिया है. सेना के जवान देश की रक्षा के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं. आज हम उनके सम्मान और देश के सम्मान में इकट्ठा हुए हैं. हमारी यह चेतना और जागरूकता ही राष्ट्र की शक्ति है. हमें देश की सेवा और सम्मान में सबसे आगे रहकर कार्य करना है. जब तक हम जैसे सचेत और राष्ट्र प्रेमी नागरिक अपने देश के साथ खड़े हैं तब तक हमारे देश पर कोई भी बुरी ताकत उंगली नहीं उठा सकती है. हम सब सदैव संगठित रहेंगे और देश के लिए हमेशा खड़े रहेंगे. हमारा डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिवार 'राष्ट्र प्रथम अभियान' के समर्थन में खड़ा है. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र की रक्षा के लिए जो बीड़ा उठाया है हम उनके साथ हैं और भारत सरकार के हर कदम और अभियान के साथ हैं.

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किये देश-भक्ति गीत, एनसीसी कैडेट्स ने 'हम सब भारतीय हैं' की प्रस्तुति दी

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 'ओ देश मेरे, तेरी शान पे सदके-कोई धन है क्या, तेरी धूल से बढ़के' गीत की संगीतमयी प्रस्तुति दी. विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी गीत 'हम सब भारतीय हैं' की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम

का समापन राष्ट्रगान से हुआ. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी. के. नेमा, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी, प्रो. अनिल जैन, प्रो. आर के गंगेले, डॉ. बी. के. साठे, प्रो. अस्मिता गजभिये, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. बी. के श्रीवास्तव, वित्ताधिकारी डॉ. एस. पी. गादेवार, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. रजनीश, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. सुमन पटेल सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डॉ. हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 का पोस्टर विमोचित

न्याय की राह पर युवा मस्तिष्कों का संग्राम

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के विधि विभाग द्वारा दिनांक 14 एवं 15 मई को आयोजित होने जा रही डॉ. हरीसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 के पोस्टर का आज विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलीमा गुप्ता द्वारा विमोचन किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलीमा गुप्ता ने कहा, कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए न्याय की अवधारणाओं को समझने और आत्मसात करने का एक उपयुक्त मंच है. इससे उनमें न केवल विधिक कौशल का विकास होता है, बल्कि वे एक न्यायोन्मुख समाज के प्रति अपने दायित्व को भी समझते हैं. उन्होंने कहा कि यह

प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच विधिक तार्किकता, भाषण-कौशल एवं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इस प्रतियोगिता में विजेताओं को कुल राशि 13,000 के पुरस्कार रखे गए हैं.

प्रतियोगिता के अध्यक्ष विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज हैं. उन्होंने इस अवसर पर मूट कोर्ट कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जानकारी दी और कहा कि इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कौसल विकसित होती है. विद्यार्थियों को संस्था से ही न्यायालयी प्रक्रिया का ज्ञान भी होता है. पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में मूट कोर्ट समिति के संयोजक श्री विवेक दुबे एवं सह-संयोजक डॉ. अभिषेक दीक्षित के साथ साथ भी मूट कोर्ट समिति के छात्र सदस्य भी उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी दुनिया के अलग-अलग देशों से नयी तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें और भारत आकर विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति विषयक कार्यशाला आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अभिमंच सभागार में सामजिक समरसता गतिविधि श्रृंखला के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश शासन की योजना के तहत, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्र/छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता प्रदान, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना एवं अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई.

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विदेश जाना हर भारतीय का सपना होता है. विश्वविद्यालय के छात्रों की यही भावना होती है. इसी भावना को ध्यान में रखकर इस कार्यशाला को आयोजित किया गया है. भारत से बाहर पढ़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. विदेश जाने का यह आशय नहीं है कि हम पढ़कर वहीं बस जाएँ या

वहां की नागरिकता लेकर वहीं कार्य करें. विदेशों से पढ़ने का मेरा आशय यह है कि विद्यार्थी दुनिया के अलग-अलग देशों से नयी तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें और भारत आकर देश की सेवा करें. विकसित भारत की दिशा में यह उनका महत्त्वपूर्ण योगदान होगा. देश सेवा सर्वोपरि है. विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर, गांधी जी, डॉ. अम्बेडकर भी विदेश पढ़ने गये लेकिन उन्होंने वहां से ज्ञान प्राप्त कर भारत वापस आकर देश की आजीवन सेवा की. विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों के प्रवेश का भी रास्ता खुल रहा है. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के 125 से अधिक कोलैबोरेशन हैं. कुल मिलाकर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है. हमारा विश्वविद्यालय भी उसी दिशा में कार्य कर रहा है. शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो लेकिन भारत के छात्र विदेशों से पढ़कर भारत की सेवा करें, यही मेरी कामना है.

मुख्य वक्ता माधव इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एन्ड साइंस, ग्वालियर के डॉ. चंद्र शेखर मालवी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत उन प्रश्नों से की जो विदेश पढ़ने जाने को इच्छुक एक सामन्य विद्यार्थी के मस्तिष्क में आते हैं. जैसे कौन से देश जाएँ, किस विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ें, पाठ्यक्रम कौन सा चुनें, कौन सी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करें, क्या क्या दस्तावेज और प्रक्रियाएं हैं इत्यादि. उन्होंने टॉप दस देशों की चर्चा करते हुए हर तरह की पढाई उपलब्ध कराने वाले देशों की चर्चा की जिनमें भारत के विद्यार्थी पढ़ने के लिए जा सकते हैं. उन्होंने यूके, अमेरिका, फ्रांस, चीन, नार्वे, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर जैसे कई देशों की चर्चा की. उनकी रैंकिंग और उनमें होने वाले खर्चों के बारे में भी बताया. उन्होंने उन दस्तावेजों की भी चर्चा की जो विदेशों में पढ़ाई के लिए आवश्यक होते हैं. टोफेल, जीआरई, पीटीई, जीमैट जैसे कई अंग्रेजी योग्यता प्रदायी आवश्यक परीक्षाओं के बारे में भी बताया. नेशनल ओवरसीज स्कालरशिप के साथ-साथ उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति, उनकी वधि, पाठ्यक्रम, उनकी राशि, दस्तावेज, अन्य प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. डॉ. मालवी ने अन्य छात्रवृत्ति जैसे फुल ब्राईट, फेलोशिप, जे एन टाटा फेलोशिप, अगाथा हैरिसन स्कालरशिप, डाड, ग्रिफिथ आदि छात्रवृत्तियों के बारे में चर्चा करते हुए वहां पढ़ाई के साथ-साथ काम करने के अवसरों और तरीकों के बारे में भी बताया.

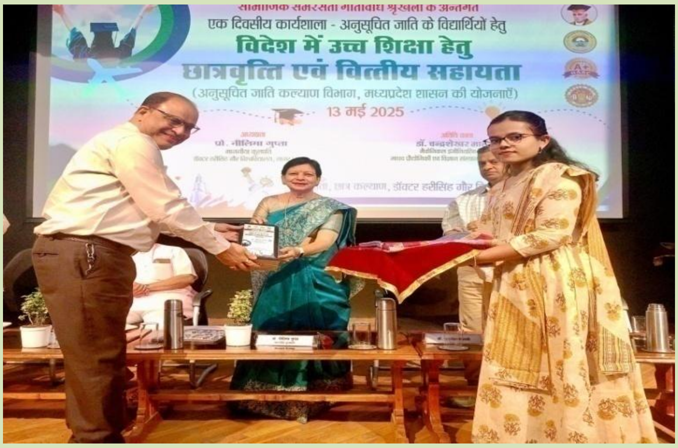

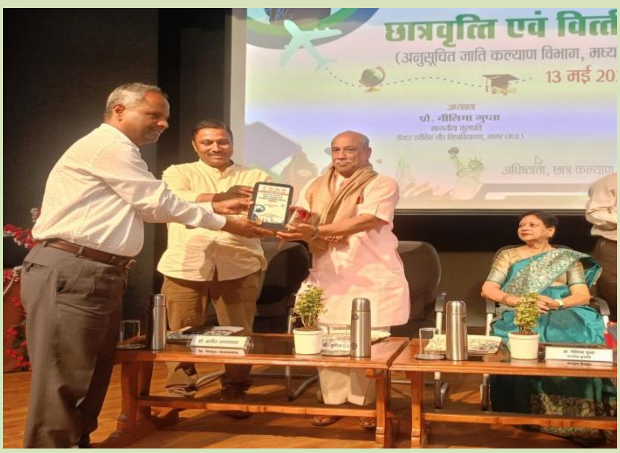

कार्यशाला में सामाजिक समरसता गतिविधि के मार्गदर्शक सुनील जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया. उन्होंने कहा किभारत के युवा आगे

आयें. सामजिक समरसता भारत की पहचान है. भारत के युवा विकसित भारत के निर्माण में योगदान करें. ज्ञान अर्जन और ज्ञान का उपयोग राष्ट्र हित में करें इसी से प्रगट भारत का निर्माण होगा. यह कार्यशाला तभी सफल होगी जब विद्यार्थी इससे प्रेरणा लेकर अपने विदेश में पढ़ने के सपनों को पूरा करेंगे.

कार्यक्रम में स्वागत भाषण फैकल्टी अफेयर्स के निदेशक प्रो. अजीत जायसवाल ने दिया. कार्यशाला का परिचय और उद्देश्य छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी. के नेमा ने साझा किया. संचालन डॉ. शालिनी ने किया. आभार प्रदर्शन प्रो. रत्नेश दास ने किया. कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की. इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. कालीनाथ झा, डॉ. वेंकटमुनि रेड्डी, सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4, सागर का 100% रहा परीक्षा परिणाम

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4, सागर के दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम पूर्व की भांति इस वर्ष भी 100% रहा है. बेस्ट ऑफ फाइव के अनुसार कु. इप्सिता अपराजिता पंडा ने 91.6% अंकों के साथ प्रथम

स्थान प्राप्त किया है. मा. अमन चोरडिया ने 91% अंक लेकर द्वितीय स्थान एवं कु. गौरी भारके ने 90.6 % अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है. कोर विषयों में कु. इप्सिता अपराजिता पंडा एवं कु. महक सूर्यवंशी ने समूहिक रूप से प्रथम, कु. गौरी भारके ने द्वितीय एवं मा. अमन चोरडिया ने तृतीय स्थान एवं प्राप्त किया है. विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को बधाई देते हुये विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु आशीर्वाद प्रदान किया है. विद्यालय के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कानगो ने भी इस सफलता पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शुभकामनायें दी हैं. विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा तथा सभी शिक्षकों ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुये विद्यार्थियों की प्रशंसा की.

विश्वविद्यालय एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के छात्रों की दोहरी सफलता: NET-JRF 2025 और IIT-JAM 2025 में शानदार प्रदर्शन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यावहारिक भूविज्ञान (एप्लाइड जियोलॉजी) विभाग के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि विभाग के एम.टेक. के 11 छात्रों ने NET-JRF 2025 एवं बी.एससी. के 10 छात्रों ने IIT-JAM-2025 परीक्षा में सफलता प्राप्त की है. यह परीक्षाएं भारत के प्रतिष्ठित विज्ञान संस्थानों में पीएचडी, एम.एससी., एम.एस., जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश तथा लेक्चरशिप के लिए आयोजित की जाती है.

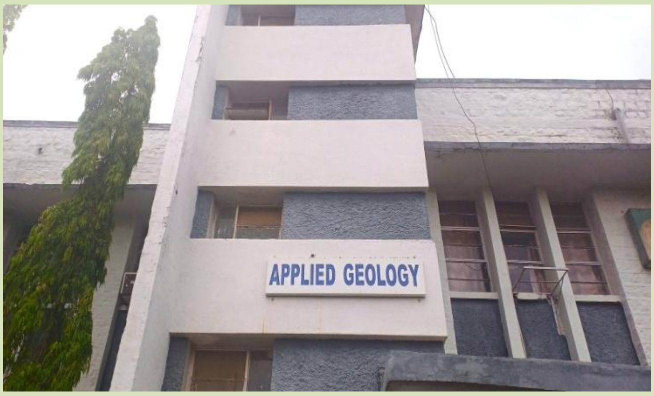

इन छात्रों में प्रिया पटेल (JRF AIR-17), शुभ्रा वर्मा (JRF AIR-94), अंशकिता सेजल (NET AIR-52), साक्षी पंजवानी (NET AIR-54), आकाश चौबे (NET AIR-80) ने NET-JRF, तथा देव उत्कल मिश्रा, प्रियंगषु देब, निहाल सिंह, अनुरूपा मिश्रा, अभिषेक कुमार, मोहित शिवाने ने पीएचडी में प्रवेश हेतु परीक्षा उत्तीर्ण की. JAM-2025 परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में माही अग्रवाल (AIR-18), विधात्री राजे परमार (AIR-19) , रिया मिश्रा (AIR-254), प्रतीक्षा साहू (AIR-261), मयंक मिश्रा (AIR-312), नीरज ब्योहार (AIR-387), लिपिका यादव (AIR-410), काजल बानो (AIR-604), दीपेश सेन (AIR-631), वर्षा यादव (AIR-676) ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया.

विभागाध्यक्ष प्रो. ऐ.के. सिंह ने इस उपलब्धि पर सफल छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. प्रो. सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की निरंतर मेहनत, समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन और विभाग के शैक्षणिक परिवेश का प्रतिफल है. इन छात्रों की यह उपलब्धियाँ निश्चित ही अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य तय करने और प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगी. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने वाली है तथा यह विभाग की शैक्षणिक पहचान को और सशक्त करेगी. यह सफलता विश्वविद्यालय तथा विभाग के लिए एक प्रेरणादायक उपलब्धि है.

विश्वविद्यालय प्रबंधन विभाग में रिसर्च मेथडोलॉजी पर संगोष्ठी आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के अन्नपूर्ण भवन सभागार में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया. यह सेमिनार विशेष रूप से एम.बी.ए हेल्थकेयर एड हॉस्पिटल मैनेजमेंट के छात्रों के लिए आयोजित किया गया. जिसमें सत्र का संचालन विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. बबीता यादव ने किया, जिन्होंने अनुसंधान पद्धति, छात्रों को प्रोजेक्ट और डिसर्टेशन रिपोर्ट बनाने में कैसे सहायक होती है विषय पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया. डॉ. बबीता यादव ने छात्रों को बताया कि अनुसंधान कार्य में व्यवस्थित पद्धति अपनाने से न केवल परियोजनाओं की गुणवत्ता बढ़ती है. बल्कि उनकी विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होती है उन्होंने डाटा संग्रहण की विधियों, अनुसंधान डिजाइन, परिकल्पना परीक्षण, सैपलिंग तकनीक और सांख्यिकीय टूल्स के व्यावहारिक उपयोग पर

विस्तार से प्रकाश डाला. सेमिनार में उपस्थित छात्रों ने इसे अत्यंत लाभकारी बताया और कहा कि यह सत्र उनके प्रोजेक्ट और रिसर्च कार्य को नई दिशा देगा. छात्रों को एक प्रभावी रिसर्च तैयार करने की गूल बातें सरल भाषा में समझाई गई. सेमिनार का आयोजन एम.बी.ए हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट की फैकल्टी डॉ. प्रेरणा जैन के प्रयासों से संभव हो पाया. उन्होंने छात्रों के शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए इस सेमिनार की संपूर्ण योजना और व्यवस्थाएँ संभाली. विभाग ने डॉ. बबीता यादव के मूल्यवान योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई. यह सेमिनार प्रो. वाई एस ठाकुर विभागाध्यक्ष व्यवसाय प्रबंध विभाग के मार्गदर्शन में सपन्न हुआ.

विश्वविद्यालय योग शिक्षा विभाग द्वारा शहर में योग शिविरों का आयोजन

शिक्षा मंत्रालय तथा आयुष मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के पालन में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के योग शिक्षा विभाग द्वारा आगामी ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों के तहत सागर शहर में विभिन्न स्थानों पर दस से पंद्रह दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. उक्त जानकारी देते हुए योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं निर्देशन में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बृहद स्तर पर मनाने की तैयारियाँ भी प्रारंभ कर दी गई हैं. इस तारतम्य में जिला अस्पताल तिली, केंद्रीय विद्यालय 1, 2 व 4, बंसत बिहार कॉलोनी, आर्मी पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय जेल में पुरूष एवं महिला बंदियों के लिये दो शिविर, सवेरा शिक्षा संस्थान पथरिया जाट, संस्कृत पाठशाला धर्मश्री, संजीवनी अनाथालय व चन्द्रापार्क सिविल लाइन्स में जागर्स पार्क में दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. ज्ञातव्य है कि भारत की पहल पर पूरे विश्व में 21 जून को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है और इस संदर्भ में आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से 21 जून से 100 दिवस पूर्व विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला शुरू कर दी जाती है. इसी के तहत योग शिक्षा विभाग भी विभिन्न आयोजनों की रूपरेखा बना चुका है और प्रथम चरण में सागर के विभिन्न स्थानों में दस से पंद्रह दिन के प्रशिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं. ये शिविर विभागीय शिक्षकों डॉ. अरूण साव, डॉं. नितिन, डॉ. ब्रजेश ठाकुर के निर्देशन में विभागीय विद्यार्थियों के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं. जिनमें योग की आधार भूत जानकारी सहित आसन, प्राणायाम, बंध, मुद्रा, शुद्धि क्रिया, ध्यान, प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, योग प्रोटोकाल सहित सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया जा रहा है. ये शिविर प्रातः 06:00 से 09:00 बजे के बीच चल रहे हैं. प्रो. गुरू ने बताया कि योग शिक्षा विभाग द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्वविद्यालय में प्रातःकाल मनाया जायेगा. योग भारतीय जीवन परम्परा का अमूल्य धरोहर है. इस चिर पुरातन संस्कृति को हमने भुला-बिसरा दिया है जिसके कारण हम अनेक मनोकायिक जीवन शैली रोगो से ग्रसित हुए है. अगर इन सभी प्रकार के शारीरिक मानसिक रोगों से बचना है और सुख, शांति और समन्वय को प्राप्त करना है तो योगिक जीवन शैली को पुनः अपने दिनचर्या में सम्मिलित कर अपनाना पड़ेगा. भारत सरकार की पहलस्वरूप इस विद्या से अधिक से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हो इसके लिये सागर शहर में आयोजित योग शिविरों में सुविधानुसार भाग लेने की अपील किया है. आम नागरिक इस संदर्भ में योग विभाग व योग एवं ध्यान केन्द्र में प्रातःकाल 06:00 से 08:00 बजे तक प्रायोगिक अभ्यास शिविर में भी भाग ले सकते हैं.

वृद्धजन सुसंस्कारिक समाज की नींव हैं - प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में वरिष्ठ नागरिक जन प्रकोष्ठ ‘स्वर्णिम धरोहर’ का शुभारंभ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में वरिष्ठ नागरिक जन के लिये उनकी आपसी सहायतार्थ एवं सेवार्थ एक प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है. इस प्रकोष्ठ को ‘स्वर्णिम धरोहर’ का नाम दिया गया है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा

गुप्ता ने इस ‘स्वर्णिम धरोहर’ प्रकोष्ठ का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज जो वरिष्ठ नागरिकजन हैं वो कभी इस देश-प्रदेश के विकास की धुरी भी रहे हैं. इनके पास कार्य करने का लम्बा अनुभव है, ज्ञान है और ज़ज्बा है. वर्तमान में युवा पीढी को इनसे सीखना चाहिये और इनके अनुभव का लाभ भी लेना चाहिये. उन्होंने इस अवसर पर इस बात को दोहराया कि वृद्धजन सुसंस्कारिक समाज की नींव हैं, और पीढी दर पीढी संस्कारों का हस्तांतरण एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज बनाये रखने में मददगार होता है.

स्वर्णिम धरोहर प्रकोष्ठ एवं शारिरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस उद्घाटन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि जब इस विषय पर मंथन किया गया कि विश्वविद्यालय स्थानीय समाज के विकास और खुशहाली के लिये और क्या भूमिका निर्वहन कर सकता है, तो पहला विचार यह आया कि समाज की इस स्वर्णिम धरोहर को सहेजकर इनके अनुभव को समाज के साथ जोड़कर एक अच्छे समाज के लिये काम किया जाना चाहिये. साथ ही इन वरिष्ठ नागरिक जनों के लिये विश्वविद्यालय में एक ऐसा प्रकोष्ठ स्थापित किया जाना चाहिये जो इनके लिये सतत कार्य करे और इनको सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाते हुए इनके सुखी, स्वस्थ एवं शांतिमय जीवन के लिये कार्य करे. इस अवसर पर कुलपति ने वृद्ध महिलाओं की चिंता करते हुए कहा कि उन्हें भी इस तरह के माहौल में लाकर उनका भी जीवन थोडा चिंतामुक्त रखा जाना अनिवार्य है, ताकि वे भी मुस्कराते हुए घर-परिवार के दायित्व का बेहतर निर्वहन कर सकें.

उन्होंने इस अवसर पर भारत सरकार के मंत्रालय को भी वित्तीय सहायता के लिये इस ‘स्वर्णिम धरोहर’ प्रकोष्ठ का प्रस्ताव

शीघ्र प्रेषित करने के लिये आश्वस्त किया. उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ नागरिक जनों से अनुरोध किया कि विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये वरिष्ठ नागरिकजन समागम प्लेटफॉर्म का वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ अधिकतम लाभ लेने के लिये वे स्वयं भी योजनाओं एवं विचारों के साथ आगे आयें, और हर वर्ग, जाति, धर्म के स्थानीय वरिष्ठ नागरिकजनों को इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़कर उनके हितों के लिये स्वयं भी कार्य करें और विश्वविद्यालय को भी इस पुनीत कार्य में

सहयोग दें. उन्होंने विश्वविद्यालय में इस प्रयोजनार्थ स्थापित प्रकोष्ठ प्रभारी एवं टीम को इसके अन्तर्गत आयोजित करवाये जाने वाले कार्यक्रमों का वर्षभर का एक केलैण्डर तैयार करने एवं वृद्धजन की उन समस्याओं को चिन्हित कर सूचीबद्ध करने के लिये कहा जिनके निराकरण में विश्वविद्यालय सहायता कर सकता है.

'स्वर्णिम धरोहर' प्रकोष्ठ के समन्वयक एवं भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो.विनोद भारद्वाज ने इस अवसर पर कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वरिष्ठ नागरिकजन समागम प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्षभर के कार्यक्रमों का एक केलैण्डर तैयार किया जा रहा है, जिसमें सहायता के लिये कुछ स्थानीय वरिष्ठ नागरिकजनों को सहयोग मंडल के रुप में भी लिया गया है. सहयोग मंडल में लिये गये सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष रहेगा. प्रो. भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकोष्ठ के लिये कुलपति द्वारा एक टीम का गठन किया गया है, तथा इस प्रकोष्ठ के लिये अलग से एक स्थान दिये जाने के लिये भी आश्वस्त किया गया है, ताकि कुछ वरिष्ठ नागरिकजन, जो विश्वविद्यालय को स्वैच्छिक आधार पर अपनी योग्यता अनुरुप कार्य सहयोग करना चाहें तो उनके लिये एक नियत स्थान उपलब्ध हो सके.

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकजन, शिक्षक, विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे. इस अवसर पर कुलपति की उपस्थिति में कई वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उन्होंने अपनी स्मृति में वरिष्ठ नागरिकों के लिये पहला ऐसा कार्यक्रम देखा है, जो कि किसी विश्वविद्यालय अथवा उच्चशिक्षण संस्था द्वारा इतने अच्छे सम्मानजनक तरीके से आयोजित करवाया गया हो. उन्होंने वरिष्ठ नागरिकजनों की उनकी योग्यता अनुरुप स्वैच्छिक आधार पर निःशुल्क सेवाएं जनहितकारी कार्यों में लेने के लिये भी अनुरोध किया.

उद्घाटन कार्यक्रम में सबसे पहले योगगुरु श्री विष्णु आर्य द्वारा योग एवं ध्यान कार्यक्रम किया गया, जिसमें सभी ने सहभागिता की. इसके बाद विश्वविद्यालय के संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में शोधार्थी तेजस, स्तुति एवं संस्कृति ने भजन प्रभात कार्यक्रम प्रस्तुति दी. कार्यकम का संचालन डॉ. दीपिका वशिष्ठ ने किया एवं डॉ. शिवानी मीना ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं एरोबिक्स का प्रशिक्षण शिविर 15 मई से प्रारम्भ हुआ है. शिविर में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलों में खिलाड़ी की आयु 14 से 25 वर्ष एवं एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र/छात्राओं भाग ले रहे हैं. शिविर शुभारंभ के अवसर पर सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक डॉ. सुमन पटेल, महेंद्र कुमार, अनवर ख़ान, डॉ. मनोज जैन ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया. इस प्रशिक्षण शिविर का समापन 10 जून 2025 को किया जाएगा.

स्कूल स्तर पर भी पढ़ाई जायेगी डॉ. गौर की जीवनी, विश्वविद्यालय भेजेगा मध्यप्रदेश शासन को प्रस्ताव

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने डॉ. गौर के योगदानों, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक नई पहल की है. इस हेतु गौर पीठ समिति की बैठक कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन एवं उनके साथ जिला शिक्षा से जुड़े अन्य

अध्यापक एवं अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे.गौर पीठ के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने गौर पीठ के उद्देश्यों एवं गतिविधियों को साझा किया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर शहर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और विश्वविद्यालय लगातार डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के अभियान में अपना योगदान दे रहे हैं. इस दिशा में अन्य कई ठोस पहल भी किये जाने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में डॉ. गौर की जीवनी से सम्बंधित पाठ्यक्रम संचालित हैं. इस तरह के पाठ्यक्रम स्कूली शिक्षा में भी किये जाने की आवश्यकता है. स्कूली पाठ्यक्रम में विद्यार्थी कई महापुरुषों की जीवनी पढ़ते हैं. इसमें एक बड़ा हिस्सा बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश के महापुरुषों का भी है. डॉ. गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल किये जाने से स्कूली स्तर से ही विद्यार्थी डॉ. गौर की जीवनी से परिचित हो सकें. यह प्रयास डॉ. गौर के प्रति

सम्मान की भावना, श्रद्धा, उनके योगदान के महत्त्व एवं उनसे प्रेरणा का स्थायी स्रोत बनकर उभरेगा. सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की कि विश्वविद्यालय द्वारा इस आशय का प्रस्ताव तैयार कर जिला शिक्षा विभाग के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन को भेजा जाएगा. कुलपति द्वारा इसके लिए निर्धारित सिलेबस का प्रारूप एवं अध्याय लेखन विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा किये जाने का भी निर्देश दिया गया. बैठक में यह भी चर्चा हुई कि विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं डॉ. गौर की जीवनी, महत्त्व एवं उनके योगदान पर केन्द्रित जानकारियों एवं सामग्री के साथ विश्वविद्यालय की टीम सागर सहित आस-पास के जिलों के स्कूलों एवं महाविद्यालयों में जायेगी ताकि विद्यार्थी न केवल डॉ. गौर एवं विश्वविद्यालय से परिचित हो सकें बल्कि उन्हें महान पुरुष के द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए भी प्रेरित किया जा सके. इसी के साथ ही विद्यालय के विद्यार्थी भी विश्वविद्यालय भ्रमण भी करेंगे ताकि वे भौतिक रूप से विश्वविद्यालय से परिचित हो सकें. साथ ही उनके लिए अन्य गतिविधियाँ जैसे पेंटिंग, निबंध, भाषण, व्याख्यान भी आयोजित किये जायेंगे. इसके लिए एक वार्षिक कैलेंडर भी तैयार किया जाएगा. बैठक में गौर पीठ समिति के सदस्यों, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन ने स्कूली स्तर से शुरू किये

जाने वाली गतिविधियों के सम्बन्ध में अपने विचार साझा किये. कार्यक्रम के दौरान हेमंत ताम्रकार ने स्वयं द्वारा बनाया गया डॉ. सर हरीसिंह गौर का चित्र कुलपति को भेंट किया.

बैठक में प्रो. डी. के. नेमा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. नीरज उपाध्याय, आकाश मालवीय एवं गौर पीठ के सदस्य प्रो. कालीनाथ झा, डॉ. आयुष, डॉ. सोनी चैरसिया एवं डाईट से डॉ. प्रफुल्ल हलवे एवं श्रीमति स्वाति हलवे विशेष रूप से उपस्थित थे.

डॉक्टर हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 का भव्य आयोजन

प्रतिभागिताएं जीवन में सीखने के अवसर देती हैं- कुलगुरु

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा 14 और 15 मई को दो दिवसीय डॉ. हरीसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगितायें विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति न्याय, सद्भाव, सहयोग और मानवता के सिद्धांतों से परिपूर्ण है। हमारे समाज में प्रत्येक व्यक्तिगत, समाज, वर्ग को हमारे संविधान में घरी आस्था है, और हम सभी न्याय के मंदिरों का भी आदर करते हैं। अतः सभी शिक्षण संस्थाओं का भी यह दायित्व है कि अध्यताओं में भी हमारी संस्कृति अनुरूप संस्कार पैदा करें, उन्हें एक अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित व शिक्षित करें।

प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मूट कोर्ट की उपादेयता उद्धरत करते हुए कहा कि ये प्रतियोगितायें जीवन में सीखने के अवसर प्रदान करती हैं। इससे विद्यार्थियों को जो अनुभव मिलता है, वह उन्हें एक अच्छा प्रोफ़ेसनल बनने में मदद करता है। प्रतियोगिता में अच्छी तैयारी के साथ भाग लेना महत्वपूर्ण है। इससे आत्मविश्वास भी सुदृढ़ होता है।

उन्होंने इस अवसर पर आश्वस्त किया है कि विधिविभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए एक नए भवन का भी निर्माण कार्य शीघ्र ही आरम्भ किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने विधि अध्ययन शाला के अधिष्ठाता व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष को शीघ्र ही नए भवन का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया है।

कार्यक्रम में सागर शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता श्री संजीव जैन ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल और सुविधाओं में अब काफी सकारात्मक बदलाव आये हैं। अब विद्यार्थियों को सीलहन के लिए बहुत कुछ है। इनके साथ ही अन्य अधिवक्ता श्री सत्येन्द्र सर्राफ

ने कहा कि मूट कोर्ट जैसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को वह सीखने को मिलता है जो प्रैक्टिस करते हुए सीखने में 5 वर्ष लग जाते हैं।

विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो विनोद भारद्वाज ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विधि विभाग विद्यार्थियों में शैक्षिण क्षमता विकास के लिए अनेक प्रयास कर रहा है। साथ गुणवत्तापरक शोध व उत्तम वातावरण भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोफ़ेसनल ट्रेनिंग के लिए विभाग योजना तैयार कर रहा है।

इस अवसर पर विधि विभाग के अधिष्ठाता प्रो वाय. एस. ठाकुर, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो जी एल पुनताम्बेकर, प्रो मानवेन्द्र सिंह पाहवा, मुख्य कुलनुशासक प्रो चंदाबेन, कुलसाचिव डॉ एस पी उपाध्याय, मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रो राजेंद्र यादव, मीडिया प्रभारी डॉ विवेक जायसवाल सहित विभाग के सभी शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ अभिषेक दीक्षित ने मूट कोर्ट कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप रेखा बताई, और समन्वयक श्री विवेक दुबे ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजन हेतु विद्यार्थियों की एक समिति गठित की गई, व संचालन विवेक सोनी, कुलदीप केशरवानी, व हिमांशी ने किया।

इस प्रतियोगिता के अंत में 7 श्रेणीयों में पुरुस्कार दिए गए। प्रतियोगिता में दीक्षा चित्रा सिंह ठकुरेले और शगुन वर्मा की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त किया, जिन्हें ₹5000 की नकद राशि एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। उपविजेता टीम के रूप में केशव नारायण शांडिल्य, स्वरांगी और प्राची परमार को ₹3000 की नकद राशि एवं प्रमाणपत्र प्राप्त हुए। श्रेष्ठ वक्ता (पुरुष) का पुरस्कार ₹1000 एवं प्रमाणपत्र के साथ केशव नारायण शांडिल्य को प्रदान किया गया, जबकि श्रेष्ठ वक्ता (महिला) के रूप में सौम्या पांडेय को समान राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। श्रेष्ठ शोधकर्ता के रूप में नाज़मीन आलम को ₹1000 एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

श्रेष्ठ स्मारिका (याचिकाकर्ता) का पुरस्कार प्रियंश पटेल, ऋद्धि तिवारी और अशोक कुमार यादव को तथा श्रेष्ठ स्मारिका (प्रत्युत्तरकर्ता) का पुरस्कार प्रसिद्धि बडकुल एवं मंजरी मुखरिया को ₹1000 की नकद राशि एवं प्रमाणपत्र के साथ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में नगद पुरुस्कारों को आदिनाथ कार मोटर्स द्वारा प्रयोजित किया गया। साथ ही आयोजन में इंदौर की संस्था इंडियन जुडिसियरी द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला ‘विजनरी इंडियंस अवार्ड’

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एक और अवार्ड से सम्मानित किया गया है. नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में आयोजित समारोह में उन्हें ‘विजनरी इंडियंस अवार्ड’ से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान उन्हें प्रख्यात बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों द्वारा प्रदान किया गया. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की आकाशवाणी इकाई और गोल्डन स्पैरो संस्था के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया. गौरतलब है कि कुलपति प्रो. गुप्ता का नाम देश की अग्रणी महिलाओं में शुमार है जो 4 सरकारी विश्वविद्यालयों की कुलपति रह चुकी हैं. उनका नाम शिक्षा क्षेत्र में भारत की शीर्ष प्रभावशाली महिलाओं में शामिल हैं. उन्हें ‘कर्नल कमांडेंट’ की मानद रैंक से भी सम्मानित किया गया है. उन्हें ई.के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न, डॉ. साह आबिदी विशिष्ट कृषि वैज्ञानिक पुरस्कार सहित 80 से अधिक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. उन्होंने अकादमिक शोध एवं साझेदारी हेतु 5 महाद्वीपों के 18 से अधिक देशों का भ्रमण किया है. इन उपलब्धियों के कारण उन्हें यह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया है. विश्वविद्यालय परिवार उनकी इस उपलब्धि पर हर्षित और गौरवान्वित है.

अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्त्री-पुरुष एक दूसरे के पूरक - डॉ. किरण माहेश्वरी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फर्मास्यूटिकल साइंस विभाग में विश्वविद्यालय के महिला नेतृत्व विकास समिति के तत्वावधान में ‘महिलाओं की आजीविका में अच्छे स्वास्थ्य की भूमिका’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्त्री के रूप में विश्वविद्यालय के मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर किरण माहेश्वरी ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं आजीविका से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं चुनौतियों के प्रति उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें उनके कर्तव्यों का अहसास कराया। उनका मानना है कि महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के पुरुषों की अहम भूमिका होती है। घरेलू हिंसा एवं व्यवसायिक स्थलों पर महिलाओं के प्रति भेद-भाव आज भी एक बड़ी समस्या है। पारिवारिक एवं सामाजिक विकास के लिए स्त्री एवं पुरुष एक दूसरे के पूरक की भूमिका में होते हैं। शिक्षित स्त्री पूरे परिवार को शिक्षित करती है एवं परिवार के रीढ़ होती है। प्राकृतिक रूप से महिलाओं को अपने जीवन में व्यापक कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है। अतः उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। परिवार एवं समाज में महिलाओं की समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। डॉक्टर माहेश्वरी ने महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए मासिक धर्म चक्र की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मासिक धर्म के प्रति झिझक बड़ी समस्याओं को उत्पन्न करती है। ज्यादा रक्तस्राव होने के कारण एनीमिया जैसी

समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उनके पारिवारिक एवं व्यवसायिक उन्नति को प्रभावित करती हैं। डिजिटल दुनिया ने स्वाभाविक संबंधों में दूरी उत्पन्न कर दी है। साथ ही साथ डॉक्टर माहेश्वरी जी ने महिलाओं में हो रही विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं को भी उजागर किया जैसे- हाइपरटेंशन, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर इत्यादि। इस प्रकार की समस्याओं से बचने के लिए वैक्सीनेशन के प्रति लोगों को जागरूक किया तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी जांच कराने की भी अपील की। संतुलित भोजन, अच्छी नींद एवं बेहतर जीवन शैली को उत्तम स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मासिक धर्म संबंधी साफ सफाई एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया। महिलाओं के बेहतर भविष्य के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृवंदन, सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़कर महिलाएं लाभान्वित हो सकती हैं। कार्यक्रम के मुख्या अतिथि प्रो. उमेश पाटिल जी ने महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति सभी को सचेत करते हुए यह बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही एक अपराध है। एक महिला परिवार को जन्म देती है। उनके कार्यों की सराहना कर उन्हें सम्मानित करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रस्तुत कार्यक्रम की संयोजिका एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायक आचार्या डॉ. अनुपी समैया ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सन्देश को जन-जन तक पहुँचाया । स्त्री की प्रगति एवं उत्थान के लिए मैं हमेशा से संकल्पित रहीं हूँ। विज्ञान की शोधार्थी होने के साथ- साथ स्त्री शिक्षा, स्त्रियों के अधिकार पर मैंने कई बार अलग-अलग मंचों चर्चा की है और कई रचनाएँ एवं शोध पत्र भी लिखें हैं। मेरा यह मानना है की स्त्रियाँ स्वयं को अबला ना समझकर सबला समझें और अपनी शक्ति को पहचानें उनमें हर कार्य करने की क्षमता है। आज स्त्रियाँ हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहीं हैं। हर महिलाओं को ऐसी महिलाओं से प्रेरणा लेकर अपने पारिवारिक एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए भी यदि कोई परेशानी है तो उससे ऊपर उभर कर आना होगा वह हर कार्य में सक्षम है उसे अपनी अलग पहचान बनानी होगी। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. उमेश पाटिल, मेडिकल ऑफिसर डॉ.किरण माहेश्वरी, चेयरपर्सन डॉ.वंदना सोनी, डॉ. ऋतु यादव, डॉ. सोनाली, डॉ. शिवानी खरे, मंच संचालिका डॉ. शालिनी चौथराइन, डव्लूएलडीसी के समस्त सदस्यों एवं उपस्थित शिक्षकों, स्नेहिल विद्यार्थियों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया।

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्ववयन की समीक्षा

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे प्रयासों को बताया अनुकरणीय

बहुभाषिक संस्कृति का विकास के प्रति विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है - प्रो. नीलिमा गुप्ता

केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिए। यह बात शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। ध्यातव्य है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक मंत्रालय द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। इस क्रम में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्च स्तरीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), सुश्री पूनम विमल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सुश्री सोनाली, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के

राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की तदुपरांत प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्थापना एवं अवकाश शाखा, शारीरिक शिक्षा विभाग, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए। समिति द्वारा विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व् से परिचित होने तथा विश्वविद्यालय की अमूल्य विरासत को समझने के लिए विश्वविद्यालय के वैली परिसर स्थित गौर संग्रहालय का भी भ्रमण किया।

समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव

एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। इस दिशा में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा तथा विचार विमर्श हेतु सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। कार्मिकों को हिन्दी में कामकाज करने को प्रेरित करने के लिए प्रशिक्षण, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति महोदया को सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा एवं निगरानी हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का

अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बैठक में समिति के सभी सदस्यों तथा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से माननीया कुलपति महोदया के अभिनंदन का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की प्रशंसा करते हुए श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति

ही नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किये जाने चाहिए। माननीया कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ में वह सामर्थ्य मौजूद है जो राजभाषा प्रगति के लिए विश्वविद्यालय को देश में शीर्षस्थ संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित करा सकता है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट द्विभाषी रूप में होने तथा राजभाषा को महत्वपूर्ण स्थान दिये जाने से यह इंगित होता है कि विश्वविद्यालय हिन्दी के प्रति कितना समर्पित एवं संवेदनशील है इस हेतु समूचा सूचना प्रौद्योगिकी एवं राजभाषा प्रकोष्ठ प्रशंसा का पात्र है।

बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदया, विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के समन्वित प्रयासों से राजभाषा का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है।

ध्यातव्य है कि उक्त अवसर पर माननीया कुलपति एवं सम्माननीय अतिथियों द्वारा 'राजभाषा प्रदर्शनी' का भी शुभारंभ किया गया। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगायी गयी इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी जिसे दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया। विदित है कि अभी कुछ दिनों पूर्व विश्वविद्यालय में राजभाषा के क्रियान्वयन को लेकर गृह मंत्रालय तथा यू.जी.सी. नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

विश्वविद्यालय के विधि विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं शुभाशीष से 'डायनामिक्स ऑफ़ सोशियो लीगल रिसर्च: पीर लर्निंग एंड रिसर्च स्किल एन्हेंसमेंट' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. अजीत जायसवाल, निदेशक संकाय मामले, कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. वाय.एस. ठाकुर तथा विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्धाज ने ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती तथा कुलपिता डॉ. हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्जवलित करके कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस

अवसर पर विभिन्न विभागों से आए शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्धाज ने कहा कि विधिक शिक्षा एक व्यवसायिक शिक्षा है तथा यह पूर्ण रूप से समाज से जुड़ा हुआ है। विधि के विद्यार्थियों को विधि के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को नहीं भूलना चाहिए तथा विधि के छात्रों को समाज की समस्याओं पर शोध केन्द्रित करना चाहिए तथा उसके निदान पर कार्य करना चाहिए। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. अजीत जायसवाल (निदेशक संकाय मामले) ने कहा कि शोध पर कार्यशालाओं का आयोजन होते रहना चाहिए ऐसी कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में नए उत्साह जन्म लेते है। तथा छात्र शोध के क्षेत्र में आगे बढते है। विधि विभाग के अधिष्ठाता प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने शोध की महत्ता बताते हुए कहा कि सामाजिक-विधिक शोध में आंकडे बहुत ही महत्वपूर्ण होते है। आंकडे जुटाना केवल औपचारिकता मात्र नहीं होनी चाहिए इसके लिए शोधार्थियों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए आंकडे जो भी लिए जाए वे प्रमाणिक होने चाहिए। आंकडों के प्रमाणिकता के लिए छात्रों तथा शोधार्थियों के पर्यवेक्षकों को सख्त होना चाहिए। इतिहास विभाग के सहायक-आचार्य डॉ. पंकज सिंह ने सामाजिक-विधिक शोध पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न विधिवेत्तओं के विचारों का विश्लेषण प्रस्तुत

किया एवं शोध की गुणवत्ता, मौलिकता के महत्व को समझाया। मनोविज्ञान विभाग के सहायक-आचार्य डॉ. ज्ञानेश तिवारी ने शोध पत्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं स्तरीय शोध-प्रकाशन के लिये ध्यान देने योग्य बारीकियों को समझाया। वाणिज्य विभाग के आचार्य मनविंदर सिंह पाहवा ने शोध के विभिन्न आयामों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया तथा छात्रों के विभिन्न समस्याओं का समाधान भी किया तथा छात्रों को शोध प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला की समन्वयक डॉ. अनुपमा पंडित सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन एवं सह-समन्वयक डॉ. अतिभा विजया सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संचालन शोध छात्र ऋषि कुमार मिश्रा एवं कु. पूर्वा जैन ने किया।

191 छात्रों ने यूजीसी-सीएसआईआर-नेट, जेआरएफ, गेट, जीपैट और पीएचडी हेतु पात्रता में पाई सफलता

95 ने सहायक प्राध्यापक एवं पी-एचडी दोनों हेतु योग्यता हासिल की, 22 को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी मिली, 08 को गेट और 28 को जी-पैट में सफलता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विभिन्न विभागों के 191 विद्यार्थियों ने यूजीसी-सीएसआईआर, नेट, जेआरएफ, गेट, जीपैट और पीएचडी हेतु पात्रता में सफलता पाई है. इनमें से 155 विद्यार्थी नेट की परीक्षा में सफल हुए हैं और सभी ने पीएचडी हेतु अर्हता भी प्राप्त कर ली है. इन्हीं में से 95 छात्रों ने नेट उत्तीर्ण करते हुए सहायक प्राध्यापक की योग्यता भी हासिल की है. 22 छात्रों ने नेट के साथ-साथ जेआरएफ भी अर्जित किया है. 60 छात्रों ने केवल पी-एचडी प्रवेश के लिए योग्यता हासिल की है. इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजी के 01 और मनोविज्ञान के 07 छात्रों ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है और फार्मेसी के 28 छात्र जी-पैट में सफल हुए हैं. ये सभी विद्यार्थी 2024-25 की परीक्षा में सफल हुए हैं. गौरतलब है कि नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता मिलती है. साथ ही छात्र पी-एचडी हेतु पात्र हो जाते हैं. जेआरएफ में सफल विद्यार्थियों को पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान की जाती है. इसी परीक्षा के आधार पर इस वर्ष से पीएचडी प्रवेश भी होंगे.

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विषय में 13, दर्शनशास्त्र में 2, राजनीति विज्ञान में 5, मनोविज्ञान में 5, ग्रामीण विकास में 1, कॉमर्स में 3, एमबीए में 3, एआईएच में 3, गणित में 2, भूविज्ञान में 15, योगा में 06, शिक्षाशास्त्र में 4, इतिहास में 05, भौतिक विज्ञान में 04, प्राणीशास्त्र में 10, अपराधशास्त्र में 28, वनस्पति विज्ञान में 1, संचार एवं पत्रकारिता में 1, संगीत में 07, भूगोल में 11, विधि में 03, वैदिक अध्ययन में 01, उर्दू में 01, अर्थशास्त्र में 03, पर्यावरण विज्ञान में 01, समाज शास्त्र में 06, हिन्दी में 11 छात्र-छात्राओं ने नेट परीक्षा में सफलता पाई है. इसी प्रकार माइक्रोबायोलॉजी के 01 और मनोविज्ञान के 07 छात्रों ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है. इसके अलावा फार्मेसी के 28 छात्रों ने जी पैट में सफलता पाई है.

विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अभिमंच सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी. उन्होंने कहा कि पहले प्रयास में ही बहुत से विद्यार्थियों ने यह सफलता पाई है यह आपकी उपलब्धि है. उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में इम्तहान से नहीं घबराना चाहिए. असफल हो जाने पर या आशाजनक परिणाम न आने पर फिर प्रयास करना चाहिए. इसी तरह के प्रयास से ही अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा

जा सकता है. शिक्षक समाज में रोल मॉडल होते हैं. आप में से बहुत से लोग अब शिक्षक बनने की योग्यता पा चुके हैं. कुछ शोध करेंगे. कुछ जो शिक्षकीय योग्यता से रह गये हैं उन्हें फिर से अगली परीक्षा में शामिल होकर प्रयास करना चाहिए. सफलता अवश्य मिलेगी. अब एक ही परीक्षा के माध्यम से तीनों क्षेत्र खुले हैं. इसलिए नेट की परीक्षा कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है.

उन्होंने कहा कि इसी तरह आप अपने जीवन के हर परीक्षा में सफल हों और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें. आप

भविष्य में जब शिक्षक बनकर विश्वविद्यालय में आयेंगे तो आपको ये दिन याद आयेंगे. आप सभी देश और विदेश जहाँ भी शोध करना चाहें वहां जाएँ. और नए-नए शोध करके देश की सेवा करें. आप सभी की सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य छात्र भी प्रेरित होंगे. उन्होंने बड़ी संख्या में छात्रों की सफलता पर शिक्षकों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. डी. के. नेमा और प्रो. नवीन कानगो ने भी संबोधित किया और सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं. इस इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और शिक्षक उपस्थित रहे. सभी सफल छात्रों को मिष्ठान्न भी वितरित कर उनकी उपलब्धि की सराहना की गई.

डॉ. अंबेडकर का जीवन समाज कल्याण को समर्पित - प्रो गजेंद्र

आज के कठिन एवं चुनौतियांपूर दौर में हर युवाओं को डॉक्टर अंबेडकर की जीवनी को पढ़ना चाहिए और उनसे प्रेरणा लेना चाहिए, उक्त विचार डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय ,डॉक्टर अंबेडकर चेयर के द्वारा आयोजित डॉ अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर में आईआईटी का धनबाद के प्रोफेसर गजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने अपने जीवन में कठिन चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उनके साथ एक अच्छी बात थी वह हमेशा शिक्षा को प्राथमिकता देते

थे ,पूरे विश्व में भ्रमण करने के कारण उनका अध्ययन एवं ज्ञान बहुत था, उक्त अवसर पर डॉ देवेंद्र कुमार ने कहा कि मना कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता जी के मार्गदर्शन युवाओं को प्रोत्साहित करने वाले लेक्चर एवं कार्यक्रम डॉ आंबेडकर चेयर हमेशा आयोजित करता है , जिसके चलते युवा हमारी महापुरुषों को जान सके उनके आदर्शों पर चल सके, कार्यक्रम में प्रोफेसर उत्सव आनंद, डॉक्टर चिट्टी बाबू, जितेंद्र कुमार, डॉ रामकांत,मनोज विश्वकर्मा,बालचंद एवं शोध छात्र उपस्थित थे

विश्वविद्यालय में शुरू होगा ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग का पाठ्यक्रम, गुजरात के कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी के साथ हुआ एमओयू

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शीघ्र ही ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा. इसके लिए विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में गुजरात के कौशल्या स्किल युनिवर्सिटी और डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल्या स्किल युनिवर्सिटी के महानिदेशक प्रो. एस. पी. सिंह थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर प्रो. नवीन कानगो, प्रो. श्वेता यादव, प्रो. सुशील काशव, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय उपस्थित थे. अकादमिक समझौता कार्यक्रम से पूर्व प्रो. एस. पी. सिंह ने कम्युनिटी कॉलेज के समन्वयकों के

साथ संवाद किया. उन्होंने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय पूरी तरह से केवल स्किल आधारित पाठ्यक्रम संचालित करता है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशों के तहत हमें आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है. इस दिशा में प्रयास है कि देश के हर नागरिक के हाथ में कौशल हो ताकि आजीविका के लिए उनकी अन्य संसाधनों पर निर्भरता को कम किया जा सके. आज का युवा नए कौशल सीख रहा है. आने वाला समय कौशल का ही है. जिसके हाथ में कौशल होगा वही

बेहतर योगदान दे पायेगा. यह आज के समय की मांग है कि हम युवाओं को ज्यादा सक्षम बनाएं. उन्होंने कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग एंड डिजाईन, ड्रोन ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग, प्लंबिंग इत्यादि स्किल आधारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय में संचालित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इस अकादमिक समझौते से दोनों ही विश्वविद्यालय मिलकर साझा अक्दमिक कार्यक्रम चलाएंगे. दोनों संस्थानों के बीच आगे संवाद के जरिये कई अन्य पाठ्यक्रमों के संचालन की संभावनाओं के द्वार खुलेंगे. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्त्वपूर्ण ध्येय युवाओं में कौशल, क्षमता और दक्षता का विकास करना है. इस अकादमिक समझौते से बुंदेलखंड और आस-पास के अंचलों के युवाओं को कौशल सीखने में मदद मिलेगी और साथ ही उन्हें रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे. बहुत शीघ्र ही सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय में एक स्किल सेंटर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है जिसका सीधा लाभ इस अंचल के युवाओं को मिलेगा.

भारतीय सेना के अग्निवीरों से संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के कम्युनिटी कॉलेज एवं भारतीय सेना के महार रेजीमेंट के बीच हुए एमओयू के तहत सागर के महार रेजीमेंट सेंटर में भारतीय सेना के अग्निवीरों के लिए कौशल विकास से अग्निवीरों के उज्जवल भविष्य की संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. आयोजन में मुख्य वक्ता कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी गुजरात के महानिदेशक प्रो. एस पी सिंह थे. उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के अग्निवीर देश की रक्षा के तत्पर रहते हैं. उन्हें स्किल पाठ्यक्रमों की मदद से शिक्षा के साथ जोड़ने का काम डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय कर रहा है. अग्निवीर नए-नए तरह की स्किल सीखकर अपने भविष्य को आगे संवार सकते हैं. यह स्किल उन्हें कई आयामों से दक्षता और क्षमता प्रदान करेगी. कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी प्रो सुशील कुमार काशव ने बताया कि विश्वविद्यालय और महार रेजीमेंट सेंटर के मध्य एमओयू के अंतर्गत अग्निवीरों के लिये विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया है. अग्निवीरों के उज्जवल भविष्य के लिये कौशल विकास के लिए लागातार कार्य किया जा रहा है. इस अवसर पर डॉ. पंकज सिंह, डॉ. वंदना राजोरिया, डॉ. शालिनी, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ.अवधेश प्रताप, डॉ. किरण, डॉ. योगेश पाल, डॉ. बबीता यादव, डॉ. अभिषेक बंसल और डॉ. सोनिया कौशल मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों ने विश्वविद्यालय के कार्मिकों को राजभाषा कार्यान्वयन की बारिकियों से कराया अवगत

विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन तथा अधिकारियों एवं कार्मिकों को राजभाषा नियमों व प्रावधानों से अद्यतन कराने हेतु कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा नियमित रूप से हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारियों

एवं लिपिक संवर्गीय कार्मिकों हेतु हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (राजभाषा) श्री अजय कुमार झा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती पूनम विमल एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी सुश्री सोनाली उपस्थित रहे। श्री अजय कुमार झा ने प्रतिभागियों को राजभाषा नियमों एवं प्रावधानों तथा उन्हें गढ़ने के पीछे नीति-निर्माताओं की मंशा से अवगत कराया। राजभाषा प्रगति के तिमाही प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रत्येक तिमाही में राजभाषा प्रगति की समीक्षा हेतु कार्यालयीन पत्राचार एवं टिप्पणियों, कार्यशालाओं के आयोजन तथा बैठकों के आयोजन संबंधी सूचनाएं समेकित कर राजभाषा विभाग को प्रेषित की जाती हैं ताकि इनके आधार पर आगामी कार्ययोजनाएं तथा नीतियां तैयार की जा सकें।

कार्यशाला का समन्वयन कर रहे विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के किसी भी कार्यालय या अनुभाग में मूल पत्र अथवा पत्र के उत्तर का मसौदा लिपिक संवर्गीय कार्मिकों द्वारा ही तैयार किया जाता है जिस पर संबंधित अधिकारी द्वारा यथावश्यवक संशोधनों के साथ हस्ताक्षर किए जाते हैं। इस प्रकार हिन्दी पत्राचार के प्रतिशत में किसी भी प्रकार की वृद्धि हेतु संबंधित कार्मिकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो

जाती है। यदि सभी कार्मिक अपनी भूमिका का यथोचित निर्वहन करें तो हम नि:संदेह ही राजभाषा के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकेंगे।

कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में डॉ. मुकेश साहू, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री राजकुमार पाल, सहायक कुलसचिव, श्रीमती ममता त्रिपाठी, सहायक कुलसचिव, श्री आंजनेय शुक्ला, डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय, श्री उमेश चढ़ार, श्री रोहित रघुवंशी, श्री रजनीश जैन, श्री दयानंदप्पा कोरी, श्री अजब सिंह, श्री भगत सिंह, श्री डी.के. सिलार, श्री मनोज कावड़े, श्री शेखर हेडाउ, श्री वीरेन्द्र ठाकुर, श्री बृजेश साहू सहित परीक्षा शाखा, स्थापना एवं अवकाश शाखा, डोफा कार्यालय, डोआ कार्यालय, प्रवेश प्रकोष्ठ, शोध एवं विकास कार्यालय, विधि प्रकोष्ठ, क्रय एवं भंडार शाखा, वित्त एवं लेखा शाखा, आंतरिक लेखा परीक्षा शाखा, जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय, कुलपति सचिवालय सहित विभिन्न विभागों, केन्द्रों,

अनुभागों, प्रकोष्ठों एवं कार्यालयों में कार्यरत अस्सी से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। कार्यशाला का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक का रहा।

भारत की मानवशास्त्र और लोकसंस्कृति की पराकाष्ठा विषयक सांस्कृतिक आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानवशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 23 मई 2025 को 'भारत की मानवशास्त्र और लोकसंस्कृति की पराकाष्ठा' विषय पर विशेष सांस्कृतिक आयोजन एवं अतिथि व्याख्यान का आयोजन अभिमंच सभागार में किया गया। कार्यक्रम की संरक्षक कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं।

विशेष अतिथि व्याख्यान डॉ. सुबल दास (सहायक प्राध्यापक, मानवशास्त्र विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर) द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक डिजिटल युग में पारंपरिक संस्कृति विलुप्त हो रही है और उसे कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। प्रो. अजीत जायसवाल (प्रोफेसर, मानवशास्त्र विभाग) ने भारतीय संस्कृति की विविधता और लोक परंपराओं की महत्ता पर विचार साझा करते हुए कहा, "लोक संस्कृति ही भारत की पहचान है।" कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सोनिया कौशल और डॉ. रामेन्द्रनाथ कुंडू ने किया। डॉ. सोनिया कौशल ने भारत के हर क्षेत्र की सांस्कृतिक विशिष्टताओं की महत्ता को रेखांकित किया और यह बताया कि किस प्रकार क्षेत्रीय विविधता, भारत की एकता में शक्ति का प्रतीक है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बी.एससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर-पूर्व भारत की लोक संस्कृति को गीत, नृत्य, कविता, गंगा आरती और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया।

कार्यक्रम का संचालन अनुष्का और जान्हवी ने किया, और आयोजन को सफल बनाने में अभिज्ञान, नितीश, आलोक, सुनील, अभिषेक, शैलेन्द्र, सुशांत, नमिता, सलोनी सहित सभी छात्रों का योगदान सराहनीय रहा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए. बिजयसुंदरी देवी ने किया और छात्रों के नेतृत्व, रचनात्मकता और कठिन परिश्रम की विशेष प्रशंसा की।

पटेल हॉउस ने जीता हैंडबॉल इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट

शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर वि वि सागर में अध्ययनरत बीपीईएस के छात्र/छात्राओं के पटेल हाउस एवं सुभाष हाउस के मध्य हैंडबॉल इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ जिसमे पटेल हाउस ने 19 गोल किए और सुभाष हाउस

की टीम 9 गोल ही कर सकी इस प्रकार पटेल हाउस ने मैच 10 गोल से जीता।

पटेल हाउस ने दो मैच लगातार जीत कर टूर्नामेंट में 2-0 जीत अर्जित की। सर्वाधिक 10 गोल अमन दुबे ने दागे, उदय शंकर गर्ग ने 6 गोल एवं हिमांशु ने 3 गोल किए। सुभाष हाउस की ओर से समीर तिवारी ने 5 गोल, आकांत ने 2 गोल किए। प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट अमन दुबे, मैन ऑफ़ द मैच उदय गर्ग, बेस्ट अटैकर समीर तिवारी , बेस्ट डिफेंस खिलाड़ी स्टीव रिचड्सन, बेस्ट स्पोर्टिंग खिलाड़ी हिमांशु एवं अकांत रहे। बेस्ट गोल कीपर मुरली मनोहर रहे। मैच के निर्णायक विनय शुक्ला, महेंद्र कुमार एवं स्कोरर वैभव कुमार एवं सत्यम पटेल रहे।

टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष भौतिक विज्ञान एवं डायरेक्टर इंजीनियरिंग प्रो आशीष वर्मा एवं अध्यक्षता निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ विवेक बी साठे ने की। इंट्रम्यूरल के डायरेक्टर महेंद्र कुमार बाथम ने टूर्नामेंट की जानकारी दी।टूर्नामेंट में सचिव पुष्पेंद्र अहीरवार रहे।आभार शतायु लोधी ने माना एवं संचालन स्तुति शर्मा ने किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ सुमन पटेल, अनवर ख़ान, डॉ मनोज जैन, डॉ रंजन मोहंती एवं दीपक दुबे रहे।

बायोटेक्नोलॉजी विभाग में डीएनए सीक्वेंसर पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने और वैश्विक पटल पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) में डीएनए सीक्वेंसर पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन बायोटेक्नोलॉजी विभाग में किया गया जिसमें कुल 28 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर विभिन्न उपकरणों पर विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। डॉ. विवेक कुमार पांडे, सीएआर ने केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ

सत्र की शुरुआत की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं। व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सी. पी. उपाध्याय (केंद्र समन्वयक) एवं डॉ. आरती गुप्ता (प्रभारी शिक्षक) थे। डॉ. आरती गुप्ता ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में डीएनए सीक्वेंसर और उन्नत उपकरणों के उपयोग की महत्ता को बताया और तकनीक के सामान्य परिचय और सिद्धांत की जानकारी दी। उनके द्वारा सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोगों के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जानकारी दी गई। डॉ. गुप्ता ने बताया की डीएनए सीक्वेंसिंग का उपयोग व्यक्तिगत जीन, पूर्ण क्रोमोसोम्स या किसी भी जीव के संपूर्ण जीनोम के सीक्वेंस को निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है। डीएनए सीक्वेंसिंग अप्रत्यक्ष रूप से आरएनए या प्रोटीन सीक्वेंस करने का सबसे कुशल तरीका है। डीएनए सीक्वेंसिंग तकनीक ने जैविक और चिकित्सा अनुसंधान और खोज में बहुत तेजी लाई है। डीएनए सीक्वेंसिंग का ज्ञान बुनियादी जैविक अनुसंधान, डीएनए जीनोग्राफिक परियोजनाओं और कई क्षेत्रों जैसे मेडीकल डायग्नोसिस, जैव प्रौद्योगिकी, फोरेंसिक बायोलॉजी, वायरोलॉजी आदि के लिए अपरिहार्य हो गया है। स्वस्थ और म्यूटेटेड डीएनए सीक्वेंसेस की तुलना से कैंसर सहित विभिन्न रोगों का निदान किया जा सकता है।

हैंड्स ऑन सत्र में डॉ. विवेक कुमार पांडे और डॉ. सी.पी. उपाध्याय ने डीएनए सीक्वेंसर उपकरण के हार्डवेयर भाग के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू किया। डॉ. सी.पी. उपाध्याय ने विभिन्न पृष्ठभूमि से सैम्पल तैयार करने पर विशेष जोर दिया। सैम्पल तैयार करने के लिए प्रतिभागियों को 03 समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने सैम्पल तैयार किया और अपने सैम्पल का विश्लेषण किया। डॉ. आरती गुप्ता ने प्रतिभागियों को सैम्पल विश्लेषण से लेकर डेटा व्याख्या तक की पूरी जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों की रुचि के क्षेत्र से संबंधित प्रश्नों पर विचार किया गया एवं उनका उत्तर दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा डीएनए सीक्वेंसिंग तकनीक पर संपूर्ण हैंड्स ऑन सत्र सीएआर तकनीकी टीम के डॉ. विवेक कुमार पांडे, श्री शिवप्रकाश सोलंकी, सौरभ साह, आशीष चढ़ार, अरविंद चडार, अभिषेक पाठक और कुलदीप गौलिया की तकनीकी देखरेख में आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सहयोग से वर्गीकरण मान्यता दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन

टैक्सोनॉमी जीवविज्ञान का एक अविभाज्य हिस्सा है। संपूर्ण जीववैज्ञानिक वर्गीकरण, नामकरण बुनियादी टैक्सोनॉमी के ज्ञान पर आधारित है। जीवविज्ञान के इस महत्वपूर्ण हिस्से की मान्यता के रूप में, 23 मई, 2025 को एक वेबिनार आयोजित करके टैक्सोनॉमी मान्यता दिवस मनाया गया। इस वेबिनार का आयोजन डॉ. कश्मीरा एन. ए., सहायक प्रोफेसर, जीवविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की जानकारी प्रो. श्वेता यादव, विभागाध्यक्ष, जीवविज्ञान विभाग और कार्यक्रम की आयोजक द्वारा दी गई। प्रो. वर्षा शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस ने जीवविज्ञान में टैक्सोनॉमी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एक प्रमुख टैक्सोनॉमिस्ट और जीवन विज्ञान संकाय के डीन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. वसीम अहमद, थे। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में

टैक्सोनॉमिस्टों और टैक्सोनॉमिक अध्ययन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने आधुनिक टैक्सोनॉमी के दृष्टिकोण में उन्नत

तकनीकों को शामिल करने और युवाओं को तथाकथित 'संरक्षित टैक्सोनॉमी' की रक्षा की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन युवा मनों को संरक्षण, पारिस्थितिकी और इसलिए स्थिरता की दिशा में बढ़ावा देने के लिए वास्तव में एक अच्छा कदम है। सहयोगी संस्थान की ओर से, डॉ. राहुल जोशी, भारतीय जीववैज्ञानिक सर्वेक्षण (कोलकाता) ने दर्शकों का स्वागत किया और बताया कि एक टैक्सोनॉमिस्ट क्या काम करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से टैक्सोनॉमी को प्रणालीगत दृष्टिकोण से सैद्धांतिक और संचालनात्मक दृष्टि से अलग किया। प्रो. फयाज अहमद, कश्मीर विश्वविद्यालय वेबिनार के दूसरे आमंत्रित वक्ता थे। उन्होंने नेमाटोड्स की वर्गीकरण पर अपने शोध कार्य को साझा किया और दर्शकों से वर्गीकरण अध्ययन पर अधिक ध्यान देने की अपील की। यह युवाओं के लिए भारतीय उपमहाद्वीप जैसे जीव-जंतु विविधता वाले क्षेत्र में शोध विचार प्राप्त करने में वास्तव में सहायक होगा। कार्यक्रम का समापन जूलॉजी विभाग के डॉ. राज कुमार कोइरी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जूलॉजी विभाग के सभी फैकल्टी सदस्य, शोध छात्र और छात्र इस वेबिनार में शामिल हुए।

जैव विविधता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है- कुलपति

विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अभिमंच सभागार में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एस.पी. सिंह, महानिदेशक कौशल्याः दी स्किल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात थे। अतिथि श्री अंकित राय, विज्ञान भारती, महाकोशल विज्ञान परिषद, जबलपुर, और प्रो. एस.के. जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय थे। विषय प्रवेश कार्यक्रम की आयोजक और प्राणी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. श्वेता यादव द्वारा किया गया। डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने पारिस्थितिकी तंत्र के रखरखाव में जैव विविधता की भूमिका पर अपनी बात रखते हुए सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों से जैव विविधता के संरक्षण की शपथ लेने का भी आह्वान किया। प्रो. एम. एल. खान ने जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को विस्तार से बताया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि जैव विविधता प्रकृति का एक अनिवार्य हिस्सा है। जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र को कार्यात्मक और गतिशील बनाती है। पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में, जैव विविधता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीबीड) ने वर्ष 2025 के अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस की थीम को 'प्रकृति और सतत विकास के साथ सद्भाव' के रूप में उद्धृत किया है। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस मनाकर जैव विविधता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया

है। उन्होंने विलुप्त होने वाली प्रजातियों पर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण और जैव विविधता पर उनके हानिकारक प्रभावों से संबंधित पर्यावरणीय समस्याओं के बारे में चर्चा की। मुख्य अतिथि, प्रो. एस. पी. सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि 'पृथ्वी प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है, मनुष्य के लालच को नहीं'। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के प्रभावों और महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ये पहलू सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और कुनमिंग-मॉन्ट्रियल के वैश्विक जैव विविधता ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रो. एकलव्य शर्मा ने जैव विविधता के महत्व, वर्तमान खतरों और संरक्षण पर अपना व्याख्यान दिया। श्री ए. ए. अंसारी, आधिकारिक वन मंडल; रिजर्व टाइग्रे वीरांगना दुर्गावती नौरादेही, ने जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में भारत सरकार के वन विभाग के प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने इस प्रकार के महत्वपूर्ण दिनों को मनाने की पहल की भी सराहना की और जैव विविधता और संरक्षण पर अनुसंधान और जागरूकता की अन्य गतिविधियों में सहयोग करने के लिए विभाग द्वारा सहयोग करने की बात कही. अतिथि प्रो. एस. के. जैन और श्री अंकित राय ने जैव विविधता के प्रति हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक दायित्वों और इसके संरक्षण के लिए उठाए गए आवश्यक कदमों को बताया.

समानांतर सत्र में जैव विविधता से संबंधित चित्रकला, वाद-विवाद और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्राणी विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ मालविका सिकदर, डॉ पायल महोबिया, डॉ दीपाली जाट, डॉ राज कुमार कोइरी, डॉ संदीप कुमार, डॉ स्मिता शुक्ला, डॉ कश्मीरा एन. ए. समेत अनेक संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक प्रो. सह कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शाश्वत सिंह, द्वारा औपचारिक धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ सोमनाथ घोष ने किया। कार्यक्रम का औपचारिक रूप से समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महारथी का मंचन समकालीन सामाजिक, नैतिक और वैचारिक गुत्थियों का रचनात्मक विश्लेषण है- डॉ. राकेश सोनी

विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने किया नाटक 'महारथी' का मंचन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्वर्ण जयन्ती सभागार में नाट्यकला के विद्यार्थियों ने नाटक महारथी का मंचन किया. यह केवल एक नाट्य प्रस्तुति ही नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में रूपांतरित हो गई. नाटक के निर्देशक डॉ. नीरज उपाध्याय ने बताया कि *"महारथी"* कोई साधारण नाट्य प्रस्तुति नहीं है। यह भारतीय लोक-संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना की मंचीय अनुगूँज है. छात्रों की यह प्रस्तुति 'लोक' और 'शास्त्र' के बीच एक ऐसा सेतु रचती है जहाँ भाषा प्रतीक बन जाती है, देह अर्थ बन जाती है, और मंच एक विचार क्षेत्र। यह नाटक महाभारत के चरित्रों में समकालीन समाज की गूँज सुनाने का साहस करता है।

नाटक *'महारथी'* का भावनात्मक शिखर बिंदु हैं। यह प्रस्तुति महाभारत के सबसे उपेक्षित, लेकिन सबसे तेजस्वी पात्र कर्ण के बहाने हमारे समय की सामाजिक, नैतिक और वैचारिक गुत्थियों का रचनात्मक विश्लेषण है। यह एक ऐसा रंगनाट्य है जो मिथक को सिर्फ दोहराता नहीं, बल्कि आधुनिक चेतना के साथ पुनर्परिभाषित करता है। विभांशु वैभव द्वारा रचित यह नाटक 'कर्ण' की

कथा को मानवतावादी दृष्टिकोण से देखता है, जहाँ जन्म नहीं, बल्कि कर्म और निष्ठा के आधार पर व्यक्ति की पहचान गढ़ी जाती है।

विश्वजीत डेहरिया ने कर्ण की भूमिका में आंतरिक द्वंद्व, त्याग, निष्ठा और अभिशप्त गरिमा को सजीव कर दिया। उनकी संवाद अदायगी और शारीरिक भाषा में आत्मानुभूति स्पष्ट दिखाई दी। देववृष अहिरवार ने कृष्ण की भूमिका में संयम और राजनीति का द्वैत प्रस्तुत किया। दीपेंद्र सिंह लोधी (दुर्योधन), प्रिया गोस्वामी (कुंती), सिया चौबे (द्रौपदी) सहित पचास से

अधिक विद्यार्थी कलाकारों ने गहरे अभ्यास और चरित्र की समझ का परिचय दिया। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक और नाट्य मंचन के मार्गदर्शक डॉ. राकेश सोनी ने कहा कि छात्रों की यह प्रस्तुति महज एक पाठ्यक्रमीय अभ्यास नहीं, बल्कि एक सार्थक रंग-संवाद है — समाज, व्यक्ति और मिथक के बीच। विद्यार्थियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों ने 'महारथी' को एक विचारोत्तेजक और संवेदनशील नाट्य प्रस्तुति बना दिया है। *"महारथी"* की प्रस्तुति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रंगमंच विभाग के विद्यार्थियों के लिए केवल एक शैक्षणिक प्रोजेक्ट नहीं है, यह उनकी कला, विचारशीलता और सामाजिक सरोकारों की परिपक्व अभिव्यक्ति है. छात्रों ने यह सिद्ध कर दिया कि वे न केवल मंच के महारथी हैं, बल्कि समाज से संवाद करने वाले सच्चे कलाकार भी हैं. और भविष्य में वे देशभर में डॉ. गौर और उनके विश्वविद्यालय का नाम गौरव से ऊँचा करेंगे।

विश्वविद्यालय : एनईपी सीबीसीएस की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 सीबीसीएस की परीक्षाएं दिनांक 28 मई से शुरू हो गई हैं. यूजी छठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 मई से 06 जून तक चलेंगी. पीजी द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 09 जून से शुरू होंगी जो सुबह की पाली (10 बजे से 01 बजे तक) में चलेंगी. यूजी द्वितीय सेमस्टर की परीक्षाएं सुबह की पाली में और

चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं दूसरी पाली (दोपहर 03 से 06 बजे तक) संचालित होंगी.

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. पी. गादेवार ने बताया कि सभी परीक्षाएं विश्वविद्यालय के महर्षि कणाद भवन एवं आचार्य शंकर भवन में 20 जून तक संचालित की जायेंगी. उन्होंने बताया कि इसी समय सारिणी के अनुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों में भी परीक्षाएं समानांतर संचालित की जा रही हैं.

आत्मनिर्भर भारत विचार नहीं संकल्प है- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारत युवा देश है, युवाओं में परिवर्तन और विकास करने की क्षमता है, भारत के विकास का आधार युवा है. उक्त विचार डॉ अम्बेडकर चेयर, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के द्वारा आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी जिसका विषय युवा भारत, आत्म निर्भर भारत था, में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय चिंतक और विचारक एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने व्यक्त किये. उन्होंने कहा कि युवाओं को उद्यमिता की ओर ले जाना होगा, भारत का

स्टार्टअप विश्व का तीसरा बड़ा स्टार्टअप है. हमें विदेशों पर निर्भरता कम करनी होगी. मेड बाय इंडिया को अपनाना होगा. भारत युवा देश है, युवाओं में परिवर्तन और विकास करने की क्षमता है. युवा भारत से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत बनेगा.

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में युवाओं में शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. शिक्षा का अर्थ शिक्षा ग्रहण करने के बाद आजीविका कमाने के लिए युवाओं को सक्षम बनाना है. युवा स्वयं काम करें और अन्य को भी रोजगार दें. विश्वविद्यालय युवाओं में स्किल केंद्र के माध्यम से ऐसा काम कर रहा है. आने वाले समय में हम समर स्किल प्रोग्राम जो स्किल बेस्ड प्रोग्राम के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास को बढ़ाने का काम करेंगे. युवा भारत को कौशल युक्त युवा भारत में बदलना होगा. आत्मनिर्भर भारत विचार नहीं एक संकल्प है.

संगोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ. देवेंद्र ने कहा कि आने वाला समय भारत का है. भारत के युवाओं का है. विकसित भारत 2047 में हमारी अपनी भूमिका हमें तय करनी होगी. विदेश पर निर्भरता कम करते हुए आत्मनिर्भर होना होगा और इसमें युवा की एक बड़ी भूमिका रहने वाली है. उक्त अवसर पर डॉक्टर संजय बरोलिया, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. शिव शंकर यादव, डॉ. अभिषेक कुमार, जितेंद्र सेवटे, माधव चंद्र, अजब सिंह, कैलाश चढ़ार, डॉ. रमाकांत, मनोज विश्वकर्मा, दीनदयाल अहिरवार, विश्वास गुप्ता, निधि सिंह, अभिषेक उपाध्याय आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे.

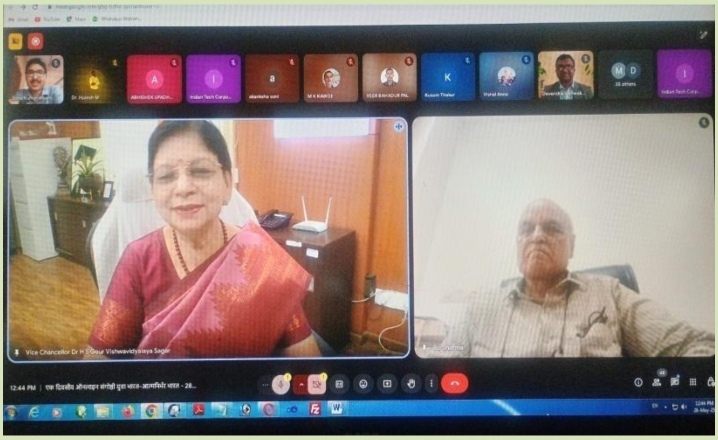

हिंदी विभाग के छह छात्रों का एमपीपीएससी-सहायक प्राध्यापक परीक्षा में चयन, कुलपति ने दी बधाई

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के के हिंदी विभाग ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। विभाग के छह छात्रों ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में अंतिम चयन सूची में स्थान पाकर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया है। सहायक प्राध्यापक पद हेतु सूर्यकांत त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, पीयूष जैन, वैशाली रजक, रितु शर्मा और पानकुंवर लोधी का चयन हुआ

है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर और मार्गदर्शन प्रणाली की उत्कृष्टता को दर्शाती है। चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विभाग के शिक्षकों और सतत परिश्रम को दिया है।

छात्रों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आपकी मेहनत और लगन का परिणाम है. विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों के लिए यह सफलता प्रेरणा स्रोत है. हाल ही में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहायक प्राध्यापक हेतु पात्रता परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं. यह छात्रों की और उनका मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों के परिश्रम का परिणाम है. उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थी डॉ. गौर की बगिया के अनमोल रत्न हैं. जहाँ भी जायेंगे वहीं चमकेंगे. उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि आपकी सफलता में डॉ. गौर के शिक्षा के मंदिर का महत्त्वपूर्ण योगदान है. जहाँ भी आप कार्य करें वहां रहते हुए इस विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें. विश्वविद्यालय से लगातार जुड़े रहें और विभाग से संवाद कायम रखें ताकि आपसे प्रेरणा लेकर अन्य विद्यार्थी भी अपना भविष्य संवार सकें. उन्होंने मिष्ठान्न खिलाकर सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं.

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों हेतु सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति हेतु चयन प्रक्रिया आयोजित की जाती हैं. लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम रूप से चयन किया जाता है. सहायक प्राध्यापक (हिंदी) पद हेतु लिखित परीक्षा 9 जून 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें कुल 11 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया था जिसमें छह छात्र अंतिम रूप से सफल हुए. हिंदी विभाग के इस शानदार प्रदर्शन पर कुलपति, संकाय प्रमुख एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. चंदा बेन, प्रो. राजेन्द्र यादव, कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रभारी मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में जीव वैज्ञानिक वर्गीकरण पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्राणीशास्त्र विभाग में जंतु वैज्ञानिक वर्गीकरण पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया. यह आयोजन भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सहयोग से वर्गीकरण मान्यता दिवस के अवसर पर किया गया. संयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. एन. ए. कश्मीरा ने किया.

कार्यक्रम में प्रो. श्वेता यादव, विभागाध्यक्ष ने विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की. प्रो वर्षा शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस ने जीवविज्ञान में टैक्सोनॉमी के महत्व पर अपने विचार

व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रमुख टैक्सोनॉमिस्ट और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान संकाय के डीन प्रो. वसीम अहमद थे। उन्होंने कहा कि टैक्सोनॉमी जीवविज्ञान का एक अविभाज्य हिस्सा है। संपूर्ण जीववैज्ञानिक वर्गीकरण, नामकरण बुनियादी टैक्सोनॉमी के ज्ञान पर आधारित है। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में टैक्सोनॉमिक अध्ययन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने आधुनिक टैक्सोनॉमी के दृष्टिकोण में उन्नत तकनीकों को शामिल करने और युवाओं को "संरक्षित टैक्सोनॉमी" की रक्षा की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन युवा मनों को संरक्षण, पारिस्थितिकी और स्थिरता की दिशा में बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा कदम है। सहयोगी संस्थान की ओर से डॉ. राहुल जोशी, भारतीय जीववैज्ञानिक सर्वेक्षण (कोलकाता) ने बताया कि एक टैक्सोनॉमिस्ट क्या काम करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से टैक्सोनॉमी को प्रणालीगत दृष्टिकोण से सैद्धांतिक और संचालनात्मक दृष्टि से अलग किया। प्रो. फयाज अहमद, कश्मीर विश्वविद्यालय ने नेमाटोड्स के वर्गीकरण पर अपने शोध कार्य को साझा किया और शोधार्थियों से वर्गीकरण अध्ययन पर अधिक ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि यह प्रयास युवाओं के लिए भारतीय उपमहाद्वीप जैसे जीव-जंतु विविधता वाले क्षेत्र में नवीन शोध आइडिया प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। विभाग के डॉ. राजकुमार कोइरी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्राणी शास्त्र विभाग के सभी शिक्षक, शोध छात्र और विद्यार्थी शामिल हुए।

खबरों में विश्वविद्यालय

विवि: श्रमिकों के कल्याण के लिए डॉक्टर अंबेडकर ने कार्य किया

जनतंत्र सेतु न्यूज़ | सागर

सागर। डॉक्टर बी. आर. अंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में रिसर्च के दौरान एक थीसिस लिखी नेशनल डिविडेंड ऑफ़ इंडिया जो 1924 में प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने फाइनेंस कमीशन की स्थापना की बात की थी। उक्त विचार डॉक्टर अंबेडकर चेयर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित डॉक्टर अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर का विषय 'डॉक्टर बी. आर. अंबेडकर का आर्थिक चिंतन' पर संबोधित करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. उत्सव आनंद ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का चिंतन श्रमिकों के हित के लिए था। श्रमिकों के कल्याण के लिए श्रमिक एवं मालिक एक साथ बैठकर समस्या का समाधान करें जिससे उद्योग का विकास हो सके। उक्त अवसर पर डॉ. देवेंद्र कुमार ने कहा कि अंबेडकर के आर्थिक चिंतन के माध्यम से ही हम

विकसि… उनकी … प्रधानमं… सबका … यह संभ… हो रहा … कुलपति … अंबेडकर … में हुई औ… आगे बढ़ा… चेयर कर … एजुकेशन … चिट्ठी बाबू … स्वागत कि… कुमार, अज… बालचंद, अ… मनीष कुमा… कार्यक्रम में उ…

पत्रिका
सागर, शुक्रवार, 02 मई, 2025

डॉ. हरिसिंह गौर विवि में व्याख्यान का हुआ आयोजन

श्रमिक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस गुरुवार को अर्थशास्त्र विभाग ने जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय … भवन में … व … समारोह … अध्यक्षता … गुप्ता … की … कड़ी … प्रदान … अथक … लेकर … निर्माण में … को एक … करते हैं। … अधिकारी … भारत को … अधिक हो … श्रमिकों की

श्रमिकों को मिष्ठान का किया वितरण

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में निर्माणाधीन विस्तारित संग्रहालय भवन के निर्माण में संलग्न मजदूरों से मुलाकात कर मिष्ठान एवं अन्य खाद्य एवं शीतल पेय पदार्थ भेंट कर उनके कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे सहित स्टाफ उपस्थित रहा।

बेहतरीन के लिए जो अधिनियम बने हुए हैं, उनका ठीक से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे श्रमिकों की स्थितियों में जितना सुधार होना चाहिए था, उतना नहीं हो पा रहा है। रूपरेखा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंह मटसेनिया ने प्रस्तुत की। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने दिया।

राष्ट्र की प्रगति में श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान, उनकी प्रगति में सहयोगी बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दैनिक जागरण
03 मई 2025
www.dainikjagranmpcg.com

विवि को मिली उपलब्धि : ई-गवर्नेंस में डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय देश में आया सबसे आगे

शिक्षा मंत्रालय ने दिल्ली कार्यशाला में विवि के प्रयासों को सराहा

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि मिली है। विश्वविद्यालय अब ई-गवर्नेंस में भी देश में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है। विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लांच किये गए समर्थ पोर्टल के सभी मोड्यूल्स सक्रिय हैं जिनके माध्यम से सभी आवश्यक क्षेत्रों में ऑनलाइन माध्यम से कार्य संचालित हो रहे हैं।

समर्थ ई-गवर्नेंस सिस्टम शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पहल है जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में एक कुशल और कम लागत में प्रभावी संसाधन नियोजन प्रणाली को लागू करना है। यह एकीकृत प्रबंधन प्रणाली है जिससे उच्च शिक्षा की सभी इकाईयां एक ही प्लेटफार्म पर एक ही प्राविधि से कार्य करेंगी। विश्वविद्यालय ने मॉड्यूल को लागू करने का सौ फीसदी लक्ष्य हासिल किया है। इसके कुशल क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय ने समर्थ कार्यान्वयन समिति की स्थापना की, प्रशिक्षण आयोजित किया और पुरानी मैनुअल प्रक्रियाओं को चरणबद्ध तरीके से बंद करते हुए डिजिटल प्रणाली का उपयोग शुरू किया। शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में पीएम-ऊषा के तहत बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों पर नई दिल्ली स्थित आईसीएआर के एपी शिंदे सिम्पोजियम सभागार में 30 अप्रैल एवं 1 मई को राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ.सुकांत मजूमदार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ.विनीत जोशी, शिक्षा मंत्रालय के अपर सचिव सुनील कुमार वर्णवाल, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो.टीजी सीताराम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और विश्वविद्यालयों के कुलपति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अतुल्य भास्कर
सागर, 03 मई 2025
संभागीय समाचार

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की सराहना

ई-गवर्नेंस में डॉ. हरीसिंह गौर विवि देश में सबसे आगे, समर्थ पोर्टल के सभी माड्यूल्स सक्रिय

अतुल्य भास्कर, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि मिली है. विश्वविद्यालय अब ई-गवर्नेंस में भी देश में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान बन गया है. विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लांच किये गए समर्थ पोर्टल …

का सौ फीसदी लक्ष्य हासिल किया … के क्रियान्वयन के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा कुलपति को सम्मानित भी किया …

… के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम, एनईटीएफ के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति और विश्वविद्यालयों के कुलपति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे.

कार्यशाला में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय में समर्थ के सभी मोड्यूल्स के क्रियान्वयन की … को साझा किया. … कार्यों को हम डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर लाने में सफल हुए. प्रवेश के रिकॉर्ड, परीक्षा और उनके परिणाम, वेतन, पेंशन, सभी तरह के अवकाश, नियुक्ति के फॉर्म इत्यादि सहित सभी गतिविधियाँ समर्थ एकीकृत पोर्टल के माध्यम से किये जा रहे हैं. उन्होंने इसके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों को साझा करते हुए इसके सफल क्रियान्वयन की रणनीतियों की भी चर्चा की. उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए सभी कर्मचारियों, अधिकारियों एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण भी आवश्यक … विश्वविद्यालय ने … सत्र आयोजित … ही समस्याओं … वीडियो लिंक … उपलब्ध किये. … जानकारियों को … साझा किया. … आई टी सेल को … उपलब्ध कराये … अधिकारियों और … तार कार्य करते … को ई-गवर्नेंस के … जाने में महत्वपूर्ण

विवि में पंच प्रण के तहत हुई निबंध स्पर्धा, विजेताओं को किया सम्मानित

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में पंच प्रण संकल्प जागरूकता अभियान के तहत प्रथम सत्र में हमारी विरासत पर गर्व विषय पर निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. पंकज सिंह मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया। • नवदुनिया

इनको किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता में प्रथम रहे हर्षित खरे, द्वितीय हर्षिता तिवारी एवं तृतीय प्रतिभा सेन, प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त टीम में नवनीत जैन, मनहर मौर्य, अश्वनी तिवारी एवं द्वितीय स्थान प्राप्त टीम से हंसिका सैनी, सत्यम सेन, आशीष साहू को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के पंच प्रण संयोजक विभागाध्यक्ष प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व प्रो. नागेश दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. आरके गंगेले, प्रो. यूके खेड़लेकर, डा. अभिषेक बंसल, डा. आरके पाण्डेय, डा. कविता श्रीवास्तव, डा. शिवानी खरे, डा. आयुष गुप्ता, डा. विपिन कुमार, डा. अंकित रूही, भूपेंद्र कुमार सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आस्था जैन एवं महिमा चौबे ने किया। तकनीकी सहयोग हीरा अहिरवार ने दिया। आभार डा. कविता श्रीवास्तव द्वारा व्यक्त किया गया।

… प्राइम

पत्रिका
सागर, शनिवार, 03 मई, 2025

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह: मई के दूसरे सप्ताह में होगी तारीख की घोषणा, अतिथियों से अनुमति मिलने का इंतजार

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को मानद उपाधि से सम्मानित करेगा विवि

जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने की 80 ग्रंथों की रचना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल्द ही एक बड़ा दीक्षांत समारोह होने वाला है। इस बार का दीक्षांत समारोह खास होगा क्योंकि इसमें जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज को मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता ने इसके लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अनुमति मांगी है। राष्ट्रपति से अनुमति मिलने के बाद अब मई माह में दीक्षांत समारोह आयोजित करने की तैयारी चल रही है। इसके साथ ही केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी समारोह में शामिल होने की अनुमति मांगी गई है। मई के दूसरे सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन तारीख की घोषणा करेगा।

स्वामी रामभद्राचार्य महाराज।

2015 में मिला पद्मविभूषण सम्मान

जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज जब दो महीने के थे, तब उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। इसके बावजूद उन्होंने जो उपलब्धियां हासिल कीं, वे अद्वितीय हैं। वे शिक्षाविद्, बहुभाषाविद्, कथाकार और प्रवचनकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। स्वामी को 22 भाषाएं आती हैं और उन्होंने लगभग 80 ग्रंथों की रचना की है, जिनमें हिंदी और संस्कृत के चार महाकाव्य भी शामिल हैं। उन्हें 1988 में जगद्गुरु पद पर प्रतिष्ठित किया गया था। उन्होंने विकलांग विश्वविद्यालय की स्थापना भी की है, जिसके वे आजीवन संस्थापक कुलाधिपति हैं। उन्हें 2015 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया था।

विवि में दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारी में चल रही हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब अतिथियों की अनुमति मिलने का इंतजार है। मई के दूसरे सप्ताह में तारीख की घोषणा हो जाएगी। इस वर्ष आयोजन को अच्छा और बेहतर बनाने का हम प्रयास कर रहे हैं। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज को मानद उपाधि से सम्मानित करने की अनुमति हमें राष्ट्रपति से मिल गई है।
- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय

कौशल दक्षता व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक है : प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विश्वविद्यालय में समर स्कूल पाठ्यक्रम 2 जून से होंगे शुरू, 12 मई से होंगे रजि...

दक्षिण बुन्देलखण्ड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आमजन एवं प्रोफेसनल्स के लिये ग्रीष्मकालीन अवकाश में कौशल विकास के लिये दो से चार सप्ताह अवधि के 9 कोर्स इस बार जून 2025 में आयोजित किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इसके लिये एक विशेष प्रकोष्ठ नवाचार एवं समर स्किल कार्यक्रम का पिछले सत्र में गठन किया था।

विगत सत्र में विश्वविद्यालय पहली बार जून माह में भी समर स्कूल कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समर स्कूल 2025 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इसके सभी 9 कोर्सेज के पोस्टर्स का विमोचन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी ...

अकादमिक जगत के लोगों के साथ-साथ आमजन को भी सीखने-सिखाने का अवसर प्रदान करता है। विद्यार्थी अपनी परंपरा पर पढ़ाई के अलावा अपनी मनपसंद और रुचि के छोटे-छोटे पाठ्यक्रम करते हुए कुछ नया स्किल ...

प्रवेश लिया। यह विश्वविद्यालय की एक विशेष उपलब्धि है। समर स्कूल 2025 का शुभारंभ के इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने 9 कोर्सेज के पोस्टर का विमोचन किया। इस पाठ्यक्रम में फोटोग्राफी, रिमोट सेन्सिंग, पाईथन, ...

विश्वविद्यालय में समर स्कूल पाठ्यक्रम 2 जून से होंगे शुरू, 12 मई से होंगे रजिस्ट्रेशन

कौशल दक्षता व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक हैः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर / आसपास

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आमजन एवं प्रोफेशनल्स के लिये ग्रीष्मकालीन अवकाश में कौशल विकास के लिये दो से चार सप्ताह अवधि के 9 कोर्स इस बार जून 2025 में आयोजित किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इसके लिये एक विशेष प्रकोष्ठ नवाचार एवं समर स्किल कार्यक्रम का पिछले सत्र में गठन किया था। विगत सत्र में विश्वविद्यालय पहली बार जून माह में भी समर स्कूल कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। कुलपति प्रो. गुप्ता ने समर स्कूल 2025 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इसके सभी 9 कोर्सेज के पोस्टर्स ...

अध्ययनरत विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख ...

उद्देश्य है। विगत सत्र में विश्वविद्यालय ने पहली बार समर स्कूल कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें सागर शहर के साथ साथ मध्यप्रदेश सहित 13 राज्यों के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने उस कार्यक्रम में प्रवेश लिया। यह विश्वविद्यालय की एक विशेष उपलब्धि है।

सभी 9 कोर्सेज के लिये होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन : समर स्कूल 2025 कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो विनोद कुमार भारद्वाज, विभागाध्यक्ष भूगोल ने बताया कि इन सभी 9 कोर्सेज के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। इच्छुक आवेदक रजिस्ट्रेशन के लिए दिये गये क्यूआर कोड अथवा लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। इन कोर्सेज का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आवेदन प्रक्रिया 12 मई से आरंभ होगी और आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई रहेगी। 1 जून को सामूहिक उद्घाटन कार्यक्रम होगा तथा 2 जून से कक्षाएं लगेंगी। सभी आवेदकों को विधिवत आवेदन उपरांत अपने कोर्स का व्हाट्सएप ग्रुप भी जॉइन करना होगा ताकि समय-समय पर आवश्यक जानकारी भी प्रेषित की जा सके। कोर्सेज के संबंध में अन्य जानकारी अथवा मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक विषय के कोर्स को-ऑर्डिनेटर एवं मोबाइल नम्बर भी उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने बताया कि कोर्स समाप्ति पर सफलतापूर्वक कोर्स पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। सभी कोर्सेज के आयोजन का समय, उपलब्ध सीट संख्या आदि की जानकारी भी वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाई गई है।

वाद- विवाद स्पर्धा : एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर 33 प्रतिभागियों ने रखी राय

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में भारत सरकार के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यक्रम हुआ ...

संकल्प, औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता बनाए रखना और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम के ...

विवि में समर स्कूल पाठ्यक्रम 2 जून से होंगे शुरू, 12 मई से होंगे रजिस्ट्रेशन

सागर@पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आमजन एवं प्रोफेशनल के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश में चार सप्ताह अवधि के 9 कोर्स इस बार जून में आयोजित किए जा रहे हैं। समर स्कूल पाठ्यक्रम 2 जून से शुरु होंगे और 12 मई से रजिस्ट्रेशन की ... जाएगी। कुलपति प्रो. ...

हमें शंकराचार्य की शिक्षा को जीवन में उतारना चाहिए : प्रो. राजपूत

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की पहल पर आदि शंकराचार्य की जयंती डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में भारतीय दार्शनिक दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में दर्शन विभाग व अन्य विभागों से सम्मिलित छात्र-छात्राओं द्वारा शंकराचार्य के जीवन एवं दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर पोस्टर बनाए गए। स्वागत उद्बोधन देते हुए विभाग की सहायक आचार्य डा. देवस्मिता चक्रवर्ती ने देते हुए, शंकराचार्य द्वारा नैतिक अनुशासन, तर्कपूर्ण विचार और सन्यास के जीवन के रूप में दर्शन पर बल दिया। इस दौरान आदि शंकराचार्य के जीवन पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया। ...

विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में भारतीय दार्शनिक दिवस मनाया। • नवदुनिया

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा हमें प्रयास करना चाहिए कि हम अपने भीतर शंकराचार्य और विवेकानंद आदि महापुरुषों को जीवित रखें।

प्रतियोगिता भी हुई जिसमें प्रथम स्थान पर दर्शन विभाग के स्नातकोत्तर के विद्यार्थी हेमंत तिवारी, दूसरे स्थान पर विभाग की शोधार्थी विभा पांडेय व तीसरे स्थान पर विभाग के विद्यार्थी ... इस विभाग से प्रो. बीके ... व, मनोविज्ञान विभाग से डा. ... भनोट, दर्शन विभाग के मनोहरलाल चौरसिया, विभा ... पुज एवं गौरव कुमार के ... स्नातक एवं स्नातकोत्तर ... छात्राएं उपस्थित थे। ... का संचालन विभाग के छात्र ... द्वारा किया गया।

महिलाओं के बौद्धिक विकास पर केंद्रित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की वूमेन लीड डेवलपमेंट कमेटी (डब्ल्यूएलडीसी) के तत्वावधान में रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में 'महिलाओं पर, महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा,' विषय पर एक ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डब्ल्यूएलडीसी की चेयरपर्सन प्रो. वंदना सोनी के संयोजन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रितु यादव (मुख्य प्रतिपालिका, बालिका छात्रावास एवं सदस्य, डब्ल्यूएलडीसी) ने की. संयोजन डॉ. शालिनी चौधीरानी (सदस्य, डब्ल्यूएलडीसी) ...

किया गया। इस प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास, निवेदिता छात्रावास और सरस्वती छात्रावास की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चार टीमों (प्रत्येक में तीन सदस्य) के बीच हुए इस ज्ञानपूर्ण प्रतिस्पर्धा में टीम सी (रानी कुमारी, अनुष्का सिंह, अंजू ...

इस प्रयोग से पार्किंसन, अल्जाइमर, भय, तनाव जैसी व्यवहारिक समस्याओं की दवा बनाने की प्रक्रिया होगी सरल

विविः मानव की व्यवहारजन्य समस्या और बीमारियों पर काम करने बनाया जेब्राफिश का एल्गोरिद्म

जेब्राफिश के व्यवहार के अध्ययन के लिए कम उपकरण, महंगे भी हैं

आचरण संवाददाता

मानव की कोई मानक परिभाषा नहीं, व्यवहार बदलता रहता है

तीसरी समस्या ये थी कि हमें सही उपकरण नहीं, बल्कि कम कीमत के उपकरण चाहिए थे। इन तीन समस्याओं के आधार पर हमने काम करते हुए जेब्राट्रैक नाम का कम्प्यूटर एल्गोरिद्म तैयार किया। जिससे जरिए हम जेब्राफिश के व्यवहार का अध्ययन सुगम में कर सकते हैं। डॉ योगेश भार्गव बताते हैं कि इस काम को देश के दो बड़े संस्थानों ने मिलकर 2016 में शुरू किया था।

विज्ञान जगत और आम आदमी के लिए ये है फायदा

असि. प्रोफेसर डॉ योगेश भार्गव के अनुसार मानव हो या अन्य कोई पशु-पक्षी उसके व्यवहार की कोई एक ...

www.rajexpress.com

शारीरिक शिक्षा विभाग में होगा ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग के खेल मैदान पर 15 मई से 10 जून तक लगाया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट एवं एरोबिक्स का प्रशिक्षण दिया जायेगा। शिविर में फुटबॉल, क्रिकेटए वॉलीबॉल में 14 से 25 आयु वर्ग के बालक/बालिका एवं एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बालक बालिका भाग ले सकते हैं। जिसमे क्रिकेट, एरोबिक्स का शिविर सुबह 7 बजे से 9 बजे तक एवं फुटबॉल, वॉलीबॉल का शिविर शाम 4 बजे से 6 बजे तक रहेगा।

कुलपति ने किया रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के प्लेसमेंट एवं स्टार्टअप सेल तथा उन्नति फाउंडेशन बैंगलुरू के मध्य 2 अप्रैल 2024 को हुये एमओयू समझौते के तहत प्रथम रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने निरीक्षण किया तथा इस दौरान उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित विद्यार्थियों से संवाद किया जिसमें विद्यार्थी काफी उत्साहित रहे। उक्त रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कम्प्यूटर साइंस एवं अनुप्रयोग विभाग में किया जा रहा है जो कि 15 अप्रैल से लगातार आयोजित है तथा कुल 30 कार्य दिवस तक जारी रहेगा। इस ... अंतिम वर्ष के 40 ...

प्रतिदिन 3 घंटे का 30 कार्य दिवस का प्रशिक्ष... शामिल है। यह उन्नति फाउंडेशन द्वारा पहला बैच ... इसके बाद बाकी विद्यार्थियों के लिये भी बै... संचालित होते रहेंगे। कुलपति ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा कि प्रभावी संचार, जीवन कौशल, व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास निर्माण, मूल्यों के विकास, वाद-विवाद, सार्वजनिक भाषण, मॉक इंटरव्यू आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण पाकर विद्यार्थियों का समग्र विकास होगा एवं उन्हें एक उज्जवल भविष्य पाने में आसानी होगी। उक्त निरीक्षण में कुलपति के साथ ... जायसवाल, डायरेक्टर फैकल्टी ... विश्वविद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

दैनिक परिहार गर्जना | सागर/बीना न्यूज | (3)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्ष मनोनीत

श्री संतोष सोहगौरा ने कुलपति महोदया को बधाई देते हुए बताया कि माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को यह दायित्व राजभाषा हिन्दी के प्रति उनके प्रेम, समर्पण एवं विश्वविद्यालय में राजभाषा के उत्कृष्ट ... को देखते हुए सौंपा गया है।

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में ... कार्यान्वयन हेतु ...

... में सफल होगी।

विदित हो कि नराकास का गठन नगर स्थित कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों द्वारा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाता है। पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, इंडियन बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, पावर ग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, आयकर, रेलवे स्टेशन, क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, आकाशवाणी-प्रसार भारती, डाकघर, छावनी परिषद, केन्द्रीय माल एवं सेवा कर प्रभाग, महार रेजीमेंट, केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, बीना रिफाइनरी, मौसम विज्ञान ... एवं डॉक्टर हरीसिंह गौर ... सागर नगर ... सरकार के ... सदस्य हैं। ... उपलब्धि पर ... विद्यालय के ... शिक्षकों, ... ने हर्ष व्यक्त ... हम सभी को ... इस अवसर ... के सदस्य ... को बधाई ... हैं।

एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने और वैश्विक पटल पर विवि को आगे बढ़ाने के लिये कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में उन्नत अनुसंधान केंद्र सीएआर में गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री जीसी-एमएस पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन केमिस्ट्री विभाग में किया गया, जिसमें कुल 33 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर विभिन्न ...यों पर विवि में समय-समय पर कार्यशाला का ...र किया जा रहा है। डॉ. विवेक कुमार ... ने केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र ... की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे ... गियों को जानकारी दी और प्रतिभागियों को

प्रशिक्षण के लिये शुभकामनायें दीं। मुख्य वक्ता डॉ. कल्पतरु दास एवं डॉ. दीपांशी जायसवाल प्रभारी शिक्षक थे। डॉ. दीपांशी जायसवाल ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में जीसी एमएस और उन्नत उपकरणों के उपयोग की महत्ता को बताया और तकनीक के सामान्य परिचय और सिद्धांत की जानकारी दी। उनके द्वारा सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोगों के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों द्वारा जीसी एमएस तकनीक पर संपूर्ण हैंड्स ऑन सत्र सीएआर तकनीकी टीम के डॉ. विवेक कुमार पांडे, सौरभ साह, आशीष चढ़ार, अरविंद चढ़ार, स्वतंत्र अग्रवाल, अंशुल चौधरी और प्रियंका अहिरवार की तकनीकी देखरेख में ...

विश्वविद्यालय : पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन प्रारंभ, अंतिम तिथि 23 मई

सागर(एसबीन्यूज)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में पीएच.डी. प्रोग्रामों (सत्र 2024-25) में प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल पर पात्र आवेदकों से आवेदन दिनांक 08.05.2025 से आमंत्रित किये गये हैं. प्रवेश प्रकोष्ठ के मुख्य समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि वि.वि. के विभिन्न विभागों में 37 विषयों में प्रवेश हेतु उपलब्ध हैं. उक्त सत्र 2024-25 में प्रवेश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ... जारी निर्देशानुसार बिना किसी लिखित परीक्षा के होगा. जिन ... अन्य ... आई आर. नेट 2024 (अथवा अंकों ... होंगे. यू.जी ... परीक्ष... लिर... (जे... अंत...

विश्वविद्यालय में वन्दे मातरम जय हिन्द, भारत माता की जय के नारों की गूँज

जनचिंगारी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में 'राष्ट्र प्रथम के तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में आज दिनांक 09 मई 2025 को राष्ट्र और भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा रैली आयोजित की गई. रैली की शुरुआत विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन से की गई. रैली उपरांत विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया. रैली में विश्वविद्यालय परिवार के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर वन्दे मातरम्, जय हिन्द, भारत माता की जय के नारे लगाए.

रैली उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के लोग अपने राष्ट्र के सम्मान के प्रति पहले से ही सचेत हैं. पिछले दिनों राष्ट्र को चोट पहुंचाने वाली शक्तियों को भारतीय सेना के जवानों ने अपनी ...

साहस का परिचय देते हुए उन्हें करारा जवाब दिया है. सेना के जवान देश की रक्षा के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं. आज हम उनके सम्मान और देश के सम्मान में इकठ्ठा हुए हैं. हमारी यह चेतना और जागरूकता ही राष्ट्र की शक्ति है. हमें देश की सेवा और सम्मान में सबसे आगे रहकर ...

तब तक हमारे देश पर कोई भी बुरी ताकत उंगली नहीं उठा सकती है. हम सब सदैव संगठित रहेंगे और देश के लिए हमेशा खड़े रहेंगे. हमारा डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिवार 'राष्ट्र प्रथम अभियान' के समर्थन में ...

और ... विद्यार्थि... भक्ति ... 'हम सब ... कार्यक्र... विद्यार्थियों ने ... पे सदके-कोई ... से बढ़के' गीत ... प्रस्तुति दी. वि... एनसीसी कैडेट्स ने 'हम सब भारतीय हैं' ... कार्यक्रम का समापन ... हुआ. इस अवसर पर विश्व... के छात्र कल्याण अधिष्ठाता ... के. नेमा, कुलानुशासक प्रो. ... बेन, कुलसचिव डॉ. एस. ... उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी ... राजेन्द्र यादव, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी, प्रो. अनिल जैन, प्रो. आर के गंगेले, डॉ. बी. के. साठे, प्रो. अस्मिता गजभिये, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. बी के श्रीवास्तव, ...

• राहतगढ़ • खुरई • पथरिया • सिलव...

www.dainikjagranmpcg.com

... भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा रैली आयोजित की गई। ... कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय में वन्दे मातरम जय हिन्द, भारत माता की जय के नारों की गूँज

राष्ट्र प्रथम-राष्ट्र के समर्थन में एक अभियान' के तहत विश्वविद्यालय में निकाली गई तिरंगा रैली

सागर संवाददाता। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में राष्ट्र प्रथम, ... के तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में आज दिनांक 09 मई 2025 को राष्ट्र और भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा रैली आयोजित की गई. रैली की शुरुआत विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन से की गई. रैली उपरांत विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया. रैली में विश्वविद्यालय परिवार के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर वन्दे मातरम्, जय हिन्द, भारत माता की जय के नारे लगाए.

रैली उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के लोग अपने राष्ट्र के सम्मान के प्रति पहले से ही सचेत हैं. पिछले दिनों राष्ट्र को चोट पहुंचाने वाली शक्तियों को भारतीय सेना के जवानों ने अपनी अद्भुत क्षमता और साहस का परिचय देते हुए उन्हें करारा जवाब दिया है. सेना के जवान देश

की रक्षा के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं. आज हम उनके सम्मान और देश के सम्मान में इकठ्ठा हुए हैं. हमारी यह चेतना और जागरूकता ही राष्ट्र की शक्ति है. हमें देश की सेवा और सम्मान में सबसे आगे रहकर कार्य करना है. जब तक हम जैसे सचेत और राष्ट्र प्रेमी नागरिक अपने देश के साथ खड़े हैं तब तक हमारे देश पर कोई भी बुरी ताकत उंगली नहीं उठा सकती है. हम सब सदैव संगठित रहेंगे और देश के लिए हमेशा खड़े रहेंगे. हमारा डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिवार 'राष्ट्र प्रथम अभियान' के समर्थन में खड़ा है. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र की रक्षा के लिए जो बीड़ा उठाया है हम उनके साथ हैं और भारत सरकार के हर कदम और अभियान के साथ हैं।

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किये देश-भक्ति गीत, एनसीसी कैडेट्स ने 'हम सब भारतीय हैं' की प्रस्तुति दी

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 'ओ देश मेरे, तेरी शान पे सदके-कोई धन है क्या, तेरी धूल से बढ़के' गीत की संगीतमयी प्रस्तुति दी. विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी गीत 'हम सब भारतीय हैं' की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी. के. नेमा, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी, प्रो. अनिल जैन, प्रो. आर के गंगेले, डॉ. बी. के. साठे, प्रो. अस्मिता गजभिये, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. बी. के श्रीवास्तव, वित्ताधिकारी डॉ. एस. पी. गादेवार, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ. रजनीश, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. सुमन पटेल सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डॉ. हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता 14 से

सागर@पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के विधि विभाग में 14 व 15 मई को मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने ...

... हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच विधिक तार्किकता, भाषण-कौशल एवं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रतियोगिता ...

उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति कार्यशाला कल

सागर@पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि सागर के अभिमंच सभागार में 13 मई को 10 बजे से सामाजिक समरसता गतिविधि श्रृंखला के के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्र-छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने वाली योजनाओं पर केंद्रित है। ...

केंद्रीय विवि : सीयूईटी परीक्षा आज से, 2 केंद्र पर 800 विद्यार्थी होंगे शामिल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सहित देश के अन्य विश्वविद्यालयों में स्नातक में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट मंगलवार से ... 16 मई तक चलने वाली परीक्ष... दिए गए हैं ... एडिना ... कॉलेज ... शिफ्ट में ... दोपहर ... परीक्षा ... स्लिप ... विषयों ...

देशभर में कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट यानी सीबीटी मोड में परीक्षा हो रही है। विद्यार्थियों ने जो विषय चुने हैं, उसके अनुसार ही उनकी शिफ्ट तय की गई है। एनटीए की सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. मंजू कोहली ने बताया कि सागर में दो शिफ्ट में रोजाना 800 ... परीक्षा में शामिल होंगे। ...

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 सागर का परीक्षा परिणाम रहा 100 प्रतिशत

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 सागर के दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम पूर्व की भांति इस वर्ष भी 100 प्रतिशत रहा है। बेस्ट ऑफ फाइव के अनुसार इप्सिता अपराजिता पंडा ने 91.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अमन चोरडिया ने 91 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान एवं गौरी भारके ने 90.6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय ... कोर विष... सूर्यवंशी ...

द्वितीय एवं अमन चोरडिया ने तृतीय स्थान एवं प्राप्त किया। विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष एवं कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को बधाई देते हुये विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु आशीर्वाद प्रदान किया है। विद्यालय के नामित अध्यक्ष प्रो. नवीन कानगो ने भी इस सफलता ...

विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त मंच है मूट कोर्ट प्रतियोगिता : प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉ हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट स्पर्धा का पोस्टर विमोचित

● सागर / आरएनएन

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विधि विभाग द्वारा 14 एवं 15 मई को आयोजित होने जा रही डॉ हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 के पोस्टर का विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलीमा गुप्ता द्वारा विमोचन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर नीलीमा गुप्ता ने कहा कि ... विद्यार्थियों के ...

उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच विधिक तार्किकता, भाषण कौशल एवं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति समझ को ...

के आयोजन के संबंध में जानकारी दी और कहा कि इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कौसल विकसित होती है। विद्यार्थियों को संस्था से ही न्यायालयी प्रकिया का ज्ञान भी होता ... मूट ... त्रेक ... षेक ... कोर्ट ... स्थित ...

विद्यार्थी दुनिया के अलग-अलग देशों से नयी तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

छात्र-छात्राओं के लिए विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ

सागर दिनकर

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अभिमंच सभागार में सामजिक समरसता गतिविधि श्रृंखला के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश शासन की योजना के तहत, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्र-छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन हेतु ...वृत्ति एवं वित्तीय सहायता ...न, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना ...वं अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं की ...नकारी दी गई।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विदेश जाना हर भारतीय का सपना होता है। विश्वविद्यालय के छात्रों की यही भावना होती है। इसी भावना को ध्यान में रखकर इस कार्यशाला को आयोजित किया ... नहीं है कि हम पढ़कर वहीं बस जाएँ या वहां की नागरिकता लेकर वहीं कार्य करें। विदेशों से पढ़ने का मेरा आशय यह है कि विद्यार्थी दुनिया के अलग-अलग देशों से नयी तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें और भारत आकर देश की सेवा करें। विकसित भारत की दिशा में यह उनका महत्त्वपूर्ण योगदान होगा। देश सेवा सर्वोपरि है। विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर, गांधी जी, डॉ. अम्बेडकर भी विदेश पढ़ने गये लेकिन उन्होंने वहां से ज्ञान प्राप्त कर भारत वापस आकर देश की आजीवन सेवा की। विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों के प्रवेश का भी रास्ता खुल रहा है. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के 125 से अधिक कोलैबोरेशन हैं। कुल मिलाकर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। हमारा विश्वविद्यालय भी उसी दिशा में कार्य कर रहा है। शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो लेकिन ...

मुख्य वक्ता माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एन्ड साइंस, ग्वालियर के डॉ. चंद्र शेखर मालवी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत उन प्रश्नों से की जो विदेश पढ़ने जाने को इच्छुक एक सामन्य विद्यार्थी के मस्तिष्क में आते हैं। जैसे कौन से देश जाएँ, किस विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ें, पाठ्यक्रम कौन सा चुनें, कौन सी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करें, क्या क्या दस्तावेज और प्रक्रियाएं हैं इत्यादि। उन्होंने टॉप दस देशों की चर्चा करते हुए हर तरह की पढ़ाई उपलब्ध कराने वाले देशों की चर्चा की जिनमें भारत के विद्यार्थी पढ़ने के लिए जा सकते हैं. उन्होंने यूके, अमेरिका, फ्रांस, चीन, नार्वे, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर जैसे कई देशों की चर्चा की. उनकी रैंकिंग और उनमें होने वाले खर्चों के बारे में भी बताया। उन्होंने उन दस्तावेजों की भी चर्चा की जो विदेशों में पढ़ाई के लिए ... परीक्षाओं के बारे में भी बताया।

नेशनल ओवरसीज स्कालरशिप के साथ-साथ उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति, उनकी वधि, पाठ्यक्रम, उनकी राशि, दस्तावेज, अन्य प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. डॉ. मालवी ने अन्य छात्रवृत्ति जैसे फुल ब्राईट, फेलोशिप, जे एन टाटा फेलोशिप, अगाथा हैरिसन स्कालरशिप, डाड, ... और तरीकों के बारे में भी बताया।

कार्यशाला में सामाजिक समरसता गतिविधि के मार्गदर्शक सुनील जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा किभारत के युवा आगे आयें। सामजिक समरसता भारत की पहचान है। भारत के युवा विकसित भारत के निर्माण में योगदान करें। ज्ञान अर्जन और ...ट्र हित में करें ...त का निर्माण

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार, 14 मई, 2025 | 5

'विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी नई तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें'

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में सामजिक समरसता गतिविधि श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की योजना के तहत अजा वर्ग के छात्र, छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता प्रदान, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना एवं अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विदेश जाना हर भारतीय का सपना होता है। विश्वविद्यालय के छात्रों की यही भावना होती है। भारत से बाहर पढ़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विदेश जाने का यह आशय नहीं है कि हम पढ़कर वहीं बस जाएं या वहां की नागरिकता लेकर वहीं कार्य करें। विदेशों से पढ़ने का मेरा आशय यह है कि विद्यार्थी 'दुनिया के अलग-अलग देशों से नयी तकनीक, ज्ञान और कौशल सीखें और भारत आकर देश की सेवा करें। विकसित भारत की दिशा में यह उनका महत्त्वपूर्ण योगदान होगा।

सागर। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत किया गया। ● नवदुनिया

मुख्य वक्ता माधव इंस्टिट्यूट आफ़ टेक्नोलाजी एंड साइंस ग्वालियर के डा. चंद्र शेखर मालवी ने टाप दस देशों की चर्चा करते हुए हर तरह की पढाई उपलब्ध कराने वाले देशों की चर्चा की जिनमें भारत के विद्यार्थी पढ़ने के लिए जा सकते हैं। उन्होंने यूके, अमेरिका, फ्रांस, चीन, नार्वे, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर जैसे कई देशों की चर्चा की। उनकी रैंकिंग और उनमें होने वाले खर्चों के बारे में भी बताया। उन्होंने उन दस्तावेजों की भी चर्चा की जो विदेशों में पढ़ाई के लिए आवश्यक होते हैं।

डा. मालवी ने अन्य छात्रवृत्ति जैसे फुल ब्राइट, फेलोशिप, जेएन टाटा फेलोशिप, अगाथा हैरिसन स्कालरशिप, डाड, ग्रिफिथ आदि छात्रवृत्तियों के बारे में चर्चा करते हुए वहां पढ़ाई के साथ-साथ काम करने के अवसरों और तरीकों के बारे में भी बताया। कार्यशाला में मार्गदर्शक सुनील जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. डीके नेमा, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. कालीनाथ झा, डा. वेंकटमुनि रेड्डी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के योग शिक्षा विभाग के शिक्षक शहर में कराएंगे योग

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः शिक्षा मंत्रालय व आयुष मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के पालन में डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के योग शिक्षा विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों को लेकर शहर के विभिन्न स्थानों पर दस से पंद्रह दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बृहद स्तर पर मनाने की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इस तारतम्य में जिला अस्पताल तिली, केंद्रीय विद्यालय 1, 2 व 4, बंसत बिहार कालोनी, आर्मी पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय जेल में पुरुष एवं महिला बंदियों के लिए दो शिविर, सवेरा शिक्षा संस्थान पथरिया जाट, संस्कृत पाठशाला धर्मश्री, संजीवनी अनाथालय व चन्द्रापार्क सिविल लाइंस में जागर्स पार्क में योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

पहले चरण में दस से 15 के शिविर लगेंगे:ज्ञातव्य है कि भारत की पहल पर पूरे विश्व में 21 जून को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से 21 जून से 100 दिवस पूर्व विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला शुरू कर दी जाती हैं। प्रथम चरण में सागर के विभिन्न स्थानों में दस से पंद्रह दिन के प्रशिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। ये शिविर विभागीय शिक्षकों डा. अरूण साव, डा. नितिन, डा. ब्रजेश ठाकुर के निर्देशन में विभागीय विद्यार्थियों के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें योग की आधार भूत जानकारी सहित आसन, प्राणायाम, शुद्धि क्रिया, ध्यान, प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, सहित सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय : प्रबंधन विभाग में रिसर्च मेथडोलॉजी पर संगोष्ठी आयोजित

एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के छात्रों की दोहरी सफलता

नेट-जेआरएफ 2025 और आईआईजी-जेएएम 2025 में शानदार प्रदर्शन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यावहारिक भूविज्ञान एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के लिये यह अत्यंत गर्व का विषय है कि विभाग के एमटेक के 11 छात्रों ने नेट-जेआरएफ 2025 एवं बीएससी के 10 छात्रों ने आईआईजी-जेएएम 2025 परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह परीक्षायें भारत के प्रतिष्ठित विज्ञान संस्थानों में पीएचडी, एमएससी, एमएस जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश तथा लेक्चरशिप के लिए आयोजित की जाती है।

छतरपुर, शुक्रवार 16 मई 2025

विश्वविद्यालय - शारीरिक शिक्षा विभाग में प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

परिहार गर्जना न्यूज। सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं एरोबिक्स का प्रशिक्षण शिविर 15 मई से प्रारम्भ हुआ है. शिविर में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलों में खिलाड़ी की आयु 14 से 25 वर्ष एवं एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र/छात्राओं भाग ले रहे हैं. शिविर शुभारंभ के अवसर पर सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग के ...

विश्वविद्यालय • वरिष्ठ नागरिक जन प्रकोष्ठ स्वर्णिम धरोहर का शुभारंभ

पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कारों का हस्तांतरण एक सभ्य समाज बनाए रखने में मददगार होता है : कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में वरिष्ठ नागरिक जन के लिए उनकी आपसी सहायतार्थ एवं सेवार्थ एक प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ को 'स्वर्णिम धरोहर' का नाम दिया गया है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस 'स्वर्णिम धरोहर' प्रकोष्ठ का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज जो वरिष्ठ नागरिक हैं वो कभी इस देश-प्रदेश के विकास की धुरी भी रहे हैं। इनके पास कार्य करने का लंबा अनुभव है, ज्ञान है और जज्बा है। वर्तमान में युवा पीढ़ी को इनसे सीखना चाहिए और इनके अनुभव का लाभ भी लेना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर इस बात को दोहराया कि वृद्धजन सुसंस्कारिक समाज की नींव हैं, और पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कारों का हस्तांतरण एक सभ्य और ...

सागर। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, योगाचार्य विष्णु आर्य ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्वर्णिम धरोहर प्रकोष्ठ का शुभारंभ किया।

शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस उद्घाटन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि जब इस विषय पर मंथन किया गया कि विश्वविद्यालय स्थानीय समाज के विकास और खुशहाली के लिए और सहेजकर इनके अनुभव को समाज के साथ जोड़कर एक अच्छे समाज के लिए काम किया जाना चाहिए। साथ ही इन वरिष्ठ नागरिकों के लिए विश्वविद्यालय में एक ऐसा प्रकोष्ठ स्थापित किया जाना चाहिए जो इनके लिए सतत कार्य करे और ...

'स्वर्णिम धरोहर' प्रकोष्ठ के समन्वयक एवं भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद ...

वृद्धजन सुसंस्कारिक समाज की नींव हैं: प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्वर्णिम धरोहर प्रकोष्ठ का शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में वरिष्ठ नागरिकों की सहायता एवं सेवाभाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वर्णिम धरोहर नामक प्रकोष्ठ का शुभारंभ किया गया। इस प्रकोष्ठ का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वृद्धजन समाज की वह नींव हैं, जिन पर सुसंस्कारिक और सभ्य समाज की संरचना टिकी होती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों और मूल्यों का हस्तांतरण नई पीढ़ी को होना चाहिये, जिससे एक श्रेष्ठ समाज की स्थापना हो सके। प्रो. गुप्ता ने बताया कि विवि जब यह विचार कर रहा था कि स्थानीय समाज के विकास में उसकी भूमिका क्या हो सकती है, तो सर्वप्रथम यही ध्यान में आया कि समाज ... को संरक्षित कर इनके अनुभवों का ... भावना से इस ... के प्रति विशेष चिंता जताते हुये कहा कि उन्हें भी चिंतामुक्त और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है, जिससे वे परिवार व समाज में सक्रिय भूमिका निभा सकें। साथ ही उन्होंने स्वर्णिम धरोहर प्रकोष्ठ के लिये भारत सरकार के मंत्रालय ...

विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज ने बताया कि वर्षभर कार्यक्रमों का एक कैलेण्डर तैयार किया जा रहा है, जिसमें कुछ वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग मंडल के रूप में जोड़ा गया है। यह मंडल प्रकोष्ठ की गतिविधियों में सहयोग करेगा और इसका कार्यकाल एक वर्ष का होगा। विवि ने इस प्रकोष्ठ के लिए एक विशेष स्थान भी निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू की है, जिससे वरिष्ठजन अपनी योग्यता के अनुरूप स्वैच्छिक सेवा दे सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, शिक्षक, विवि के कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कई वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुये इस प्रकार के आयोजन को अभूतपूर्व बताया और अपनी सेवायें जनहित में देने की इच्छा जताई। उद्घाटन अवसर पर योगगुरु श्री विष्णु आर्य द्वारा योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किया गया। इसके पश्चात संगीत विभाग द्वारा ...

विवि के छात्रों की NET-JRF और JAM में सफलता

• डॉ. गौर विवि: एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के छात्रों की दोहरी सफलता

अतुल्य भास्कर, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के व्यावहारिक भूविज्ञान (एप्लाइड जियोलॉजी) विभाग के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि विभाग के एम.टेक. के 11 छात्रों ने NET-JRF 2025 एवं बी.एससी. के 10 छात्रों ने IIT-JAM-2025 परीक्षा में सफलता ... परीक्षाएं भारत ... संस्थानों में ... एम.एस., जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश तथा लेक्चरशिप के लिए आयोजित की जाती है.

इन छात्रों में प्रिया पटेल (JRF AIR-17), शुभ्रा वर्मा (JRF AIR-94), अंशकिता (NET AIR-52). सेजल मिश्रा, प्रियंगषु देब, निहाल सिंह, अनुरूपा मिश्रा, अभिषेक कुमार, मोहित शिवाने ने पीएचडी में प्रवेश हेतु परीक्षा उत्तीर्ण की। JAM-2025 परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में माही अग्रवाल (AIR-18), विधात्री राजे परमार (AIR-19), रिया मिश्रा (AIR-254), प्रतीक्षा साहू (AIR-261), मयंक मिश्रा (AIR-312), नीरज ब्योहार (AIR-387), लिपिका यादव (AIR-410), काजल बानो (AIR-604), दीपेश सेन (AIR-631), वर्षा यादव साक्षी (AIR-676) ने विश्वविद्यालय ... को बधाई दी और उन... भविष्य की कामना की। ... ने प्रसन्नता व्यक्त करते ... कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, समर्पित शिक्षकों ... मार्गदर्शन और विभाग के शैक्ष... परिवेश का प्रतिफल है। इन ... की यह उपलब्धियाँ निश्चित अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य तय करने और प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगी।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने वाली है तथा यह विभाग की शैक्षणिक पहचान को और सशक्त ...

सागर दिनकर www.sagardinkar.com सागर | शनिवार | 17.05.2025

स्कूल स्तर पर भी पढ़ाई जायेगी डॉ. गौर की जीवनी, विश्वविद्यालय भेजेगा मध्यप्रदेश शासन को प्रस्ताव

नई पहल

विश्वविद्यालय भेजेगा मध्यप्रदेश शासन को प्रस्ताव, गतिविधियां की साझा

स्कूल स्तर पर भी पढ़ाई जाएगी डा. गौर की जीवनी

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने डा. गौर के योगदानों, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक नई पहल की है। जल्द ही स्कूल स्तर पर डा. गौर की जीवनी पढ़ाई जाएगी, जिसके लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने मप्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है।

बैठक में कुलपति को डा. गौर का चित्र भेंट किया गया। • नवदुनिया

विवि: स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

जनचिंगारी

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में, उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) में स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 32 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. डॉ. विवेक कुमार पांडे (प्रभारी, सीएआर) ने उन्नत अनुसंधान केंद्र के संक्षिप्त परिचय के साथ सत्र की शुरुआत की और ऐसे कार्यक्रमों के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी और प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर विभिन्न उपकरणों पर विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है.

व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. अर्जुन अदित (प्रभारी शिक्षक, एसईएम) ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में एसईएम तकनीक के इतिहास, सामान्य परिचय, सिद्धांत, सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोगों के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जानकारी दी. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के कई अनुप्रयोग हैं, जिनमें सामग्री विज्ञान, इंजीनियरिंग, जैव विज्ञान और दवा उद्योग आदि शामिल हैं. एसईएम तकनीक का उपयोग सतह की संरचना और संरचना को देखने, घटकों के रसायनिक संगठन का विश्लेषण करने और सतह की विशेषताओं को मापने के लिए किया जाता है.

डॉ. हरिसिंह गौर विवि में मूट कोर्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

छात्र-छात्राओं ने निभाई वकीलों की भूमिका, मामलों में किया तर्क-वितर्क

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग ने दो दिवसीय डॉ. हरिसिंह गौर स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में वास्तविक अदालत की कार्यवाही का अनुकरण किया गया, जिसमें छात्र वकीलों की भूमिका में नजर आए और काल्पनिक मामले पर तर्क-वितर्क भी हुआ। प्रतियोगिता में दीक्षा चित्रा सिंह ठकुरेले और शगुन वर्मा की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 5000 की नकद राशि एवं प्रमाणपत्र ... उपविजे... नारायण ... परमार ... प्रमाणप... प्रति... में विश... नीलिम... की प्र...

प्रतिस्पर्धा विकसित करती हैं। उन्होंने ... माहौल और सुविधाओं में अब काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। अब ... पुण्ताम्बेकर, प्रो. मानवेन्द्र ... पाहवा, मुख्य कुलानुशासक चंदाबेन, कुलसचिव डॉ. ...

शिविर • तीन खेलों में 14 से 25 वर्ष एवं एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं ले रहे भाग

60 खिलाड़ी वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट व एरोबिक्स की बारीकियां सीख रहें, 10 जून तक हो सकते शामिल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग में ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का 15 मई को शुभारंभ हुआ। शिविर शारीरिक शिक्षा विभाग अब्दुल गनी ख़ान स्टेडियम डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को चार खेल विधाओं क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं एरोबिक्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खेलों के मूलभूत कौशलों और कुछ विशिष्ट कौशल का समावेश इस प्रशिक्षण शिविर में किया गया है। क्रिकेट खेल के शिविर में प्रतिभागियों को बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग आदि से संबंधित कौशलों की बारीकियां सहायक निदेशक डॉ. सुमन पटेल एवं कोच विनय शुक्ला द्वारा सिखाई जा रही हैं। प्रशिक्षण शिविर में 10 जून तक खिलाड़ियों ... प्रशिक्षण दिया ज...

फुटबॉल, वॉलीबॉल के लिए पंजीयन जारी हैं

डॉ. विवेक जायसवाल ने बताया कि फुटबॉल प्रशिक्षण के अंतर्गत ड्रिबलिंग, टेकिलिंग एवं पासिंग समेत विभिन्न प्रकार की अन्य तकनीकियों का शिविर में डॉ. मनोज जैन द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी प्रकार वॉलीबॉल खेल के प्रशिक्षण के अंतर्गत सर्विस के विभिन्न प्रकार, रक्षात्मक कौशल, आक्रामक कौशलों आदि का मूलभूत प्रशिक्षण कोच अनवर ख़ान द्वारा दिया जा रहा है। उपरोक्त तीनों खेलों के प्रशिक्षण शिविर में भाग ...

एरोबिक्स में म्यूजिक पर व्यायामों का प्रशिक्षण

डॉ. विवेक साठे ने बताया कि शिविर में एरोबिक्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें 10 वर्ष की आयु से अधिक उम्र वाले कोई भी व्यक्ति अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके अंतर्गत म्यूजिक पर विभिन्न व्यायामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें प्रतिभागियों की कार्डिओ वस्कुलर क्षमता, न्यूरोमस्कुलर कोआर्डिनेशन, मांसपेशी संतुलन तथा शारीरिक दक्षता के ...

स्वस्थ जीवन शैली के भी दिए जा रहे टिप्स

डॉ. सुमन पटेल ने बताया कि एरोबिक्स तथा क्रिकेट का प्रशिक्षण प्रातः कालीन सत्र में सुबह 7 बजे से एवं वॉलीबॉल और फुटबॉल का प्रशिक्षण सायंकालीन सत्र में शाम 4 बजे से दिया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को न केवल कौशल सिखाए जाएंगे, बल्कि अच्छा स्वास्थ्य और फिटनेस किस तरह बनाए रखें, किस प्रकार का आहार ...

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला विजनरी इंडियंस अवार्ड

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एक और अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में आयोजित समारोह में उन्हें ह्यविजनरी इंडियंस अवार्डह्ल से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें प्रख्यात बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों द्वारा प्रदान किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ...

इकाई और गोल्डन स्पैरो संस्था के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। गौरतलब है कि कुलपति प्रो. गुप्ता का नाम देश की अग्रणी महिलाओं में शुमार है जो 4 सरकारी विश्वविद्यालयों की कुलपति रह चुकी हैं. उनका नाम शिक्षा क्षेत्र में भारत की शीर्ष प्रभावशाली महिलाओं में शामिल हैं। उन्हें कर्नल कमांडेंट की मानद रैंक से भी ...

ई.के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न, डॉ. साह आबिदी विशिष्ट कृषि वैज्ञानिक पुरस्कार सहित 80 से अधिक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें ... अकादमिक शोध एवं सा... हेतु 5 महाद्वीपों के ... अधिक देशों का ... है। इन उपलब्धि... उन्हें यह विशि... किया गया ... परिवार ...

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला 'विजनरी इंडियंस अवार्ड

... दिनकर

... हरीसिंह गौर ... कुलपति प्रो. ... अवार्ड से ... दिल्ली ...

कुलपति रह चुकी हैं, उनका नाम शिक्षा क्षेत्र में भारत की शीर्ष प्रभावशाली महिलाओं में शामिल हैं। उन्हें 'कर्नल कमांडेंट' की मानद रैंक से भी सम्मानित किया गया है।

उन्हें ई.के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न, डॉ. साह आबिदी विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार सहित 80 से ... पुरस्कारों से नवाजा जा चुका ...

... अकादमिक शोध एवं ... महाद्वीपों के 18 से ... किया है। इन ... उन्हें यह ... है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रेल किराए में रियायत के लिए मिलेगी पास की सुविधा

विद्यार्थियों के लिए 50 से 75 प्रतिशत तक रेल किराए में रियायत दी जाती है

विश्वविद्यालय: अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्त्री-पुरुष एक दूसरे के पूरक: डॉ. माहेश्वरी

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फर्मास्यूटिकल साइंस विभाग में विश्वविद्यालय के महिला नेतृत्व विकास समिति के तत्वावधान में 'महिलाओं की आजीविका में अच्छे स्वास्थ्य की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्त्री के रूप में विश्वविद्यालय के मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर किरण माहेश्वरी ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं आजीविका से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं चुनौतियों के प्रति उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें उनके कर्तव्यों का अहसास कराया। उनका मानना है कि महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के पुरुषों की अहम भूमिका होती है। घरेलू हिंसा एवं व्यवसायिक स्थलों पर महिलाओं के प्रति भेद-भाव आज भी एक बड़ी समस्या है। पारिवारिक एवं सामाजिक विकास के लिए स्त्री एवं पुरुष एक दूसरे के पूरक की भूमिका में होते हैं। शिक्षित स्त्री पूरे परिवार को शिक्षित करती है एवं परिवार के रीढ़ होती है। प्राकृतिक रूप से महिलाओं को अपने जीवन में व्यापक ... का निर्वहन करना होता है। अतः ... मानसिक स्वास्थ्य का ... जाता है। परिवार एवं ... समस्याओं पर खुलक... डॉक्टर माहेश्वरी ने म... के लिए मासिक धर्म... महत्वपूर्ण बताया। म... बड़ी समस्याओं को ... रक्तस्राव होने के ... समस्याओं का भी ... महिलाओं के शारी... उनके पारिवारिक ... प्रभावित करती ... स्वाभाविक संबंधों ... ही साथ डॉक्टर म... विभिन्न शारीरिक ...

भी उजागर किया जैसे- हाइपरटेंशन, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर इत्यादि। इस प्रकार की समस्याओं से बचने के लिए वैक्सीनेशन के प्रति लोगों को जागरूक किया तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी जांच कराने की भी अपील की। संतुलित भोजन, अच्छी नींद एवं बेहतर जीवन शैली को उत्तम स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मासिक धर्म संबंधी साफ सफाई एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए महिलाओं की वित्तीय ... महत्वपूर्ण स्थान दिया। ...

करते हुए उनके सन्देश को जन-जन तक पहुँचाया। स्त्री की प्रगति एवं उत्थान के लिए मैं हमेशा से संकल्पित रहीं हूँ। विज्ञान की शोधार्थी होने के साथ- साथ स्त्री शिक्षा, स्त्रियों के अधिकार पर मैंने कई बार अलग-अलग मंचों चर्चा की है और कई रचनाएँ एवं शोध पत्र भी लिखें हैं। मेरा यह मानना है की स्त्रियाँ स्वयं को अबला ना समझकर सबला समझें और अपनी शक्ति को पहचानें उनमें हर कार्य करने की क्षमता है। आज स्त्रियाँ हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहीं हैं। हर महिलाओं को ऐसी ... से प्रेरणा लेकर अपने पारिवारिक एवं ... करते हुए ...

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विवि में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा

बहुभाषिक संस्कृति के विकास के लिए विवि प्रतिबद्ध है, लगातार होंगे प्रयास : प्रो. नीलिमा

सागर @पत्रिका. केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी के लिए शिक्षा मंत्रालय केंद्र सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय राजभाषा उप निदेशक अजय कुमार ... विमल व वरिष्ठ अनुवाद ...

के संविधान की अष्टम अनुसूची में दर्ज सभी भारतीय भाषाओं ... विकास करना विश्व... प्राथमिकता ...

विधि विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विधि विभाग के द्वारा डायनामिक्स ऑफ सोशियो लीगल रिसर्च: पीर लर्निंग एंड रिसर्च स्किल एन्हेंसमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. अजीत जायसवाल निदेशक संकाय मामले, अध्यक्षता प्रो. वायएस ठाकुर तथा विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्धाज ने की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से आये शिक्षक, शोधार्थी एवं बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रो. भारद्धाज ने कहा कि विधिक शिक्षा एक व्यवसायिक शिक्षा है तथा यह पूर्ण रूप से समाज से जुड़ा हुआ है। विधि के विद्यार्थियों को विधि के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को नहीं भूलना चाहिये तथा विधि के छात्रों को समाज की समस्याओं पर शोध केन्द्रित करना चाहिये तथा उसके निदान पर कार्य करना चाहिये। प्रो. जायसवाल निदेशक संकाय मामले ने कहा कि शोध पर कार्यशालाओं का आयोजन होते रहना चाहिये ऐसी कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में नये उत्साह जन्म लेते है। तथा छात्र शोध के क्षेत्र में आगे बढते है। प्रो. ठाकुर ने शोध की महत्ता बताते हुये कहा कि सामाजिक विधिक शोध में आंकडे बहुत ही महत्वपूर्ण होते है। आंकडे जुटाना केवल औपचारिकता मात्र नहीं होनी चाहिये इसके लिये शोधार्थियों को कड़ी मेहनत करनी चाहिये आंकडे जो भी लिये जाये वे प्रमाणिक होने चाहिये। इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पंकज सिंह ने सामाजिक विधिक शोध पर प्रकाश डालते हुये विभिन्न विधिवेत्तओं के विचारों का विश्लेषण प्रस्तुत किया एवं शोध की गुणवत्ता, मौलिकता के महत्व को समझाया। मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ज्ञानेश तिवारी ने शोध पत्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं स्तरीय शोध प्रकाशन के लिये ध्यान देने योग्य बारीकियों को समझाया। वाणिज्य विभाग के आचार्य मनविंदर सिंह पाहवा ने शोध के विभिन्न आयामों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की तथा छात्रों के विभिन्न समस्याओं का समाधान किया तथा छात्रों को शोध प्रकाशित करने के लिये प्रेरित किया। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. अनुपमा पंडित सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन एवं सह समन्वयक डॉ. अतिभा विजया सिंह ने आभार व्यक्त किया। संचालन शोध छात्र ऋषि कुमार मिश्रा एवं पूर्वा जैन ने किया।

विवि के विधि विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नए-नए शोध पर होना चाहिए कार्यशाला का आयोजन: प्रो. जायसवाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर . डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि में विभाग में बुधवार को डायनामिक्स ऑफ सोशियो लीगल रिसर्च विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. अजीत जायसवाल ने कहा कि शोध पर कार्यशालाओं का आयोजन होते रहना चाहिए। ऐसी कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में नए उत्साह का जन्म होता है। विधि विभाग के अधिष्ठाता प्रो. वायएस ठाकुर ने कहा कि सामाजिक-विधिक शोध में आंकड़े बहुत ही महत्वपूर्ण होते है। आंकड़े जुटाना केवल औपचारिकता मात्र नहीं होनी चाहिए, इसके लिए शोधार्थियों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आंकड़े जो भी लिए जाएं, वे प्रमाणित होने चाहिए। आंकड़ों की प्रमाणितता के लिए छात्रों तथा शोधार्थियों के पर्यवेक्षक को सख्त होना चाहिए। विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज ने कहा कि विधिक शिक्षा एक व्यवसायिक शिक्षा है। यह पूर्ण रूप से समाज से जुड़ा हुआ है। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. अनुपमा पंडित सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। सह समन्वयक डॉ. अतिभा विजया सिंह ने आभार व्यक्त किया। संचालन शोध छात्र ऋषि कुमार मिश्रा व पूर्वा जैन ने किया।

दैनिक भास्कर, सागर, गुरुवार, 22 मई, 2025 | 2

महाभारत का असली नायक कौन? नाटक में उठे महान योद्धा कर्ण के चरित्र से जुड़े सवाल

नाट्य समीक्षा: डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में परफार्मिंग आर्ट्स के विद्यार्थियों ने किया नाटक 'महारथी' का प्रदर्शन

सूर्यकांत पाठक
वरिष्ठ पत्रकार और कला समीक्षक

सागर | महाभारत का असली नायक अर्जुन था या कर्ण? महान योद्धा, दानवीर और अपनी निष्ठा पर अडिग रहे कर्ण के व्यक्तित्व पर केंद्रित नाटक 'महारथी' का मंचन डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम में किया गया। नाट्य लेखक विभांशु वैभव की कृति ... निर्देशन ... हिस्सा थी।

महाभारत की कथा के संदर्भों को लेकर कई नाटक रचे गए जिनमें सबसे चर्चित और सबसे अधिक मंचित नाटक धर्मवीर भारती का 'अंधायुग' है। इसके अलावा भास रचित 'उरुभंग' और 'पंचरात्र' सहित 'भीष्म','द्रोण', 'पांचाली' जैसे नाटक भी महाभारत के कथानकों पर आधारित हैं। हाल ही में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के भारत रंग महोत्सव में ताइवान के कलाकारों ने नाटक 'कर्ण' का ... इसमें कलाकार

सिद्धांतों पर अटल कर्ण का व्यक्तित्व

नाटक महारथी कर्ण के व्यक्तित्व की गहराई से व्याख्या करता है। कर्ण सिर्फ एक महान योद्धा ही नहीं था, उसका संपूर्ण चरित्र एक ऐसे सिद्धांतों पर अटल व्यक्ति का है जो कभी समझौता नहीं करता। वह अपने सिद्धांतों, अपनी निष्ठा के लिए जानते-बूझते हुए भी अधर्मी कौरवों के साथ खड़ा होता है और अपना बलिदान दे देता है। नाटक महारथी में कर्ण के अपनी पहचान से जुड़े संघर्ष और महाभारत के कथानकों से जुड़े कई सवाल फिर से उठाए गए- जैसे कि इंसान की पहचान जन्म से है या कर्म से? जब पांच पांडव कुंती की वैध संतान नहीं थे, तो फिर सिर्फ (दलित सारथी पुत्र के रूप में पहचाने जाने वाले) कर्ण को ही क्यों अवैध माना गया? क्या किसी स्त्री के विवाह के बाद हुई अवैध संतान को वैध मान लिया जाएगा? अर्जुन द्वारा कर्ण का वध उस समय करना जब वह रथ का पहिया कीचड़ से निकाल रहा था, क्या धर्म था?

... की स्वीकारोक्ति : नाटक के अंत में सूर्य पुत्र ... 'मारा गया संसार का ...

थिएटर ...

डॉ. राकेश ... प्रदर्शन में का... कृष्ण के रूप ... भूमिका में दीपें... प्रिया गोस्वामी ... चौबे ने अपने ... परिचय दिया। ... हर्षित सोनी, वि... अहिरवार, आदर्श... अश्वनी साहू सहि... अच्छा प्रदर्शन किया। नाट्य प्रदर्शन में ... विश्वकर्मा और शुभ... परिकल्पना लक्ष्मीकां... वेशभूषा परिकल्पना ... गोस्वामी और अदिति से... विश्वविद्यालय में ... विद्यार्थी कलाकारों ने ... नाट्य प्रस्तुति के जरिए ... मंथन के लिए प्रेरित किय... दर्शक नीरज ... क्षकों को बेह...

विश्वविद्यालय में प्रवेश का पोर्टल खुला, आवेदन पांच जून तक

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में नए सत्र के लिए संचालित विभिन्न स्नातकोत्तर शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए विवि का समर्थ पोर्टर गुरुवार से खुल गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि पांच जून 2025 है। इच्छुक आवेदक कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट सीयूइटी पीजी द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में शामिल होकर अंक प्राप्त कर चुके हैं, केवल वह ही पंजीयन के पात्र हैं। ऐसे आवेदक दी गई लिंक द्वारा अपना ... उम्र की सीमा एवं अन्य प्रकार की पात्रताओं की जांच उपरांत ही संबंधित विषय में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। पोर्टल पर पंजीयन शुल्क 200 रुपये निर्धारित की गई है, जो बाद में वापस नहीं होगी। ... जून 2025 में प्रथम आफलाइन काउंसिलिंग विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जएगी, जिसमें भौतिक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य होगा। काउंसिलिंग की ... विवि की ... जाएगी। ... कारी के ... इट का ... प्रवेश ... 7582- ... हैं।

सम्मान

विभिन्न विभागों के 191 विद्यार्थियों को मिली सफलता

विवि में 95 ने सहायक प्राध्यापक और पीएचडी की योग्यता हासिल की, 22 को जूनियर रिसर्च फैलोशिप भी मिली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर . डॉ. हरिसिंह गौर विवि के विभिन्न विभागों के 191 विद्यार्थियों ने यूजीसी-सीएसआईआर, नेट, जेआर एफ, गेट, जीपैट और पीएचडी की पात्रता के लिए सफलता मिली है। इनमें से 155 विद्यार्थी नेट की परीक्षा में सफल हुए हैं और सभी ने पीएचडी हेतु अर्हता भी प्राप्त कर ली है। इन्हीं में से 95 छात्रों ने नेट उत्तीर्ण करते हुए सहायक प्राध्यापक की योग्यता भी हासिल की है। 22 छात्रों ने नेट के साथ-साथ जेआरए... छात्रों ने ... लिए यो... अलावा ... मनोविज्ञ... उत्तीर्ण ... जी-पैट ...

पहले प्रयास में मिली उपलब्धि

अभिमंच सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पहले प्रयास में ही बहुत से विद्यार्थियों ने यह सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में इम्तहान से नहीं ...

नेट और गेट में हुआ विद्यार्थियों का चयन

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विषय में 13, दर्शनशास्त्र में 2, राजनीति ... शास्त्र में 28 ... 1, संचार एव... संगीत में 07, ... में 03, वैदिक ... अर्थशास्त्र ... में 1, समाज... 11 छात्र-छ... में सफलता प... माइक्रोबायोलॉ... नोविज्ञान के 7 ... क्षा उत्तीर्ण की है।

191 छात्रों ने यूजीसी, सीएसआईआर, नेट, जेआरएफ गेट, जीपैट और पीएचडी हेतु पात्रता में पाई सफलता

जागरण सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विभिन्न विभागों के 191 विद्यार्थियों ने यूजीसी.सीएसआईआर नेट जेआर एफ गेट जीपैट और पीएचडी हेतु पात्रता में सफलता पाई है इनमें से 155 विद्यार्थी नेट की परीक्षा में सफल हुए हैं और ... अर्हता भी प्राप्त कर ली है इन्हीं में से 95 छात्रों ने नेट उत्तीर्ण ... 22 छात्रों ने नेट के ... श के लिए ... विज्ञान के ... सफल हुए

विवि में ड्रोन टेक्नोलॉजी का कोर्स शुरू होगा

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में जल्द ही ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफेक्चरिंग का कोर्स शुरू होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय और गुजरात की कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू हुआ। यह समझौता ... के अभिमंच सभागार ... अतिथि ... समझौते से पहले प्रो. एसपी सिंह ने कम्युनिटी कॉलेज के समन्वयकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि उनका विश्वविद्यालय पूरी तरह स्किल आधारित पाठ्यक्रम संचालित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह कदम है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के हाथ ... कौशल होना जरूरी है। इससे ... विका के लिए संसाधनों पर ... ता कम होगी। युवा अब नए ... ल सीख रहे हैं। आने वाला ... य स्किल का है। जिसके पास ... शल होगा, वही आगे बढ़ेगा। उन्होंने कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी में चल रहे फर्नीचर मैन्युफेक्चरिंग एंड डिजाइन, ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफेक्चरिंग, प्लंबिंग जैसे कोर्सों की जानकारी दी। साथ ही गौर विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालय मिलकर साझा अकादमिक कार्यक्रम चलाएंगे। आगे संवाद के जरिये और भी कोर्स शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य युवाओं में कौशल, क्षमता और दक्षता का विकास करना है। इस समझौते से बुंदेलखंड और आसपास के युवाओं को स्किल सीखने और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन

शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने राजभाषा नियमों की दी जानकारी

सागर, देशबन्धु।। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के रंगनाथन भवन में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी क्रियान्वयन और कर्मचारियों को राजभाषा नियमों एवं प्रावधानों से अद्यतन कराने के लिये एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक राजभाषा अजय कुमार झा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी पूनम विमल एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी सोनाली ने विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री झा ने राजभाषा नियमों, प्रावधानों एवं उनकी पृष्ठभूमि में निहित नीति निर्माताओं की मंशा को विस्तार से समझाया। उन्होंने राजभाषा प्रगति की त्रैमासिक समीक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुये बताया कि विभिन्न कार्यालयों द्वारा की गई पत्राचार गतिविधियां, कार्यशालायें एवं बैठकें इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार होती हैं। कार्यशाला का समन्वयन कर ... अधि...

मात्रा में वृद्धि के लिये लिपिक संवर्गीय कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अधिकांश पत्रों के प्रारूप इन्हीं कर्मचारियों द्वारा तैयार किये जाते हैं। ... सभी कर्मचारी अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्व... करें तो वार्षिक राजभाषा लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित ... जा सकती है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभि... विभागों, केन्द्रों, शाखाओं एवं प्रकोष्ठों से जुड़े अस्सी ... अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रमुख प्रतिभागियों में डॉ. मुकेश साहू, राजकुमार पाल, ममता त्रिपाठी, आंजनेय शुक्ला, डॉ. विवेक कुमा... पाण्डेय, उमेश चढ़ार, रोहित रघुवंशी, रजनीश जैन, दयानंदप्पा कोरी, अजब सिंह, भगत सिंह, डीके सिलार, मनोज कावड़े, शेखर हेडाउ, वीरेन्द्र ठाकुर एवं बृजेश साहू शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक ...

अग्निवीरों के उज्जवल भविष्य के लिये हुआ विशेष संवाद कार्यक्रम

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर ... और भारतीय सेना की महार रेजीमेंट के ... अग्निवीरों के उज्जवल भविष्य की संभाव... आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महार रे... जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में कौशल्य...

स्वर्ण कणों से तैयार माइक्रो स्ट्रक्चर बैक्टीरिया जनित रोगों में कारगर

सोने के सूक्ष्म कण से बैक्टीरिया को देंगे मात

शोध की प्रक्रिया को इस तरह वैज्ञानिक तरीके से दर्शाया गया है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. शरीर पर बार-बार हानिकारक बैक्टीरिया से होने वाले हमलों को रोकने वैज्ञानिकों ने एक 'स्वर्ण कवच' तैयार किया है। यह कवच विषैले बैक्टीरिया को नष्ट कर सकता है। सोने के सूक्ष्मतम कणों को लेकर डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. केबी जोशी ने बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान लखनऊ के सूक्ष्म जीव विज्ञानी डॉ. सिद्धार्थ चौपड़ा के साथ मिलकर सोने के नैनो पार्टिकल से एक नया माइक्रोस्ट्रक्चर बनाया है।

शरीर के अंदर और बाहर बैक्टीरिया का खात्मा

प्रो. जोशी ने बताया, यह माइक्रो स्ट्रक्चर शरीर में (एंडोजेनियस) और बाहर (एक्जोजिनियस) दोनों पर कार्य करता है। शरीर के भीतर यह सीधे संक्रमण वाली जगह पर पहुंचता है और बैक्टीरिया को समाप्त करता है। वहीं, बाहर इंफेक्शन से प्रभावित त्वचा पर मरहम में किया जा सकता है, जिसमें किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है।

आभूषण ही नहीं रोग से लड़ने में भी कारगर

यह शोध नैनो तकनीक और रोगाणुरोधी विज्ञान का उत्कृष्ट समन्वय है। नतीजे बताते है कि गोल्ड नैनो पार्टिकल्स, जो अब तक आभूषणों और निवेश के लिए जाने जाते थे, ...

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय

बुंदेलखंड के युवाओं को मिलेगा लाभ

शुरू होगा ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग का पाठ्यक्र...

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में शीघ्र ही ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके लिए विवि प्रबंधन ने गुजरात के कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी से एमओयू साइन किया है। अनुबंध के लिए विवि परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी के महानिदेशक प्रो. एसपी सिंह ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय पूरी तरह से केवल स्किल आधारित पाठ्यक्रम संचालित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशों के तहत हमें आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है, इस दिशा में प्रयासरत हैं कि देश के हर नागरिक के हाथ में कौशल हो, ताकि आजीविका के लिए उनकी अन्य संसाधनों पर निर्भरता को कम किया जा सके। युवा नए कौशल सीख रहा है, आने वाला समय कौशल का ही है, जिसके हाथ में कौशल होगा, वही बेहतर योगदान दे पाएगा। समय की मांग है कि हम युवाओं को ज्यादा सक्षम बनाएं। प्रो. एसपी सिंह ने फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग एंड डिजाइन, ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग, प्लंबिंग आदि स्किल आधारित पाठ्यक्रमों की चर्चा की।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इस समझौते से दोनों ही विश्वविद्यालय मिलकर कार्यक्रम चलाएंगे। दोनों संस्थानों के बीच आगे संवाद के जरिए कई अन्य पाठ्यक्रमों के संचालन की संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

बुंदेलखंड और आस-पास के अंचलों के युवाओं को कौशल सीखने में मदद मिलेगी और साथ ही उन्हें रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में एक स्किल सेंटर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ इस अंचल के युवाओं को मिलेगा।

अग्निवीरों को शिक्षा से जोड़ रहा विवि

कार्यक्रम में विवि के कम्युनिटी कॉलेज व भारतीय सेना के ... रेजिमेंट के बीच हुए एमओयू ... व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो. एस पी सिंह ने कहा कि अग्निवीर देश की रक्षा के तत्पर रहते हैं, उन्हें स्किल पाठ्यक्रमों की मदद से शिक्षा के साथ जोड़ने का कार्य डॉ. हरिसिंह गौर विवि कर रहा है। इस मौके पर प्रो. सुशील कुमार, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. वंदना राजौरिया, डॉ. शालिनी, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. अवधेश प्रताप, डॉ. किरण, डॉ. योगेश पाल, डॉ. बबीता यादव, डॉ. अभिषेक बंसल और डॉ. सोनिया कौशल मौजूद रहीं।

विवि में हुई हिंदी कार्यशाला में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व लिपिक संवर्गीय कार्मिकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में शिक्षा मंत्रालय केंद्र सरकार के उपनिदेशक अजय कुमार झा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी पूनम विमल व कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी सोनाली उपस्थित रहीं। अजय कुमार झा ने प्रतिभागियों को राजभाषा नियमों व प्रावधानों से अवगत कराया। राजभाषा प्रगति के तिमाही प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रत्येक तिमाही में राजभाषा प्रगति की समीक्षा के लिए, कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पणियों, कार्यशालाओं और बैठकों के आयोजन संबंधी सूचनाएं समेकित कर राजभाषा विभाग को प्रेषित की जाती हैं, ताकि इनके आधार पर आगामी कार्य योजना व नीतियां तैयार की जा सकें।

संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के किसी भी कार्यालय या अनुभाग में मूल पत्र व पत्र के उत्तर का मसौदा लिपिक संवर्गीय कार्मिकों द्वारा ही तैयार किया जाता है, जिस पर संबंधित अधिकारी द्वारा संशोधनों के साथ हस्ताक्षर किए जाते हैं। इस प्रकार हिंदी पत्राचार के प्रतिशत में किसी भी प्रकार की वृद्धि के लिए संबंधित कार्मिकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सभी कार्मिक अपनी भूमिका का यथोचित निर्वहन करें तो हम निःसंदेह ही राजभाषा के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकेंगे। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश साहू, राजकुमार पाल, ममता त्रिपाठी, आंजनेय शुक्ला, डॉ. विवेक कुमार पांडेय, उमेश चढ़ार, रोहित रघुवंशी, रजनीश जैन, अजब सिंह, भगत सिंह, डीके सिलार, मनोज कावड़े, बृजेश साहू आदि उपस्थित रहे।

सागर विश्वविद्यालय में शुरू होगा ड्रोन टेक्नोलॉजी-मैन्युफैक्चरिंग पाठ्यक्रम

गुजरात स्किल यूनिवर्सिटी से हुआ मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग

सागर। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शीघ्र ही ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में गुजरात के कौशल्या स्किल युनिवर्सिटी और डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी के महानिदेशक प्रो. एसपी सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की।

अकादमिक समझौता कार्यक्रम से पूर्व प्रो. एसपी सिंह ने कम्युनिटी कॉलेज के समन्वयकों के साथ संवाद में कहा कि हमारा विश्वविद्यालय पूरी तरह से ...

... रहा है। आने वाला समय कौशल का ही है। य... आज के समय की मांग है कि हम युवाओं क... ज्यादा सक्षम बनाएं। उन्होंने कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए फर्नीचर मैन्युफैक्चरिंग एंड डिजाइन, ड्रोन ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड मैन्युफैक्चरिंग, प्लंबिंग इत्यादि स्किल आधारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय में संचालित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इस ...

विश्वविद्यालय पटेल हाउस ने जीता हैंडबॉल इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट

आचरण संवाददाता

सागर। शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर वि वि सागर में अध्ययनरत बीपीईएस के छात्र/छात्राओं के पटेल हाउस एवं सुभाष हाउस के मध्य हैंडबॉल इंट्राम्यूरल टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ जिसमें पटेल हाउस ने 19 गोल किए और सुभाष हाउस की टीम 9 गोल ही कर सकी इस प्रकार पटेल हाउस ने मैच 10 गोल से जीता। ... हाउस ने दो मैच लगातार ... में 2-0 जीत ... धिक 10 गोल ... उदय शंकर गर्ग ... मांशु ने 3 गोल ... उस की ओर से ... गोल, आकांत ने ... प्लेयर ऑफ़ द ... दुबे, मैन ऑफ़ द ... बेस्ट अटैकर ...

तिवारी, बेस्ट डिफेंस खिलाड़ी स्टीव रिचड्सन, बेस्ट स्पोर्टिंग खिलाड़ी हिमांशु एवं अकांत रहे। बेस्ट गोल कीपर मुरली मनोहर रहे। मैच के निर्णायक विनय शुक्ला, महेंद्र कुमार एवं स्कोरर वैभव कुमार एवं सत्यम ... टूर्नामेंट के ... विभाग ...

शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ विवेक बी साठे ने की। इंट्रम्यूरल के डायरेक्टर महेंद्र कुमार बाथम ने टूर्नामेंट की जानकारी दी। टूर्नामेंट में सचिव पुष्पेंद्र अहीरवार ... शतायु लोधी ने माना ... लन स्तुति शर्मा ने किया। ... पर पर सहायक निदेशक ... पटेल, अनवर खान, डॉ ... डॉ रंजन मोहंती एवं ... हे।

विश्वविद्यालयः भारत की मानवशास्त्र और लोकसंस्कृति की पराकाष्ठा विषयक सांस्कृतिक आयोजन

दबंग बुंदेलखंड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानवशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 23 मई 2025 को भारत की मानवशास्त्र और लोकसंस्कृति की पराकाष्ठा विषय पर विशेष सांस्कृतिक आयोजन एवं अतिथि व्याख्यान का आयोजन अभिमंच सभागार में किया गया। कार्यक्रम की संरक्षक कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं।

विशेष अतिथि व्याख्यान डॉ. सुबल दास (सहायक प्राध्यापक, मानवशास्त्र विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर) द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक डिजिटल युग में पारंपरिक संस्कृति विलुप्त हो रही है और उसे कैसे पुनर्जीवित किया जा सकता है ...

(प्रोफेसर, मानवशास्त्र विभाग) ने भारतीय संस्कृति की विविधता और लोक परंपराओं की महत्ता पर विचार साझा करते हुए कहा, लोक ...

... का प्रतीक है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बी.एससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ... पंजाब, हरियाणा, ... राजस्थान, बिहार ... छत्तीसगढ़ ... तमिल ...

बैक्टीरिया संक्रमण का आसानी से उपचार करेगा सोना

... हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने बनाया सूर्य प्रकाश सक्रिय पेप्टाइड-गोल्ड नैनोस्ट्रक्चर

बैक्टीरिया पर अधिक प्रभावी होगा यह उपचार

विद्यार्थी 5 जून तक करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

पीजी विषयों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

समर्थ पोर्टल पर होंगे पंजीयन

विश्वविद्यालय का फाइल फोटो। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 5 जून तक चलेगी, जिसके चलते विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अपनी वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन और एडमिशन से संबंधित नियमावली जारी की है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हालही में 12 वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के बाद विद्यार्थियों द्वारा कालेज और विश्विविद्यालय में प्रवेश के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। कई विद्यार्थी विशेषज्ञों और शिक्षकों के साथ स्वजनों की सलाह भी ले रहे हैं। इस बीच डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सत्र 2025-26 के स्नातकोत्तर यानि पीजी पाठ्यकम में एडमिशन के लिए समर्थ पोर्टल 22 मई से खुल गया है। पंजीयन की आखिरी तारीख 5 जून 2025 है।

यहां जो इच्छुक आवेदक प्रवेश परीक्षा में शामिल होकर अंक हासिल कर चुके हैं, वो ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। पात्र आवेदक अपना रजिस्ट्रेशन समर्थ पोर्टल पर वेबसाइट पर कर सकते हैं।

जून माह में होगी पहली काउंसलिंग

रजिस्ट्रेशन के पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पीजी प्रवेश नियमावली 2025-26 को पढ़कर ही रजिस्ट्रेशन करें। इसके अलावा एडमिशन के लिए जरूरी योग्यता, आवेदक की उम्र सीमा और दूसरी पात्रताओं की जांच के बाद इच्छुक विषय में एडमिशन के लिए समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन शुल्क 200 रुपए है, जो नान रिफंडेबल है। विवि के मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल ने बताया कि "जून 2025 मे पहली आफ लाइन काउंसलिंग यूनिवर्सिटी परिसर मे होगी। काउंसलिंग मे आवेदक को उपस्थित होना जरूरी है। काउंसलिंग की तारीख सहित दूसरी जानकारियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। किसी भी तरह की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर समय-समय पर अवलोकन करते रहें।

दैनिक सागर दिनकर www.sagardinkar.com दमोह। मंगलवार। 27.05.2025

जैव विविधता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक हैः कुलपति

विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

सागर दिनकर

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अभिमंच सभागार में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एस.पी. सिंह, महानिदेशक कौशल्याः दी स्किल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात थे।

अतिथि अंकित राय, विज्ञान भारती, महाकोशल विज्ञान परिषद, जबलपुर, और प्रो. एस.के. जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय थे। विषय प्रवेश कार्यक्रम की आयोजक और प्राणी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. श्वेता यादव द्वारा किया गया। डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने पारिस्थितिकी तंत्र के रखरखाव में प्रकृति का एक अनिवार्य हिस्सा है। जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र को कार्यात्मक और गतिशील बनाती है। पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में, जैव विविधता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है।

जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीबीडी) ने वर्ष 2025 के अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस की थीम को 'प्रकृति और सतत विकास के साथ सद्भाव' के रूप में उद्धृत किया है। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस मनाकर जैव विविधता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया है। उन्होंने विलुप्त होने वाली प्रजातियों पर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण और जैव विविधता पर उनके ...

... विविधता के प्रभावों और महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ये पहलू सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और कुनमिंग-मॉन्ट्रियल के वैश्विक जैव विविधता ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा ... की। उन्होंने इस प्रकार के महत्वपूर्ण दिनों को मनाने की पहल की भी सराहना की और जैव विविधता और संरक्षण पर अनुसंधान और जागरूकता की अन्य गतिविधियों में सहयोग करने के लिए विभाग द्वारा ...

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्राणी विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. मालविका सिकदर, डॉ. पायल महोबिया, डॉ. दीपाली जाट, डॉ. राज कुमार कोइरी, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. स्मिता शुक्ला, डॉ. कश्मीरा एन. ए. समेत अनेक ... त रहे। ... यक प्रो. ... शाश्वत ... वाद दिया ... ालन डॉ ... र्यक्रम का ... राष्ट्रगान

विद्यार्थियों ने किया नाटक 'महारथी' का मंचन

आचरण संवाददाता

सागर। विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्वर्ण जयन्ती सभागार में नाट्यकला के विद्यार्थियों ने नाटक महारथी का मंचन किया. यह केवल एक नाट्य प्रस्तुति ही नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में रूपांतरित हो गई. नाटक के निर्देशक डॉ. नीरज उपाध्याय ने बताया कि महारथी कोई साधारण नाट्य प्रस्तुति नहीं है। यह भारतीय लोक-संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना की मंचीय अनुगूँज है. छात्रों की यह प्रस्तुति 'लोक' और 'शास्त्र' के बीच एक ऐसा सेतु रचती है जहाँ भाषा प्रतीक बन जाती है, देह अर्थ बन जाती है, और मंच एक विचार क्षेत्र। यह नाटक महाभारत के चरित्रों में समकालीन समाज की गूँज सुनाने का साहस करता है। नाटक 'महारथी' का भावनात्मक शिखर बिंदु है। यह प्रस्तुति महाभारत के सबसे उपेक्षित, लेकिन सबसे तेजस्वी पात्र कर्ण के बहाने हमारे समय की सामाजिक, नैतिक और वैचारिक गुत्थियों का रचनात्मक विश्लेषण है। यह एक ऐसा रंगनाट्य है जो मिथक को सिर्फ दोहराता नहीं, बल्कि आधुनिक चेतना के साथ पुनर्परिभाषित करता है। विभांशु वैभव द्वारा रचित यह नाटक 'कर्ण' की कथा को मानवतावादी दृष्टिकोण से देखता है, जहाँ जन्म नहीं, बल्कि कर्म और निष्ठा के आधार पर व्यक्ति की पहचान गढ़ी जाती है। विश्वजीत डेहरिया ने कर्ण की भूमिका में आंतरिक द्वंद्व, त्याग, निष्ठा और अभिशप्त गरिमा को सजीव कर दिया। उनकी संवाद अदायगी और शारीरिक भाषा में आत्मानुभूति स्पष्ट दिखाई दी। देववृष अहिरवार ने कृष्ण की भूमिका में संयम और राजनीति का द्वैत प्रस्तुत किया। दीपेंद्र सिंह लोधी (दुर्योधन), प्रिया गोस्वामी (कुंती), सिया चौबे (द्रौपदी) सहित पचास से अधिक विद्यार्थी कलाकारों ने गहरे अभ्यास और चरित्र की समझ का परिचय दिया।

सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक और नाट्य मंचन के मार्गदर्शक डॉ. राकेश सोनी ने कहा कि छात्रों की यह प्रस्तुति महज एक पाठ्यक्रमीय अभ्यास नहीं, बल्कि एक सार्थक रंग-संवाद है – समाज, व्यक्ति और मिथक के बीच। विद्यार्थियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों ने महारथी को एक विचारोत्तेजक और संवेदनशील नाट्य प्रस्तुति बना दिया है। महारथी की प्रस्तुति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रंगमंच विभाग के विद्यार्थियों के लिए केवल एक शैक्षणिक प्रोजेक्ट नहीं है, यह उनकी कला, विचारशीलता और सामाजिक सरोकारों की परिपक्व अभिव्यक्ति है. छात्रों ने यह सिद्ध कर दिया कि वे न केवल मंच के महारथी हैं, बल्कि समाज से संवाद करने वाले सच्चे कलाकार भी हैं. और भविष्य में वे देशभर में डॉ. गौर और उनके विश्वविद्यालय का नाम गौरव से ऊँचा करेंगे।

महारथी का मंचन समकालीन सामाजिक, नैतिक और वैचारिक गुत्थियों का रचनात्मक विश्लेषण है : डॉ. राकेश सोनी

विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने किया नाटक 'महारथी' का मंचन

सागर दिनकर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्वर्ण जयन्ती सभागार में नाट्यकला के विद्यार्थियों ने नाटक महारथी का मंचन किया। यह केवल एक नाट्य प्रस्तुति ही नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में रूपांतरित हो गई. नाटक के निर्देशक डॉ. नीरज उपाध्याय ने बताया कि महारथी कोई साधारण नाट्य प्रस्तुति नहीं है। यह भारतीय लोक-संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना की मंचीय अनुगूँज है. छात्रों की यह प्रस्तुति 'लोक' और 'शास्त्र' के बीच एक ऐसा सेतु रचती है जहाँ भाषा प्रतीक बन जाती है, देह अर्थ बन जाती है, और मंच एक विचार क्षेत्र। यह नाटक महाभारत के चरित्रों में समकालीन समाज की गूँज सुनाने का साहस करता है।

नाटक 'महारथी' का भावनात्मक [illegible]

रचित यह नाटक 'कर्ण' की कथा को मानवतावादी दृष्टिकोण से देखता है, जहाँ जन्म नहीं, बल्कि कर्म और निष्ठा के आधार पर व्यक्ति की पहचान गढ़ी जाती है।

विश्वजीत डेहरिया ने कर्ण की भूमिका में आंतरिक द्वंद्व, त्याग, निष्ठा और अभिशप्त गरिमा को सजीव कर दिया। उनकी संवाद अदायगी और शारीरिक भाषा में आत्मानुभूति स्पष्ट दिखाई दी। देववृष अहिरवार ने कृष्ण की भूमिका में संयम और राजनीति का द्वैत प्रस्तुत किया। दीपेंद्र सिंह लोधी (दुर्योधन), [illegible]

प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

जैव विविधता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा अभिमंच सभागार में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एस.पी. सिंह, महानिदेशक कौशल्याः दी स्किल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात थे। अतिथि अंकित राय, विज्ञान भारती, महाकोशल विज्ञान परिषद, जबलपुर, और प्रो. एस.के. जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय थे। विषय प्रवेश कार्यक्रम की आयोजक और प्राणी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. श्वेता यादव द्वारा किया गया। डीन प्रो. वर्षा शर्मा ने पारिस्थितिकी तंत्र के रखरखाव में जैव विविधता की भूमिका पर अपनी बात रखते हुए सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों से जैव विविधता के संरक्षण की शपथ लेने का भी आह्वान किया। प्रो. एम. एल. खान ने जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को विस्तार से बताया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि जैव विविधता प्रकृति का एक अनिवार्य हिस्सा है। जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र को कार्यात्मक और गतिशील बनाती है। पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में, जैव विविधता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीबीड) ने वर्ष 2025 के अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस की थीम को 'प्रकृति और सतत विकास के साथ सद्भाव' के रूप में उद्धृत किया है। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता [illegible] मनाकर जैव विविधता के [illegible] प्रतिबद्धता को पूरा [illegible] होने वाली [illegible]

प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों को पूरा कर[ने के] लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है, मनुष्[य के] लालच को नहीं'। उन्होंने जलवायु परिव[र्तन] और जैव विविधता के प्रभावों और महत्व [के] बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि [...] पहलू सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा औ[र] कुनमिंग-मॉन्ट्रियल के वैश्विक जैव विविधत[ा] ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रो. एकलव्य शर्मा ने जैव विविधता के महत्व, वर्तमान खतरों और संरक्षण पर अपना व्याख्यान [...] ए. ए. अंसारी, आधिकारिक [...] टाइग्रे वीरांगना [...] विविधता के [...]

शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने 28 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए डीएनए सीक्वेंसर पर एक दिवसीय हैंड्स ऑन प्रशिक्षण का आयोजन बायोटेक्नोलॉजी विभाग में किया गया। इसमें कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्नत अनुसंधान केंद्र की मुख्य समन्वयक प्रो. श्वेता यादव की पहल पर विभिन्न उपकरणों पर विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशाला का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआर) के डॉ. विवेक कुमार पांडे ने केंद्र [...] संक्षिप्त परिचय दिया [...] में [...]

करने पर विशेष जोर दिया। सैम्पल तैयार करने के लिए प्रतिभागियों को 3 समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने सैम्पल तैयार किया और अपने सैम्पल का विश्लेषण किया। प्रभारी शिक्षक डॉ. आरती गुप्ता ने प्रतिभागियों को एप्लाइड साइंसेज के विविध क्षेत्र में डीएनए सीक्वेंसर और उन्नत उपकरणों के उपयोग की महत्ता को बताया और तकनीक के सामान्य परिचय और सिद्धांत की जानकारी दी। उनके द्वारा सैम्पल तैयार करने और अनुप्रयोग के बारे में बहुत ही बुनियादी से लेकर उन्नत स्तर तक जान[कारी] दी गई। इस मौके पर [...]की, सौरभ साह, [...] अरविंद चढ़ार, [...] और कुलदीप [...] देखरेख में [...]

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में बायोटेक्नोलाजी विभाग में डीएनए सीक्वेंसर पर एक दिवसीय हैंड्स आन प्रशिक्षण का आयोजन

विश्लेषण

डीएनए सीक्वेंसिंग तकनीक से जैविक और चिकित्सा अनुसंधान में तेजी आई

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने और वैश्विक पटल पर डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने उन्नत अनुसंधान केंद्र में डीएनए सीक्वेंसर पर एक दिवसीय हैंड्स आन प्रशिक्षण का आयोजन बायोटेक्नोलाजी विभाग में किया गया। कार्यक्रम में कुल 28 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

डा. विवेक [...] पांडे सीएआर ने केंद्र के संक्षि[प्त परिचय] की शुरुआ[त ...]

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को सैंपल लेने का प्रशिक्षण दिया गया। • नवदुनिया

वक्ता डा. सीपी उपाध्याय एवं डा. [...] थे। डा. आरती गुप्ता ने [...] को बताया और तकनीक के सामान्य परिचय और सिद्धांत की जानकारी दी। [उन्हों]ने सैम्पल तैयार करने और [...] जानकारी दी गई। डा. गुप्ता ने बताया की डीएनए सीक्वेंसिंग का उपयोग व्यक्तिगत जीन, पूर्ण क्रोमोसोम्स या किसी भी जीव के संपूर्ण जीनोम के सीक्वेंस को निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है। डीएनए सीक्वेंसिंग अप्रत्यक्ष रूप से आरएनए या प्रोटीन सीक्वेंस करने का सबसे कुशल तरीका है। डीएनए सीक्वेंसिंग तकनीक ने जैविक और चिकित्सा अनुसंधान और खोज में बहुत तेजी लाई है। डीएनए सीक्वेंसिंग का ज्ञान बुनियादी जैविक अनुसंधान, डीएनए जीनोग्राफिक परियोजनाओं और कई क्षेत्रों जैसे मेडिकल डायग्नोसिस, जैव [...] बॉयोलाजी, वायरोलाजी आदि के लिए अपरिहार्य हो गया है। स्वस्थ और म्यूटेटेड डीएनए सीक्वेंसेस की तुलना से कैंसर सहित विभिन्न रोगों का निदान किया जा सकता है।

डीएनए उपकरण का परिचय कराया: हैंड्स आन सत्र में डा. विवेक कुमार पांडे और डा. सीपी उपाध्याय ने डीएनए सीक्वेंसर उपकरण के हार्डवेयर भाग के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू किया। डा. उपाध्याय ने विभिन्न पृष्ठभूमि से सैम्पल तैयार करने पर विशेष जोर दिया। सैम्पल तैयार करने के लिए प्रतिभागियों को 03 समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने सैम्पल तैयार किया और अपने सैम्पल का विश्लेषण किया। डा. आरती गुप्ता ने प्रतिभागियों को सैम्पल विश्लेषण से लेकर डेटा व्याख्या तक की पूरी जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों की रुचि के क्षेत्र से संबंधित प्रश्नों पर विचार किया गया एवं उनका उत्तर दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा डीएनए सीक्वेंसिंग तकनीक पर संपूर्ण हैंड्स आन सत्र सीएआर तकनीकी टीम के डा. विवेक कुमार पांडे, शिवप्रकाश सोलंकी, सौरभ साह, आशीष चढ़ार, अरविंद चढ़ार, अभिषेक पाठक और कुलदीप गौलिया की तकनीकी देखरेख में आयोजित किया गया।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

सागर, गुरुवार, 29 मई, 2025

हमें मेड इन इंडिया को अपनाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि भारत युवा देश है, युवाओं में परिवर्तन और विकास करने की क्षमता है, भारत के विकास का आधार युवा हैं। युवाओं को उद्यमिता की ओर ले जाना होगा, भारत का स्टार्टअप विश्व का तीसरा बड़ा स्टार्टअप है। हमें विदेशों [पर] निर्भरता कम [...]

इंडिया को अपनाना होगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में युवाओं में शिक्षा के सा[थ] कौशल [...] आजीविका कमाने के लिए युवाओं को सक्षम बनाना है। युवा स्वयं काम करें और अन्य को भी [...] आने वाले [...]

संकल्प है।

डॉ. देवेंद्र ने कहा कि [आने वाला] समय भारत का है। विकसि[त भारत] 2047 में हमारी अपनी भूमिका तय करनी होगी। विदेश पर निर्भ[रता] कम करते हुए आत्मनिर्भर होना होगा और इसमें युवा की एक बड़ी भूमिका रहने वाली है।

संगोष्ठी में डॉ. [...]

एनइपी सीबीसीएस की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू

सेमेस्टर परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र हल करते हुए विद्यार्थी।

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डरक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में एनइपी 2020- सीबीसीएस की परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय में यूजी छठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 मई से 6 जून तक चलेंगी। पीजी द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 जून से शुरू होंगी जो सुबह की पाली (10 बजे से 1 बजे तक) में चलेंगी। यूजी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं सुबह की पाली में और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं दूसरी पाली (दोपहर 3 से 6 बजे तक) संचालित होंगी। परीक्षा नियंत्रक डा. एसपी गादेवार ने बताया कि सभी परीक्षाएं विश्वविद्यालय के महर्षि कणाद भवन एवं आचार्य शंकर भवन में 20 जून तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी समय सारिणी के अनुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों में भी परीक्षाएं समानांतर संचालित की जा रही हैं।

'आत्मनिर्भर भारत विचार नहीं, संकल्प है'

[न]वदुनिया प्रतिनिधि, सागर : भारत युवा [दे]श है, युवाओं में परिवर्तन और [वि]कास करने की क्षमता है। भारत के [वि]कास का आधार युवा है। यह बात [डा]. अंबेडकर चेयर, डा. हरीसिंह [गौ]र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित [यु]वा भारत, आत्म निर्भर भारत [ऑ]नलाइन संगोष्ठी में कही।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में युवाओं में शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा का अर्थ शिक्षा ग्रहण करने के बाद आजीविका कमाने के लिए युवाओं को सक्षम बनाना है। युवा स्वयं काम करें और अन्य को भी रोजगार दें। विश्वविद्यालय युवाओं में स्किल केंद्र के माध्यम से ऐसा काम कर रहा है। आने वाले समय में हम समर स्किल प्रोग्राम जो स्किल बेस्ड प्रोग्राम के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास को बढ़ाने का काम करेंगे।

युवाओं को उद्यमिता की ओर ले जाना होगा: गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। भारत का स्टार्टअप विश्व का तीसरा बड़ा स्टार्टअप है। हमें विदेशों पर निर्भरता कम करनी होगी। मेड बाय इंडिया को अपनाना होगा। भारत युवा देश है, युवाओं में परिवर्तन और विकास करने की क्षमता है। युवा भारत से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत बनेगा। संचालन करते हुए डा. देवेंद्र ने कहा कि आने वाला समय भारत व भारत के युवाओं का है। विकसित भारत 2047 में हमारी अपनी भूमिका हमें तय करनी होगी। इस अवसर पर डाक्टर संजय बरोलिया, नवीन सिंह, शिव शंकर यादव, अभिषेक कुमार, जितेंद्र सेवटे, माधव चंद्र, अजब सिंह, कैलाश चढ़ार, डा. रमाकांत, मनोज विश्वकर्मा, दीनदयाल अहिरवार, विश्वास गुप्ता, निधि सिंह, अभिषेक उपाध्याय उपस्थित थे।

संगोष्ठी को संबोधित करती हुई कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता। • नवदुनिया

विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में जीव वैज्ञानिक वर्गीकरण पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

तुरंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्राणीशास्त्र विभाग में जंतु वैज्ञानिक वर्गीकरण पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सहयोग से वर्गीकरण मान्यता दिवस के अवसर पर किया गया। संयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. एन. ए. कश्मीरा ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. श्वेता यादव, विभागाध्यक्ष ने विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। प्रो वर्षा शर्मा, डीन, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस ने जीवविज्ञान में टैक्सोनॉमी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रमुख टैक्सोनॉमिस्ट और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान संकाय के डीन प्रो. वसीम अहमद थे। उन्होंने कहा कि टैक्सोनॉमी जीवविज्ञान का एक अविभाज्य हिस्सा है। संपूर्ण जीववैज्ञानिक वर्गीकरण, नामकरण बुनियादी टैक्सोनॉमी के ज्ञान पर आधारित है। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में टैक्सोनॉमिक अध्ययन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने आधुनिक टैक्सोनॉमी के दृष्टिकोण में उन्नत तकनीकों को शामिल करने और युवाओं को संरक्षित टैक्सोनॉमी की रक्षा की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन युवा मनों को संरक्षण, पारिस्थितिकी और स्थिरता की दिशा में बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा कदम है। सहयोगी संस्थान की ओर से डॉ. राहुल जोशी, भारतीय जीववैज्ञानिक सर्वेक्षण (कोलकाता) ने बताया कि एक टैक्सोनॉमिस्ट क्या काम करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से टैक्सोनॉमी को प्रणालीगत दृष्टिकोण से सैद्धांतिक और संचालनात्मक दृष्टि से अलग किया। प्रो. फयाज अहमद, कश्मीर विश्वविद्यालय ने नेमाटोड्स के वर्गीकरण पर अपने शोध कार्य को साझा किया और शोधार्थियों से वर्गीकरण अध्ययन पर अधिक ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि यह भारतीय प्रयास युवाओं के लिए भारतीय उपमहाद्वीप जैसे जीव-जंतु विविधता वाले क्षेत्र में नवीन शोध आइडिया प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। विभाग के डॉ. राजकुमार कोइरी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्राणी शास्त्र विभाग के सभी शिक्षक, शोध छात्र और विद्यार्थी शामिल हुए।

विवि हिंदी विभाग के छह छात्रों का हुआ सहायक प्राध्यापक परीक्षा में चयन

सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के हिंदी विभाग के छह छात्रों ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा में अंतिम चयन सूची में स्थान पाकर विश्वविद्यालय और विभाग का नाम रोशन किया है। सहायक प्राध्यापक पद के लिए सूर्यकांत त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, पीयूष जैन, वैशाली रजक, रितु शर्मा और पानकुंवर लोधी का चयन हुआ है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर और मार्गदर्शन प्रणाली की उत्कृष्टता को दर्शाती है। चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय ...

है। छात्रों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने बधाई दी है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों के लिए ...

परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम रूप से चयन किया जाता है। सहायक प्राध्यापक हिंदी पद के लिए लिखित परीक्षा 9 जून 2024 को आयोजित की गई थी जिसमें ...

नवदुनिया फ्रंट पेज दिनांक 29.05.2025

पहल | सिर्फ सागर विश्वविद्यालय में अग्निवीरों के लिए रोजगारोन्मुखी कोर्स पढ़ाने की व्यवस्था

केंद्रीय विवि में अग्निवीर पढ़ेंगे कौशल विकास का पाठ

शत्रुघन केशरवानी • नवदुनिया

सागर: सेना में चार वर्ष की सक्रिय सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों के बेहतर करियर के लिए डा. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर ने पहल की है। विश्वविद्यालय कई रोजगारोन्मुखी कोर्स चलाएगा। खास बात यह है कि इसके लिए सेना के महार रेजिमेंटल सेंटर में ही कक्षा का संचालन किया जाएगा। सेना व विश्वविद्यालय के बीच इस संबंध में करार हो गया है।

विवि के कम्युनिटी कालेज में अग्निवीरों के लिए पांच नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इनमें ...

सागर विश्वविद्यालय • फाइल फोटो

सर्टिफिकेट कोर्स इन क्ले माडलिंग एंड सिरेमिक आर्ट, सर्टिफिकेट कोर्स इन बेसिक कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शामिल है। इसके लिए विद्या परिषद की औपचारिक स्वीकृति मिलना शेष है। ... एंटरप्रेन्योर (उद्यमी) एंड प्रोफेशनल कम्युनिकेशन, बायोइंफारमेटिक्स, ... कल्टीवेशन एंड प्रोसेसिंग, ...

गाइडिंग, वाटर प्यूरीफिकेशन, सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सोशल आडिट, प्रोफेशनल आफिस एग्जूकिटिव, बायो पेस्टिसाइड प्रोडक्शन, पेपर एंड प्लास्टिक बेस्ट रीसाइकिलिंग, हेल्थकेयर गाइडेंस व काउंसिलिंग, फिजियोलाजी आफ हेल्थ एंड बेल बीइंग, कंपोस्टिंग टेक्नीक्स, आर्गेनिक फार्मिंग सहित कुल 19 ... हो चुके हैं। इसकी ...

सेवाकालीन अवधि में यह जवान अपनी शैक्षणिक योग्यता बढ़ाने के लिए पढ़ाई जारी रख सकेंगे और जब वह सेवानिवृत होंगे तो डिग्री व पढ़ाई के अनुसार आत्मनिर्भर बन सकेंगे। - प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय

प्रवेश पर कोई बंधन नहीं

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा. विवेक जायसवाल का कहना है कि देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय में अभी सिर्फ डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ही अग्निवीरों के लिए इस तरह की पढ़ाई करा रहा है। अभी यह सुविधा केवल महार रेजीमेंट के अग्निवीरों के लिए है। आगे सेवानिवृति के बाद प्रवेश के इच्छुक अग्निवीरों के लिए भी इसे विस्तारित किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश पर कोई बंधन नहीं है। डिप्लोमा में चार हजार रुपये और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के लिए दो हजार रुपये का शुल्क तय हुआ है।

रेजिमेंट सेंटर में ही जाकर प्राध्यापक पढ़ाएंगे। केवल प्रायोगिक कक्षाओं ... अवधि के लिए उन्हें ... ना होगा।

दैनिक भास्कर | सागर | सागर, शुक्रवार, 30 मई, 2025 | 5

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में हुआ शोध

कॉपर, मैग्नीशियम, कैल्शियम से सूडोमोनास जीवाणु को नियंत्रित करने की तकनीक खोजी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में हुए शोध में मानव शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले सूडोमोनास बैक्टीरिया के शरीर में प्रसार को रोकने की तकनीक विकसित की गई है। सहायक प्राध्यापक डॉ. योगेश भार्गव ने यह रिसर्च की है। सूडोमोनास अरुजिनोसा उन गिने चुने बैक्टीरिया में सम्मिलित है जिसके पास किसी भी प्रकार की स्थिति में अपने आपको ढालने की क्षमता विद्यमान होती है। यह ऐसा जीवाणु है जो पानी, जमीन और हवा सभी जगह पाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जैसे कठिन जगहों पर भी अपना अस्तित्व बनाए रख सकने में समर्थ है। यह एक तरफ मानव शरीर के लिए नुकसान दायक भी है क्योंकि यह जीवाणु कमजोर प्रतिरोधी क्षमता वाले लोगों जैसे शिशु, कैंसर मरीज, अंग प्रत्यारोपित मरीज या गंभीर रूप से जले मरीज आदि में मौजूद हो तो उनके स्वास्थ्य पर काफी नकारात्मक प्रभाव दिखाता है। ऐसे में यह खोज ऐसे मरीजों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को रोकने में मददगार साबित होगी। दूसरी तरफ यह इस मायने में लाभदायक भी है कि यह प्रदूषित वातावरण में रहकर प्रदूषित तत्त्वों का विघटन करके वातावरण में उनके नकारात्मक असर को कम करता है। इसलिये इसका परिस्थितिजन्य नियंत्रण जरूरी होता है।

इस जीवाणु के प्रसार की प्रदूषण नियंत्रण में बड़ी भूमिका है। यदि प्रदूषित वातावरण में इसका अच्छा खासा प्रसार हो तो यह प्रदूषित तत्वों को निष्क्रिय कर देता है। पर मरीजों के शरीर में इसका प्रसार रोका जाना चाहिए ताकि रोग जल्दी से ठीक हो सकें। इन दोहरी भूमिकाओं में इस जीवाणु को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं यह अभी एक पहेली बनी हुई थी।

प्रयोग के दौरान आकस्मिक खोज: बैक्टीरिया के प्रसार का नया नियंत्रण

डॉ. भार्गव ने बताया इसकी खोज लैब में आकस्मिक हुई थी। डॉ. भार्गव अपने पीएचडी छात्र अश्विनी वाघमारे के साथ लैब में सूडोमोनास अरुजिनोसा को पेट्रिप्लेट्स में डालकर उसकी वृद्धि कर उसके स्वार्मिंग प्रसार को समझना चाह रहे थे। कई कठिन प्रयोगों और चरणों से यह पाया गया कि बैक्टीरिया के स्वार्मिंग प्रसार को धातुओं की उपस्थिति और उनकी मात्रा से नियंत्रित किया जा सकता था। यह एक बेहद सरल और किफायती हल था। कुछ धातुओं जैसे कॉपर की एक विशिष्ट मात्रा से स्वार्मिंग प्रसार को पूरी तरह से रोका जा सकता था और मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसी धातुओं की उपस्थिति से स्वार्मिंग प्रसार को बढ़ाया जा सकता था। इसके लिए न तो बैक्टीरिया में कोई जेनेटिक बदलाव की जरूरत थी और न ही महंगे एंटीबायोटिक उपयोग की। केवल धातुओं के प्रकार और उनकी मात्रा तय करने से स्वार्मिंग प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता था।

भविष्य में सुरक्षित उपचार की उम्मीद, मावन शरीर पर परीक्षण बाकी

डॉ. भार्गव ने बताया अभी ये प्रविधि लैब के स्तर पर खोजी गई है। यह शोध एक ऐसा रास्ता सुझाती है जिस पर अभी आगे की खोज होना बाकी है। मरीजों के शरीर पर इन खोजों का परीक्षण अभी बाकी है। इसमें समय और संसाधन की जरूरत है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि धातुओं का प्रभाव इतना सफल एवं सटीक होगा इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। इस प्रकार एक सफल और सुरक्षित उपचार की उम्मीद की जा सकती है।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)